epaper.dehatsandesh.com

3 दीपावली और अन्य त्योहारों के मद्देनजर जिला प्रशासन कठुआ की सख्ती

5 ओसाका ने चोट के कारण जापान ओपन क्वाटर फाइनल से नाम वापस लिया

8 गेहूं में एकीकृत नाशीजीव प्रबंधन कैसे करें

मौसम जम्मू — न्यूनतम 19 — अधिकतम 26

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-22, जम्मू तवी, अंक-256 | जम्मू तवी, शनिवार 18 अक्तूबर, 2025 | मूल्य-2 रूपये- (लेह)4 रूपये | पृष्ठ -8

जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद के खिलाफ मोदी सरकार का कड़ा रुख बेजोड़ : शाह

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि भारत अब अभूतपूर्व संकल्प और शक्ति के साथ आतंकी खतरों का जवाब देता है। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद के खिलाफ प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की कार्रवाई दशकों में देखी गई किसी भी कार्रवाई से अलग है।

बिहार के तरैया में एक जनसभा को संबोधित करते हुए शाह ने कहा, कांग्रेस के शासनकाल में, आतंकवादी पूरे भारत में खून की होली खेलते थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, हमने ऑपरेशन सिंदूर के ज़रिए उनके घरों में घुसकर उनका सफाया कर दिया।

उन्होंने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले में शामिल आतंकवादियों को ऑपरेशन महादेव के तहत सज़ा दी गई और पाकिस्तान में उनके आकाओं को भी निशाना बनाया गया। उन्होंने आगे कहा,

जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद का जिस तरह मोदी जी ने जवाब दिया, वैसा पिछले कई दशकों में किसी ने नहीं किया। सरकार की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए, गृह मंत्री ने कहा कि जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 को हटाना एक ऐतिहासिक फैसला था जिसने इस क्षेत्र को देश के बाकी हिस्सों के साथ स्थायी रूप से एकीकृत कर दिया। उन्होंने कहा, अनुच्छेद 370 को हटाने से लेकर आतंकवाद से लड़ने तक, हमने हर मोर्चे पर कार्रवाई की है। शाह ने कहा, जब आतंकवादियों ने फिर से उठने की कोशिश की, तो हमने ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया और उन्हें उनके ही घर में सबक सिखाया। उन्होंने कहा कि सरकार ने तीन तलाक की प्रथा को समाप्त किया, मुस्लिम महिलाओं को न्याय दिलाया और 350 वर्षों के बाद अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के लंबे समय से चले आ रहे वादे को पूरा किया। शाह ने विपक्षी दलों पर अवास्तविक वादों से लोगों को गुमराह

> “कांग्रेस के शासनकाल में, आतंकवादी पूरे भारत में खून की होली खेलते थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, हमने ऑपरेशन सिंदूर के ज़रिए उनके घरों में घुसकर उनका सफाया कर दिया।

करने और भ्रष्टाचार व भय की राजनीति को पुनर्जीवित करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार विकास, कल्याण और राष्ट्रीय सुरक्षा पर केंद्रित है। उन्होंने कहा, भारतीय अर्थव्यवस्था अब दुनिया में सबसे तेज़ी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्थाओं में से एक है, मुद्रास्फीति नियंत्रण में है और देश की वैश्विक स्थिति मज़बूत हुई है। उन्होंने आगे कहा कि सरकार का दृष्टिकोण सांस्कृतिक मूल्यों पर आधारित एक आत्मनिर्भर और सुरक्षित राष्ट्र का निर्माण करना है।

सरकार राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है : मुख्यमंत्री

कुलगाम, 17 अक्टूबर। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शुक्रवार को कहा कि उनकी सरकार राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है और उम्मीद है कि जल्द ही और अधिकार (राज्य का दर्जा) दिए जाएँगे जिसमें देरी हो रही है और इसके पीछे की वजहें सिर्फ़ भारतीय जनता पार्टी ही जानती है।

कुलगाम में पत्रकारों से बात करते हुए उमर ने कहा कि राज्य का दर्जा जम्मू-कश्मीर के लोगों से किया गया एक वादा था और इसे अब तक पूरा हो जाना चाहिए था। उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद थी कि केंद्र एक साल के भीतर राज्य का दर्जा बहाल कर देगा। हमें नहीं पता कि इसमें देरी क्यों हो रही है, यह तो सिर्फ़ भाजपा ही जानती है। लेकिन इसके लिए हमारी लड़ाई जारी रहेगी।

द्विवार्षिक दरबार मूव प्रथा के पुनरुद्धार पर उमर ने कहा कि मैंने पहले दिन से ही स्पष्ट कर दिया था कि केंद्र शासित प्रदेश में हमने जो भी वादे किए हैं उन्हें पूरा करेंगे। दरबार मूव हमारे घोषणापत्र में

किए गए वादों में से एक था और 2021 से इसे बहाल कर दिया गया है।

आरक्षण के बारे में मुख्यमंत्री ने कहा कि सकीना इटू के नेतृत्व में एक कैबिनेट उप-समिति का गठन किया गया था और उसने अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी है। रिपोर्ट को मंजूरी दे दी गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कैबिनेट ज्ञापन तैयार किया जा रहा है और इसे मंजूरी के लिए उपराज्यपाल के पास भेजा जाएगा। किसानों को हुए नुकसान के बारे में उमर ने कहा कि सरकार को इस मुद्दे पर विधानसभा का इंतज़ार करने की ज़रूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि जहाँ भी कृषि या बागवानी फसलों को नुकसान हुआ है, उसका आकलन पूरा हो चुका है। अन्य राज्यों की तरह राहत पैकेज के लिए केंद्र के साथ बातचीत चल रही है। जम्मू-कश्मीर भी ऐसे पैकेज का हकदार है।कोविड-19 प्रतिबंधों के दौरान दर्ज की गई एफ़आईआर को रद्द करने के बारे में उमर ने कहा कि क़ानून-व्यवस्था अभी चुनी हुई सरकार के हाथ में नहीं है। एक बार जब हम उन शक्तियों को वापस पा लेंगे तो हम अपने अन्य वादे भी पूरे करेंगे।इस बीच जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री कार्यालय ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि उमर अब्दुल्ला ने कुलगाम में विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का दौरा किया।

पोस्ट में लिखा है कि मुख्यमंत्री ने कुलगाम में विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का दौरा किया जहाँ प्रमुख सरकारी योजनाओं, जन कल्याणकारी पहलों और प्रमुख कार्यक्रमों की उपलब्धियों को प्रदर्शित किया गया।

इसमें आगे कहा गया है कि उन्होंने अधिकारियों और लाभार्थियों से बातचीत की और नागरिक-केंद्रित शासन और प्रभावी सेवा वितरण सुनिश्चित करने के प्रयासों की सराहना की।

भ्रष्टाचार के मामले में पूर्व मुख्य अभियंता, पीएचई और 4 अन्य के खिलाफ अभियोजन शिकायत दर्ज

श्रीनगर, 17 अक्टूबर। प्रवर्तन निदेशालय ने शुक्रवार को लोक स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के पूर्व मुख्य अभियंता और चार अन्य के खिलाफ सरकारी धन के दुरुपयोग से जुड़े एक मामले में अभियोजन शिकायत दर्ज की।

प्रवर्तन निदेशालय श्रीनगर ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि उसने जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग (पीएचईडी), कश्मीर के तत्कालीन मुख्य अभियंता गुलाम मोहम्मद भट और चार अन्य के खिलाफ विशेष न्यायालय (पीएमएलए), श्रीनगर में अभियोजन शिकायत दर्ज की है। अन्य व्यक्तियों में रजनीश बल, मोहम्मद अमीन वानी, निसार अहमद भट और मेसर्स बाबा एंटरप्राइजेज के भागीदार इमरान बाबा शामिल हैं।

सरकारी धन के दुरुपयोग के मामले में पीएमएलए, 2002 के तहत शिकायत दर्ज की गई है। अदालत ने आरोपियों को पूर्व-संज्ञान नोटिस जारी किया है

खबर संक्षेप

गृह मंत्रालय ने लेह हिंसा की न्यायिक जांच का आदेश दिया

नयी दिल्ली 17 अक्टूबर। गृह मंत्रालय ने लेह में पिछले महीने हुई हिंसा की घटना की न्यायिक जांच के आदेश जारी करते हुए कहा है कि उच्चतम न्यायालय के सेवानिवृत न्यायाधीश बी एस चौहान की अध्यक्षता वाली समिति यह जांच करेगी।

मंत्रालय ने शुक्रवार को इससे संबंधित अधिसूचना जारी करते हुए कहा कि इस समिति के अन्य सदस्यों में सेवानिवृत जिला एवं सत्र न्यायाधीश मोहन सिंह परिहार न्यायिक सचिव और आईएएस अधिकारी तुषार आनंद प्रशासनिक सचिव के रूप में सहयोग करेंगे।

यह समिति उन परिस्थितियों की जांच करेगी जिससे क्षेत्र में कानून व्यवस्था की स्थिति बिगड़ी और चार लोगों की जान गयी।

उल्लेखनीय है कि 24 सितम्बर को लेह एपेक्स बॉडी और करगिल डेमोक्रेटिक अलायंस ने लद्दाख को संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने और पूर्ण राज्य का दर्जा देने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया था। प्रदर्शन के दौरान सुरक्षाकर्मियों और प्रदर्शनकारियों के बीच हुई झड़प मे चार लोग मारे गये और कई अन्य घायल हुए थे।

इसके बाद विरोध प्रदर्शनों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के तहत गिरफ्तार कर लिया गया था।

आरओ ने विधायक मेहराज मलिक के लिए कठुआ जेल में मतपत्र भेजे

श्रीनगर, 17 अक्टूबर। राज्यसभा चुनाव के लिए रिटर्निंग ऑफिसर ने जिला जेल कठुआ के अधीक्षक को डाक मतपत्र भेजे हैं, जहाँ आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक मेहराज मलिक जन सुरक्षा अधिनियम, 1978 के तहत बंद हैं, ताकि वे अपना वोट डाल सकें।

सूत्रों ने बताया कि विधानसभा सचिव मनोज पंडिता, जो चुनाव के लिए रिटर्निंग ऑफिसर के रूप में कार्यरत हैं, ने मलिक को डाक के माध्यम से मतपत्र भेजे हैं ताकि वे चुनाव में भाग ले सकें। उन्होंने कहा, 卐तीन मतपत्र भेजे गए हैं क्योंकि प्रत्येक विधायक चुनाव में तीन वोट डालने का हकदार है। उन्होंने आगे बताया कि मतपत्र एक सीलबंद लिफाफे में भेजे गए थे। जेल अधीक्षक को मलिक की पहचान सत्यापित करने के लिए एक घोषणापत्र पर हस्ताक्षर भी करने होंगे। नियमों के अनुसार, मलिक 24 अक्टूबर को निर्धारित मतदान तिथि से पहले अपना वोट डाल सकते हैं। जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 बंदियों को अपने मताधिकार का प्रयोग करने की अनुमति देता है, लेकिन जेलों में बंद विचाराधीन और दोषियों को मतदान का अधिकार नहीं देता है। चूँकि मेहराज मलिक वर्तमान में जन सुरक्षा अधिनियम के तहत निरुद्ध हैं, इसलिए उन्हें डाक मतपत्र की सुविधा प्रदान की गई है। जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 62 की उपधारा (5) के अनुसार, जेल में बंद व्यक्ति - चाहे वे कारावास की सजा काट रहे हों, निर्वासन की सजा काट रहे हों, या पुलिस हिरासत में हों - मतदान के हकदार नहीं हैं।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने 77-नगरोटा विधानसभा उपचुनाव की तैयारियों की समीक्षा की

जम्मू, 17 अक्टूबर। जम्मू और कश्मीर के मुख्य निर्वाचन अधिकारी संजीव वर्मा ने 77-नगरोटा विधानसभा क्षेत्र में 11 नवंबर, 2025 को होने वाले उपचुनाव की तैयारियों की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. राकेश मन्हास ने निर्वाचन प्रबंधनों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि निर्वाचन क्षेत्र में 97,893 पंजी.त मतदाता हैं और उपचुनाव के लिए 150 मतदान केंद्र स्थापित किए गए हैं, जिनमें रैंप, प्रकाश व्यवस्था, पेयजल और स्वच्छता जैसी सभी न्यूनतम आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित की गई हैं। बैठक में ईवीएम और वीवीपैट प्रबंधन, परिवहन योजना, एसवीईईपी अभियान, स्ट्रॉन्ग रूम व्यवस्था और दिव्यांगजन तथा वरिष्ठ नागरिकों के लिए की गई व्यवस्थाओं पर भी विस्तृत विचार-विमर्श हुआ। अधिकारियों को संबोधित करते हुए सीईओ संजीव वर्मा ने कहा कि उपचुनाव स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से आयोजित होना चाहिए। उन्होंने आचार संहिता के सख्त पालन और शिकायतों के समयबद्ध समाधान पर बल देते हुए कहा कि यह चुनाव लोकतंत्र का उत्सव है, जिसमें समाज के सभी वर्गों की समावेशी भागीदारी सुनिश्चित की जानी चाहिए।

कश्मीर विश्वविद्यालय ने 20 अक्टूबर को होने वाली सभी परीक्षाएँ की स्थगित

श्रीनगर, 17 अक्टूबर। कश्मीर विश्वविद्यालय ने शेख नूर-उद-दीन नूरानी (आरए) के उर्स के सार्वजनिक अवकाश को देखते हुए 20 अक्टूबर, 2025 को होने वाली सभी परीक्षाएँ स्थगित कर दी हैं।

सहायक परीक्षा नियंत्रक द्वारा जारी एक अधिसूचना में कहा गया है कि 20 अक्टूबर, 2025 को उर्स-शेख नूर-उद-दीन साहिब के लिए घोषित सार्वजनिक अवकाश के कारण उस तिथि को होने वाली सभी विश्वविद्यालय परीक्षाएँ स्थगित कर दी गई हैं। स्थगित परीक्षाओं की नई तिथियों की घोषणा अलग से की जाएगी।

विकास किसी भी समुदाय को पीछे छोड़कर नहीं, सभी समुदायों के साथ मिलकर ही संभव : द्रौपदी मुर्मु

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि विकास किसी भी समुदाय को पीछे छोड़कर नहीं बल्कि सभी समुदायों के साथ मिलकर ही संभव है। शुक्रवार को विज्ञान भवन में आयोजित आदि कर्मयोगी अभियान 2025卐 राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि देश की आजादी के 75 वर्ष से अधिक समय बीत जाने के बावजूद आदिवासी समाज अपने स्वाभिमान और आत्मनिर्भरता की परंपरा पर कायम है। उन्होंने कहा कि आदिवासी समुदायों का चरित्र ऐसा है कि वे अपनी जरूरतें स्वयं पूरी करते हैं, मांगना नहीं जानते और अपनी संस्कृति एवं प्रकृति के साथ सामंजस्य में जीवन जीते हैं।

डॉ.अमरसूर्या की यात्रा से श्रीलंका-भारत संबंधों को मिलेगी नयी गति : मोदी

नयी दिल्ली 17 अक्टूबर। श्रीलंका की प्रधानमंत्री डॉ. हरिनी अमरसूर्या ने शुक्रवार को यहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात कर द्विपक्षीय संबंधों के विभिन्न पहलुओं पर विचार विमर्श किया। श्री मोदी ने डा अमरसूर्या का स्वागत करते हुए कहा कि उनकी भारत यात्रा ऐतिहासिक है और बहुआयामी भारत-श्रीलंका संबंधों को नई गति प्रदान करेगी। दोनों नेताओं ने शिक्षा, प्रौद्योगिकी, नवाचार विकास सहयोग और मछुआरों के कल्याण सहित कई क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करने के उपायों पर चर्चा की। श्री मोदी ने भारत और श्रीलंका के बीच विशेष संबंधों पर प्रकाश डालते हुए दोनों देशों की साझा विकास यात्रा में साथ मिलकर काम करने की भारत की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

श्रीलंका की प्रधानमंत्री इन दिनों भारत की यात्रा पर यहां आई हुई हैं।

सदियों पुरानी दरबार मूव प्रथा को पुनर्जीवित करने सरकार के फैसले का व्यापारिक समुदाय ने किया स्वागत

जम्मू, 17 अक्टूबर। जम्मू के व्यापारिक समुदाय ने सदियों पुरानी दरबार मूव प्रथा को पुनर्जीवित करने के सरकार के फैसले का गर्मजोशी से स्वागत किया है।

उन्होंने इसे एक ऐतिहासिक और सकारात्मक कदम बताया है जो न केवल शीतकालीन राजधानी में व्यावसायिक गतिविधियों को पुनर्जीवित करेगा बल्कि जम्मू और कश्मीर के बीच भावनात्मक और प्रशासनिक बंधन को भी मजबूत करेगा।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कल घोषणा की कि पूर्ण दरबार मूव को फिर से शुरू करने से संबंधित फाइल को उपराज्यपाल ने मंजूरी दे दी है और जल्द ही एक आदेश जारी किया जाएगा।

जम्मू-श्रीनगर राजमार्ग पर सुरक्षा दीवार का एक हिस्सा ढहा, वाहनों की आवाजाही बाधित

बनिहाल, 17 अक्टूबर। जम्मू-कश्मीर के रामबन ज़िले में जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर बनी सुरक्षा दीवार का एक हिस्सा गुरुवार रात को ढह गया, जिससे वाहनों की आवाजाही बाधित हो गई है।

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के परियोजना निदेशक शुभम यादव ने शुक्रवार को बताया कि पिछली दीवार का 40 मीटर का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया है। उससे सटी सावनी पंचायत संपर्क सड़क धंस गई है। उन्होंने कहा कि चार लेन वाले राजमार्ग की एक ट्यूब बंद कर दी गई है। कटाव का कारण अभी पता नहीं चल पाया है।

उन्होंने कहा कि प्रभावित ट्यूब को जल्द से जल्द यातायात योग्य बनाने के लिए मरम्मत कार्य शुरू कर दिया

गया है। वर्तमान में यातायात को एक ही चालू ट्यूब के माध्यम से नियंत्रित किया जा रहा है, जिससे इस हिस्से पर आवाजाही धीमी हो गई है। उन्होंने बताया कि इसके ढहने से सावनी पंचायत संपर्क सड़क का एक हिस्सा भी क्षतिग्रस्त हो गया, जिससे संपर्क प्रभावित हुआ है। एनएचएआई जिला प्रशासन और यातायात विभाग के अधिकारी मौके पर स्थिति की निगरानी कर रहे हैं, ताकि कश्मीर को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ने वाले रणनीतिक राजमार्ग पर यातायात सुचारू किया जा सके।

अत्याधुनिक तेजस की सफल उड़ान रक्षा के क्षेत्र में भारत की बढ़ती आत्मनिर्भरता का एक ज्वलंत प्रतीक : राजनाथ

मुंबई, 17 अक्टूबर। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को नासिक में कहा कि अत्याधुनिक तेजस एमके1ए की सफल उड़ान रक्षा के क्षेत्र में भारत की बढ़ती आत्मनिर्भरता का एक ज्वलंत प्रतीक है। उन्होंने कहा कि यह भारत की रक्षा विनिर्माण क्षमताओं को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम है।

रक्षामंत्री राजनाथ शुक्रवार को हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के

नासिक स्थित संयंत्र में एचएएल तेजस एमके1ए हल्के लड़ाकू विमान की तीसरी उत्पादन लाइन और एचएएल एचटीटी-40 प्रशिक्षण विमान की दूसरी उत्पादन लाइन का उद्घाटन किया। राजनाथ सिंह ने कहा कि जब 2014 में वर्तमान सरकार सत्ता में आई थी, तब भारत अपने लगभग 70 फीसदी महत्वपूर्ण सैन्य उपकरणों का आयात करता था।

विधानसभा अध्यक्ष ने विधानसभा सत्र पूर्व वार्ता में मीडियाकर्मियों से बातचीत की

श्रीनगर, 17 अक्टूबर। जम्मू और कश्मीर विधान सभा अध्यक्ष अब्दुल रहीम राथर ने विधानसभा सचिवालय में विभिन्न समाचार संस्थानों के मीडिया कर्मियों से बातचीत की, ताकि आगामी विधानसभा सत्र की सुचारू और प्रभावी कवरेज सुनिश्चित की जा सके। बैठक में सूचना निदेशक नितीश राजोरा, सचिव विधानसभा मनोज कुमार पंडित, एसएसपी सुरक्षा नागरिक सचिवालय सज्जाद के. भट्ट, संयुक्त निदेशक सूचना कश्मीर सैयद शाहनवाज़ बुख़ारी, उप निदेशक सूचना (पीआर) जाविद अहमद राथर, सहायक निदेशक दूरदर्शन, वरिष्ठ पत्रकार, ब्यूरो प्रमुख, अखिल भारत रेडियो के प्रतिनिधि और अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। बातचीत के दौरान, अध्यक्ष ने मीडिया समुदाय के साथ विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की, जिनका संबंध आगामी सत्र के दौरान उनके कार्य वातावरण को बेहतर बनाने के लिए आवश्यक अतिरिक्त संसाधनों से था। विचार-विमर्श का मुख्य उद्देश्य मीडिया कर्मियों के विधानसभा परिसर में निर्बाध प्रवेश और सत्र की सुचारू कवरेज के लिए उनकी सुविधाओं को सुनिश्चित करना था। अध्यक्ष ने पारदर्शिता बनाए रखने और विधान कार्यवाही पर सूचित सार्वजनिक चर्चा को प्रोत्साहित करने में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि मीडिया जनता और विधानमंडल के बीच सेतु का कार्य करता है, जिससे नागरिक जम्मू और कश्मीर में शासन से जुड़ी नीतियों, चर्चाओं और निर्णयों से अवगत रहते हैं। जन मुद्दों को उजागर करने में मीडिया की अहम भूमिका को स्वीकार करते हुए, अध्यक्ष ने मीडिया संस्थानों से सत्र की संतुलित और जिम्मेदार रिपोर्टिंग में सहयोग का आग्रह किया।

भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेष वापस लाने के लिए उपराज्यपाल सिन्हा रूस पहुंचे

श्रीनगर, 17 अक्टूबर। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शुक्रवार को रूस के कलमीकिया के एलिस्टा में अपने आगमन की घोषणा की। यह उनकी आधिकारिक यात्रा है जहाँ वे एक सप्ताह तक चली प्रदर्शनी के बाद भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों को वापस लाएँगे। ट्विटर पर एक पोस्ट में, जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल कार्यालय ने लिखा, रूस के कलमीकिया के एलिस्टा पहुँच गया हूँ। भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों के दर्शन करने और कलमीकिया गणराज्य के प्रमुख श्री बटू सर्गेयेविच खासिकोव, कलमीकिया के बौद्ध धर्मगुरु, कलमीकिया के शाजिन लामा, आदरणीय भिक्षुओं और स्थानीय श्रद्धालुओं से मिलने के लिए उत्सुक हूँ। यह यात्रा भारत और रूस के बीच एक महत्वपूर्ण सांस्कृतिक और आध्यात्मिक जुड़ाव का प्रतीक है, जो साझा बौद्ध विरासत को उजागर करती है और पवित्र अवशेषों की वापसी के माध्यम से सांस्कृतिक कूटनीति को मज़बूत करती है।

मुख्यमंत्री ने अनंतनाग में विकास परियोजनाओं, केंद्रीय सहायता और पूंजीगत व्यय बजट के कार्यान्वयन की प्रगति की समीक्षा की

अनंतनाग 17 अक्टूबर। जिलों के व्यापक दौरे को जारी रखते हुए मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने जिला अनंतनाग में विकास परि.श्य, चल रही परियोजनाओं और सरकारी योजनाओं के कार्यान्वयन की समीक्षा हेतु व्यापक बैठक की अध्यक्षता की।

मुख्यमंत्री ने जिला कैपेक्स 2025-26, केंद्र प्रायोजित योजनाओं और अन्य प्रमुख कार्यक्रमों के अंतर्गत प्रगति का विस्तृत जायजा लिया।

बैठक में उपमुख्यमंत्री सुरिंदर कुमार चौधरी, मंत्री सकीना इत्तू, जावेद राणा, जाविद डार, सतीश शर्मा, मुख्यमंत्री के सलाहकार नासिर असलम वानी, जिला विकास परिषद अध्यक्षा अनंतनाग, विधायक पीरजादा मोहम्मद सईद (अनंतनाग), जी.ए. मीर (डूरू), अल्ताफ अहमद वानी (पहलगाम), अब्दुल मजीद भट्ट (अनंतनाग पश्चिम), ज़फ़र अली खताना (कोकरनाग), डॉ. बशीर अहमद वीरी (श्रीगुफ़्वारा-बीजबेहाड़ा) और रियाज़ ए. खान (शंगस-अनंतनाग पूर्व) उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव धीरज गुप्ता, उपायुक्त अनंतनाग फख़रुद्दीन, विभागाध्यक्ष, जिला अधिकारी और अन्य संबंधित अधिकारी भी बैठक में शामिल हुए।

बैठक की शुरुआत में उपायुक्त अनंतनाग ने जिले के विकास कार्यों, चल रही परियोजनाओं और विभिन्न विभागों के प्रदर्शन पर विस्तृत प्रस्तुति दी। समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने विकास परियोजनाओं में तेजी लाने, नियमित पखवाड़ा-वार निगरानी सुनिश्चित करने, निधियों के समयबद्ध उपयोग और निधियों की समाप्ति रोकने की आवश्यकता पर जोर दिया।

हिन्दू धर्म में धनवंतरी देवताओं के वैद्य माने गए हैं। धनवंतरी महान चिकित्सक थे। हिन्दू धार्मिक मान्यताओं के अनुसार धनवंतरी भगवान विष्णु के अवतार समझे गए हैं। समुद्र मंथन के दौरान धनवंतरी का पृथ्वी लोक में अवतरण हुआ था। शरद पूर्णिमा को चंद्रमा, कार्तिक द्वादशी को कामधेनु गाय, त्रयोदशी को धन्वंतरी, चतुर्दशी को काली माता और अमावस्या को भगवती लक्ष्मी जी का सागर से प्रादुर्भाव हुआ था। इसीलिए दीपावली के दो दिन पूर्व धनतेरस को भगवान धनवंतरी का जन्म धनतेरस के रूप में मनाया जाता है।

आज ही के दिन आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति के जन्मदाता धन्वन्तरि वैद्य समुद्र से अमृत कलश लेकर प्रगट हुए थे, इसलिए धनतेरस को धन्वन्तरि जयन्ती भी कहते हैं। इसीलिए वैद्य-हकीम और ब्राह्मण समाज आज धन्वन्तरि भगवान का पूजन कर धन्वन्तरि जयन्ती मनाता है।

भगवान धनवंतरी व यम पूजन का दिन

धनतेरस

कार्तिक मास की कृष्ण त्रयोदशी को धनतेरस कहते हैं। यह त्योहार दीपावली आने की पूर्व सूचना देता है। इस दिन नए बर्तन खरीदना शुभ माना जाता है। धनतेरस के दिन मृत्यु के देवता यमराज और भगवान धनवंतरी की पूजा का महत्व है।

क्यों मनाया जाता है धनतेरस

भारतीय संस्कृति में स्वास्थ्य का स्थान धन से ऊपर माना जाता रहा है। यह कहावत आज भी प्रचलित है कि पहला सुख निरोगी काया, दूजा सुख घर में माया इसलिए दीपावली में सबसे पहले धनतेरस को महत्व दिया जाता है। जो भारतीय संस्कृति के हिसाब से बिल्कुल अनुकूल है। शास्त्रों में वर्णित कथाओं के अनुसार समुद्र मंथन के दौरान कार्तिक कृष्ण त्रयोदशी के दिन भगवान धनवंतरी अपने हाथों में अमृत कलश लेकर प्रकट हुए। मान्यता है कि भगवान धनवंतरी विष्णु के अंशावतार हैं। संसार में चिकित्सा विज्ञान के विस्तार और प्रसार के लिए ही भगवान विष्णु ने धनवंतरी का अवतार लिया था। भगवान धनवंतरी के प्रकट होने के उपलक्ष्य में ही धनतेरस का त्योहार मनाया जाता है।

धनतेरस की कथा

धनतेरस से जुड़ी कथा है कि कार्तिक कृष्ण त्रयोदशी के दिन देवताओं के कार्य में बाधा डालने के कारण भगवान विष्णु ने असुरों के गुरु शुक्राचार्य की एक आंख फोड़ दी थी। कथा के अनुसार, देवताओं को राजा बलि के भय से मुक्ति दिलाने के लिए भगवान विष्णु ने वामन अवतार लिया और राजा बलि के यज्ञ स्थल पर पहुंच गए।
शुक्राचार्य ने वामन रूप में भी भगवान विष्णु को पहचान लिया और राजा बलि से आग्रह किया कि वामन कुछ भी मांगे उन्हें इंकार कर देना। वामन साक्षात भगवान विष्णु हैं जो देवताओं की सहायता के लिए तुमसे सब कुछ छीनने आए हैं। बलि ने शुक्राचार्य की बात नहीं मानी। वामन भगवान द्वारा मांगी गई तीन पग भूमि, दान करने के लिए कमंडल से जल लेकर संकल्प लेने लगे। बलि को दान करने से रोकने के लिए शुक्राचार्य राजा बलि के कमंडल में लघु रूप धारण करके प्रवेश कर गए। इससे कमंडल से जल निकलने का मार्ग बंद हो गया। वामन भगवान शुक्राचार्य की चाल को समझ गए। भगवान वामन ने अपने हाथ में रखे हुए कुशा को कमण्डल में ऐसे रखा कि शुक्राचार्य की एक आंख फूट गई। शुक्राचार्य छटपटाकर कमण्डल से निकल आए।
इसके बाद बलि ने तीन पग भूमि दान करने का संकल्प ले लिया। तब भगवान वामन ने अपने एक पैर से संपूर्ण पृथ्वी को नाप लिया और दूसरे पग से अंतरिक्ष को। तीसरा पग रखने के लिए कोई स्थान नहीं होने पर बलि ने अपना सिर वामन भगवान के चरणों में रख दिया।
बलि दान में अपना सब कुछ गंवा बैठा। इस तरह बलि के भय से देवताओं को मुक्ति मिली और बलि ने जो धन-संपत्ति देवताओं से छीन ली थी उससे कई गुणा धन-संपत्ति देवताओं को मिल गई। इस उपलक्ष्य में भी धनतेरस का त्योहार मनाया जाता है।

क्या खास करें इस दिन

इस दिन अपने सामर्थ अनुसार किसी भी रूप में चांदी एवं अन्य धातु खरीदना अति शुभ है। धन संपत्ति की प्राप्ति हेतु कुबेर देवता के लिए घर के पूजा स्थल पर दीप दान करें एवं मृत्यु देवता यमराज के लिए मुख्य द्वार पर भी दीप दान करें।

धनतेरस से आरंभ करें मां लक्ष्मी की आराधना

धनतेरस के शुभ दिन से मां लक्ष्मी को प्रसन्न करने के उपाय किए जाने चाहिए। इसके लिए धनतेरस विशेष तंत्र पूजन का विधान शास्त्रों में मिलता है। प्रस्तुत है मंत्र-तंत्र विधि -
ऊँ ह्रीं ह्रीं ह्रीं महालक्ष्मी धनदा लक्ष्मी कुबेराय मम गृह स्थिरो ह्रीं ऊँ नमः।

विधि - सबसे पहले सामने लक्ष्मी जी का चित्र रखें तथा उनके सामने लाल रंग का वस्त्र बिछाकर उस पर दक्षिणावर्ती शंख रख दें। उस पर केसर से स्वास्तिक बना लें तथा कुमकुम से तिलक कर दें। बाद में स्फटिक की माला से मंत्र की 7 माला करें। तीन दिन तक ऐसा निरंतर करें। इतने से ही मंत्र-साधना सिद्ध हो जाती है। मंत्र जप पूरा होने के पश्चात् लाल वस्त्र में शंख को बांधकर घर में रख दें। जब तक वह शंख घर में रहेगा, तब तक घर में निरंतर उन्नति होती रहेगी।

क्यों मनाई जाती है धनतेरस

धनतेरस, धनवंतरी त्रयोदशी या धन त्रयोदशी दीपावली से पूर्व मनाया जाना महत्वपूर्ण पर्व है। इस दिन आरोग्य के देवता धनवंतरी, मृत्यु के अधिपति यम, वास्तविक धन संपदा की अधिष्ठात्री देवी लक्ष्मी तथा वैभव के स्वामी कुबेर की पूजा की जाती है। इस त्योहार को मनाए जाने के पीछे मान्यता है कि लक्ष्मी के आह्वान के पहले आरोग्य की प्राप्ति और यम को प्रसन्न करने के लिए कर्मों का शुद्धिकरण अत्यंत आवश्यक है।

- कुबेर भी आसुरी प्रवृत्तियों का हरण करने वाले देव हैं।
- धनवंतरी और मां लक्ष्मी का अवतरण समुद्र मंथन से हुआ था। दोनों ही कलश लेकर अवतरित हुए थे।
- श्री सूक्त में लक्ष्मी के स्वरूपों का विवरण कुछ इस प्रकार मिलता है।
  धनमग्नि, धनम वायु, धनम सूर्यो धनम वसु
  अर्थात् प्रकृति ही लक्ष्मी है और प्रकृति की रक्षा करके मनुष्य स्वयं के लिए ही नहीं, अपितु निःस्वार्थ होकर पूरे समाज के लिए लक्ष्मी का सृजन कर सकता है।
- श्री सूक्त में आगे यह भी लिखा गया है- 'न क्रोधो न मात्सर्यम न लोभो ना अशुभा मति'
  तात्पर्य यह कि जहां क्रोध और किसी के प्रति द्वेष की भावना होगी, वहां मन की शुभता में कमी आएगी, जिससे वास्तविक लक्ष्मी की प्राप्ति में बाधा उत्पन्न होगी। यानी किसी भी प्रकार की मानसिक विकृतियां लक्ष्मी की प्राप्ति में बाधक हैं।
- आचार्य धनवंतरी के बताए गए मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य संबंधी उपाय अपनाना ही धनतेरस का प्रयोजन है।
- श्री सूक्त में वर्णन है कि, लक्ष्मी जी भय और शोक से मुक्ति दिलाती हैं तथा धन-धान्य और अन्य सुविधाओं से युक्त करके मनुष्य को निरोगी काया और लंबी आयु देती हैं।

अकाल मृत्यु से रक्षा करता है धनतेरस का दीपदान

धनतेरस के दिन खरीदारी में इतने व्यस्त न हो जाएं कि शाम के समय दीपदान करना भूल जाएं। धनतेरस की शाम में दीपदान का बड़ा ही महत्व है। शास्त्रों में बताया गया है कि धनतेरस के दिन संध्या के समय दीपदान जरूर करना चाहिए। इससे यमराज प्रसन्न होते हैं और अकाल मृत्यु से बचाव होता है।
इस संदर्भ में कथा है कि, एक बार यमराज ने यमदूतों से कहा लोगों के प्राण हरते समय तुम्हें कभी दुःख हुआ है अथवा नहीं। इस पर यमदूत ने कहा कि एक बार एक राजकुमार के प्राण हरते समय हमें बहुत दुःख हुआ था। राजकुमार की शादी के चार ही दिन हुए थे। राजकुमार की मृत्यु से राजमहल में चित्कार और हाहाकार मच गयी। नववधू का विलाप देखकर हमारा हृदय हमें धिक्कारने लगा। इसके बाद यमदूतों ने यमराज से पूछा कि हे यमदेव कोई ऐसा उपाय नहीं है जिससे प्राणी की अकाल मृत्यु न हो। यमराज ने कहा कि जो व्यक्ति धनतेरस के दिन मेरे नाम से दीप जलाकर मुझे स्मरण करेगा उसे अकाल मृत्यु का भय नहीं सताएगा। यमदीप के संदर्भ में एक अन्य कथा भी प्रचलित है कि, प्राचीन काल में एक हिम नामक राजा हुए। विवाह के कई वर्षों बाद इन्हें पुत्र की प्राप्ति हुई। ज्योतिषियों ने जब राजकुमार की कुण्डली देखी तो कहा कि विवाह के चौथे दिन राजकुमार की मृत्यु हो जाएगी। राजा रानी इस बात को सुनकर दुःखी हो गये। समय बितता गया और राजकुमार की शादी हो गयी। विवाह का चौथा दिन भी आ गया। राजकुमार की मृत्यु होने के भय से सभी लोग सहमे हुए थे। लेकिन राजकुमार की पत्नी चिंता मुक्त थी। उसे मां लक्ष्मी की भक्ति पर पूरा विश्वास था। शाम होने पर राजकुमार की पत्नी ने पूरे महल को दीपों से सजा दिया। इसके बाद मां लक्ष्मी के भजन गाने लगी। यमदूत जब राजकुमार के प्राण लेने आये तो मां लक्ष्मी की भक्ति में लीन राजकुमार की पतिव्रता पत्नी को देखकर महल में प्रवेश करने का साहस नहीं जुटा पाये। यमदूतों के लौट जाने पर यमराज स्वयं सर्प का रूप धारण करके महल में प्रवेश कर गये। सर्प बने यमराज जब राजकुमारी के कक्ष के समाने पहुंचे तब दीपों की रोशनी और लक्ष्मी मां की कृपा से सर्प की आंखें चौंधिया गयी और सर्प बने यमराज राजकुमारी के पास पहुंच गये। राजकुमारी के भजनों में यमराज ऐसे खोये की उन्हें पता ही नहीं चला कि कब सुबह हो गयी। राजकुमार की मृत्यु का समय गुजर जाने के बाद यमराज को खाली हाथ लौटना पड़ा और राजकुमार दीर्घायु हो गया। ऐसी मान्यता है कि इसी दिन से धनतेरस के दिन यमदीप जलाने की परंपरा शुरू हुई।

छोटी दीपावली-नरक चतुर्दशी

कार्तिक माह के कृष्णपक्ष की चतुर्दशी को नरक चतुर्दशी के नाम से जाना जाता है. नरक चतुर्दशी को नरक चौदस, रुप चौदस, रूप चतुर्दशी, नर्क चतुर्दशी या नरका पूजा के नाम से भी जानते हैं. मान्यता है कि कार्तिक कृष्ण चतुर्दशी के दिन मुख्य रूप से मृत्यु के देवता यमराज की पूजा का विधान है.

नरक चतुर्दशी को छोटी दीपावली भी कहा जाता है. दीपावली से एक दिन पहले मनाई जाने वाली नरक चतुर्दशी के दिन संध्या के पश्चात दीपक प्रज्जवलित किए जाते हैं. नरक चतुर्दशी का पूजन कर अकाल मृत्यु से मुक्ति तथा स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए यमराज जी की पूजा उपासना की जाती है. इस रात्रि के पूजन एवं दीप जलाने की प्रथा के संदर्भ में पौराणिक कथाएं तथा कुछ लोक मान्यताएं प्रचलित हैं जो इस पर्व के महत्व को परिलक्षित हैं.

नरक चतुर्दशी पर्व से जुड़ीं कथाएं

नरक चतुर्दशी के पर्व के साथ अनेक पौराणिक कथाएं प्रचलित हैं. एक पौराणिक कथा के अनुसार रन्ति देव नामक एक राजा हुए थे. वह बहुत ही पुण्यात्मा और धर्मात्मा पुरूष थे सदैव धर्म कर्म के कार्यों में लगे रहते थे. जब उनका अंतिम समय आया तो यमराज के दूत उन्हें लेने के लिए आते हैं. और राजा को नरक में ले जाने के लिए आगे बढते हैं. यमदूतों को देख कर राजा आश्चर्य चकित हो उनसे पूछते हैं कि मैंने तो कभी कोई अधर्म या पाप नहीं किया है तो फिर आप लोग मुझे नर्क में क्यों भेज रहे हैं. कृपा कर मुझे मेरा अपराध बताएं जिस कारण मुझे नरक का भागी होना पड़ रहा है. राजा की करूणा भरी वाणी सुनकर यमदूत उनसे कहते हैं कि, हे राजन एक बार तुम्हारे द्वार से एक ब्राह्मण भूखा ही लौट गया जिस कारण तुम्हें नरक जाना पड़ रहा है. यह सुनकर राजा यमदूतों से विनती करते हुए कहते हैं कि वह उसे एक वर्ष का और समय देने की कृपा करें. राजा का कथन सुनकर यमदूत विचार करने लगते हैं और राजा की आयु एक वर्ष बढ़ा देते हैं. यमदूतों के जाने पर राजा इस समस्या के निदान के लिए ऋषियों के पास जाता हैं, उन्हें सारा वृतान्त सुनाता है. ऋषि राजा से कहते हैं कि यदि राजन कार्तिक मास की कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी का व्रत करें. ब्रह्मणों को भोजन करवा कर उनसे अपने अपराधों के लिए क्षमा याचना करें तो वह इस पाप से मुक्त हो सकते हैं. ऋषियों के कथन अनुसार राजा कार्तिक माह की कृष्ण चतुर्दशी का व्रत करता है और इस प्रकार राजा पाप मुक्त हो कर विष्णु लोक में स्थान पाता है. तभी से पापों एवं नर्क से मुक्ति हेतु कार्तिक चतुर्दशी व्रत प्रचलित है. एक अन्य कथा अनुसार, भगवान श्रीकृष्ण ने कार्तिक माह को कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी के दिन नरकासुर का वध करके, देवताओं व ऋषियों को उसके आतंक से मुक्ति दिलवाई थी. इसके साथ ही साथ श्री कृष्ण भगवान ने सोलह हजार कन्याओं को नरकासुर के बंदी गृह से मुक्त करवाया था. इस उपलक्ष पर नगर वासियों ने नगर को दीपों से प्रकाशित किया और उत्सव मनाया तभी से नरक चतुर्दशी का त्यौहार मनाया जाने लगा.

रूप चतुर्दशी

नरक चतुर्दशी को रूप चतुर्दशी भी कहते हैं. रूप चतुर्दशी के दिन भगवान श्रीकृष्ण की पूजा करनी चाहिए ऐसा करने से रूप सौंदर्य की प्राप्ति होती है. रूप चतुर्दशी से संबंधित एक कथा भी प्रचलित है मान्यता है कि प्राचीन समय पहले हिरण्यगर्भ नामक राज्य में एक योगी रहा करते थे. एक बार योगीराज ने प्रभु को पाने की इच्छा से समाधि धारण करने का प्रयास किया. अपनी इस तपस्या के दौरान उन्हें अनेक कष्टों का सामना करना पड़ा. उनकी देह पर कीड़े पड़ गए, बालों, रोओं और भौंहों पर जुएँ पैदा हो गई. अपनी इतनी विभत्स दशा के कारण वह बहुत दुखी होते हैं. तभी विचरण करते हुए नारद जी उन योगी राज जी के पास आते हैं और उन योगीराज से उनके दुख का कारण पूछते हैं. योगीराज उनसे कहते हैं कि, हे मुनिवर मैं प्रभु को पाने के लिए उनकी भक्ति में लीन रहा परंतु मुझे इस कारण अनेक कष्ट हुए हैं ऐसा क्यों हुआ? योगी के करूणा भरे वचन सुनकर नारदजी उनसे कहते हैं, हे योगीराज तुमने मार्ग तो उचित अपनाया किंतु देह आचार का पालन नहीं जान पाए इस कारण तुम्हारी यह दशा हुई है. नारद जी के कथन को सुन, योगीराज उनसे देह आचार के विषय में पूछते हैं इस पर नारदजी उन्हें कहते हैं कि सर्वप्रथम आप कार्तिक कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी के दिन व्रत रखकर भगवान की पूजा अराधना करें क्योंकि ऐसा करने से आपका शरीर पुनः पहले जैसा स्वस्थ और रूपवान हो जाएगा. तब आप मेरे द्वारा बताए गए देह आचार को कर सकेंगे. नारद जी के वचन सुन योगीराज ने वैसा ही किया और उस व्रत के फलस्वरूप उनका शरीर पहले जैसा स्वस्थ एवं सुंदर हो गया. अतः तभी से इस चतुर्दशी को रूप चतुर्दशी के नाम से जाना जाने लगा.

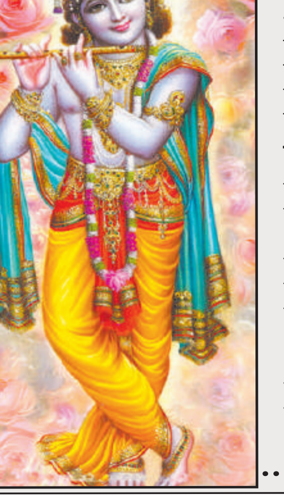

नरक चतुर्दशी पूजा विधि

नरक चतुर्दशी के दिन सुबह के समय आटा, तेल और हल्दी को मिलाकर उबटन तैयार किया जाता है. इस उबटन को शरीर पर लगाकर, अपामार्ग (चिचड़ी) की पत्तियों को जल में डालकर स्नान करते हैं. इस दिन विशेष पूजा की जाती है जो इस प्रकार होती है, सर्वप्रथम एक थाल को सजाकर उसमें एक चौमुख दिया जलाते हैं तथा सोलह छोटे दीप और जलाएं तत्पश्चात रोली खीर, गुड़, अबीर, गुलाल, तथा फूल इत्यादि से ईष्ट देव की पूजा करें. इसके बाद अपने कार्य स्थान की पूजा करें. पूजा के बाद सभी दीयों को घर के अलग अलग स्थानों पर रख दें तथा गणेश एवं लक्ष्मी के आगे धूप दीप जलाएं. इसके पश्चात संध्या समय दीपदान करते हैं जो यम देवता, यमराज के लिए किया जाता है. विधि-विधान से पूजा करने पर व्यक्ति सभी पापों से मुक्त हो प्रभु को पाता है.

कुबेर मंत्र के जाप से होगी लक्ष्मी प्रसन्न

कुबेर देव को धन का देवता माना जाता है। वे देवताओं के कोषाध्यक्ष हैं, इनकी कृपा से किसी को भी धन प्राप्ति के योग बन जाते हैं। कुबेर को प्रसन्न करने का सुप्रसिद्ध मंत्र इस प्रकार है-
कुबेर देव का मंत्र-
ऊँ यक्षाय कुबेराय वैश्रवणाय, धन धन्याधिपतये धन धान्य समृद्धि मे देहि दापय स्वाहा।
यह देवताओं के कोषाध्यक्ष कुबेर देव का अमोघ मंत्र है। इस मंत्र का तीन माह तक रोज 108 बार जप करें। जप करते समय अपने सामने एक कौड़ी (धनलक्ष्मी कौड़ी) रखें। तीन माह के बाद प्रयोग पूरा होने पर इस कौड़ी को अपनी तिजोरी या लॉकर में रख दें। ऐसा करने पर कुबेर देव की कृपा से आपका लॉकर कभी खाली नहीं होगा। हमेशा उसमें धन भरा रहेगा। अब मन को एकाग्र करके हनुमान चालीसा का पाठ करें। यदि हनुमान चालीसा का पूर्ण पाठ नहीं कर पा रहे हों तो इन पंक्तियों का पाठ करें-
जम कुबेर दिगपाल जहां ते।
कवि कोबिद कहि सके कहां ते।।
इन पंक्तियों के निरंतर जप से हनुमानजी तो प्रसन्न होंगे ही साथ ही यम, कुबेर आदि देवी-देवताओं की कृपा भी प्राप्त होगी।

धनतेरस पर कुबेर पूजा का महत्व

भगवान कुबेर विसराव के पुत्र और ब्रह्मदेव के पोते हैं। उन्हें धनपति और स्वर्ग के बैंकर भी कहा जाता है। कुबेर भगवान के कोषाध्यक्ष हैं। भगवान कुबेर का निवास स्थान कैलाश पर्वत है। वह अष्ट दिकपाला का प्रतिनिधित्व करते हैं जो कि उत्तर दिशा में है। इसी वजह से उन्हें उत्तर दिशा के तौर पर भी जाना जाता है। हिन्दू धर्म में उन्हें राजाओं के राजा माना जाता है।
आमतौर पर उन्हें उन्हें बौना, गौरा और बड़ी-सी तोंद वाला दिखाया जाता है। उनकी तीन टांगें, आठ दांत, एक आंख है और वह हमेशा बहुत से गहने पहने रहते हैं। दूसरे शब्दों में कहा जाए तो कुबेर देवता धरती में गड़े हुए धन की रक्षा करते हैं। वह सोने, चांदी और नौ सिद्धियों के खज़ाने की रखवाली करते हैं। कुबेर के विमान का नाम पुष्पक है जिसपर सवार होकर वह पूरे विश्व का भ्रमण करते हैं। उनके पास हमेशा एक पर्स रहता है जिसमें पैसे और अन्य कीमती सामान रहता है। भगवान कुबेर की पूजा करने से घर में समृद्धि आती है।
समृद्धि प्राप्ति के लिए धनतेरस पर कुबेर पूजा कुबेर पूजा में पूरे विधि-विधान से वैदिक मंत्रों का जाप किया जाता है। यह पूजा धनतेरस के दिन की जाती है। यह पूजा गवग्रह मदिर खरगौन में भी की जाती है, अगर आप चाहें तो उसमें शामिल हो सकते हैं। यहां पर पूरे विधि-विधान से पूजा संपन्न की जाती है ताकि सभी को भगवान कुबेर का आशीर्वाद मिले और सबके जीवन में समृद्धि बनी रहे। अगर कुबेर प्रसन्न हो जाते हैं तो वह अपने भक्तों को समृद्धि का आशीर्वाद देते हैं।
कुबेर पूजा का महत्व और लाभ समृद्धि और धन प्राप्ति के लिए कुबेर की पूजा और हवन किया जाता है। जिन लोगों के जीवन में पैसे या कारोबार संबंधी परेशानी हो उन लोगों को तांत्रिक पूजन करना चाहिए। ऐसा करने से उन्हें भगवान कुबेर का आशीर्वाद प्राप्त होगा। एक पुराने, शक्तिशाली और पूरा यंत्र को कुबेर यंत्र कहा जाता है। धनतेरस के दिन इस यंत्र की पूजा करने से भी विशेष लाभ होता है। माना जाता है कि इस दिन भगवान कुबेर जल्दी प्रसन्न हो जाते हैं। कुबेर पूजा का बहुत महत्व है और इसे करने से विशेष लाभ होते हैं-
-यह पूजा करने से घर में धन-धान्य बना रहता है। -कर्ज से मुक्ति मिलती है। -गरीबी से छुटकारा मिलता है और जीवन में समृद्धि आती है। -व्यापार-कारोबार में लाभ होता है। -आपका बैंक बैलेंस बढ़ता है। -किसी भी प्रकार के श्राप से मुक्ति मिलती है।

धनतेरस पर समृद्धि देते हैं कुबेर..

समस्त धन सम्पदा और ऐश्वर्य के स्वामी कुबेर के लिए धनतेरस के दिन शाम को 13 दीप समर्पित किए जाते हैं। कुबेर भूगर्भ के स्वामी हैं। कुबेर की पूजा से मनुष्य की आंतरिक ऊर्जा जागृत होती है और धन अर्जन का मार्ग प्रशस्त होता है।
निम्न मंत्र द्वारा चंदन, धूप, दीप, नैवेद्य से पूजन करें-
कुबेर मंत्र -
ऊँ यक्षाय कुबेराय वैश्रवणाय धन-धान्य अधिपतये
धन-धान्य समृद्धि में देहि दापय स्वाहा।'

स्वामी, प्रकाशक एवं मुंद्रक – नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड़, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-बी, फेस-2, इंडस्ट्रियल इस्टेट, गंग्याल, जम्मू से मुद्रित। संपादक– नीलम सिंह गिल। फोन नंबर : (95) 191-2574109, 2548103 RNI Regd. No: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

जेएमसी, पीस इनिशिएटिव ट्रस्ट और जीसीओई ने मुस्कान होम में बच्चों के साथ दिवाली मनाई

जम्मू, 17 अक्टूबर (हि.स.)। जम्मू नगर निगम (जेएमसी) ने पीस इनिशिएटिव ट्रस्ट और गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ एजुकेशन (जीसीओई) कैनाल रोड के सहयोग से मुस्कान होम छन्नी रामा (बौद्धिक रूप से विकलांग बच्चों के लिए एक गृह) के बच्चों के साथ एक भावपूर्ण दिवाली समारोह का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को खुशियाँ प्रदान करना और सामाजिक उत्तरदायित्व, समावेशिता और सामुदायिक भावना के मूल्यों को बढ़ावा देना था।

जम्मू नगर निगम के आयुक्त डॉ. देवांश यादव ने इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। समारोह की शुरुआत वृक्षारोपण अभियान से हुई जिसके दौरान सभी प्रतिभागियों ने बच्चों के साथ मिलकर विकास और नवीनीकरण के प्रतीक विभिन्न पौधे लगाए। इसके बाद लक्ष्मी पूजा की गई जिसमें समृद्धि, सुख और सद्भाव का आशीर्वाद मांगा गया। इन अनुष्ठानों ने वातावरण को भक्ति और सकारात्मकता से भर दिया जिससे दिन के उत्सव का एक सुंदर माहौल तैयार हो गया।

जीसीओई की एनएसएस इकाई ने गीतों, ऊर्जावान लोक नृत्यों और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से इस अवसर को और भी जीवंत बना दिया जिसने दर्शकों का मन मोह लिया। छात्राओं ने भी रंगोली और मेहंदी कला के माध्यम से अपनी कलात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया और बच्चों में रंग और रचनात्मकता बिखेरी। मुस्कान होम के बच्चों ने भी उत्साह के साथ भाग लिया और अपने धर्मग्रंथों के ज्ञान और एकजुटता की भावना का प्रदर्शन किया।

एक आनंदमय और सुरक्षित वातावरण में पर्यावरण-अनुकूल पटाखे निगरानी में जलाए गए जिससे शाम की रौनक बढ़ गई और मेहमानों और बच्चों दोनों को समान रूप से खुशी हुई। कार्यक्रम का सबसे मार्मिक क्षण वितरण समारोह था जिसके दौरान आयुक्त डॉ. देवांश यादव और स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. विनोद शर्मा ने बच्चों के बीच व्यक्तिगत रूप से सर्दियों के कपड़े, मिठाइयाँ, उपहार और आवश्यक वस्तुएँ वितरित कीं-एक ऐसा भाव जो करुणा और देखभाल को दर्शाता था।

दीपावली और अन्य त्योहारों के मद्देनजर जिला प्रशासन कठुआ की सख्ती

कठुआ, 17 अक्टूबर (हि.स.)। आगामी दीपावली, भैया दूज और छठ पूजा सहित अन्य त्योहारों के मद्देनजर जिला प्रशासन कठुआ ने शहर के मुख्य बाजारों में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता जांच के लिए एक विशेष अभियान चलाया।

इस दौरान टीम ने कठुआ शहर की मुख्य मिठाई की दुकानों सहित अन्य दुकानों की जांच की और खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की जांच की।

जिला प्रशासन की टीम ने कठुआ बाजार में खाद्य पदार्थ संबंधित दुकानों पर छापेमारी की और गुणवत्ता जांच की। इस दौरान कुछ दुकानदारों को चेतावनी भी दी गई और उन्हें खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता में सुधार करने के निर्देश दिए गए। जिला प्रशासन कठुआ ने स्पष्ट किया है कि त्योहारों के दौरान खाद्य पदार्थों में मिलावट करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने दुकानदारों से अपील की है कि वे खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता का ध्यान रखें और ग्राहकों को स्वच्छ और सुरक्षित खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराएं। इस अभियान के दौरान टीम ने विभिन्न दुकानों से खाद्य पदार्थों के सैंपल लिए और उन्हें जांच के लिए प्रयोगशाला में भेजा जाएगा।

जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन ने दुकानदारों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने प्रतिष्ठानों पर आवश्यक खाद्य अनुज्ञा पत्र प्रदर्शित करें और खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता का ध्यान रखें।

महिला डिग्री कॉलेज में छात्र चुनाव एवं अलंकरण समारोह , भूमिका राजपूत को चुना अध्यक्ष

कठुआ, 17 अक्टूबर (हि.स.)। राजकीय महिला डिग्री कॉलेज कठुआ में छात्र चुनाव एवं कार्यकारिणी एवं सामान्य निकाय के अलंकरण समारोह का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया, जिससे छात्राओं में लोकतंत्र और नेतृत्व की भावना का संचार हुआ। बीए और बीएससी सेमेस्टर 1, 3 और 5 के छात्रों ने सक्रिय भागीदारी की और उत्साहपूर्वक अपने कक्षा प्रतिनिधियों का चुनाव किया। कॉलेज कार्यकारिणी के चुनाव प्राचार्य कार्यालय में आयोजित किए गए, जहाँ नवनिर्वाचित कक्षा प्रतिनिधियों ने पारदर्शी और लोकतांत्रिक प्रक्रिया के माध्यम से छात्र कार्यकारिणी का चयन किया। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों में अध्यक्ष पद पर भूमिका राजपूत, उपाध्यक्ष पद पर नवरीति, महासचिव पद पर जूली सैनी, कोषाध्यक्ष पद पर भूमिका शर्मा, साहित्य सचिव पद पर लक्ष्मी देवी, सांस्कृतिक सचिव पद पर परवेज और खेल सचिव पद पर सुहानी देवी शामिल हैं। सभा को संबोधित करते हुए, वरिष्ठ संकाय सदस्य डॉ. सीमा जॉली ने नवनिर्वाचित प्रतिनिधियों को बधाई दी और उन्हें शैक्षणिक एवं पाठ्येतर उत्कृष्टता को बढ़ावा देकर संस्थान के समग्र विकास में योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि नेतृत्व केवल एक उपाधि या पद नहीं है, यह एक जिम्मेदारी और दूसरों की सेवा करने और संस्थान को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने का अवसर है। डॉ. इंद्रजीत कौर और प्रोफेसर अश्विनी खजूरिया ने इस कार्यक्रम में पर्यवेक्षक के रूप में कार्य किया। संपूर्ण चुनाव प्रक्रिया छात्र कल्याण संकायाध्यक्ष डॉ. रचना देवी की देखरेख में संपन्न हुई और इसका समन्वय छात्र कल्याण समिति द्वारा किया गया, जिसमें डॉ. अमिता दुआ, डॉ. रेणु, डॉ. पूनम संब्याल, डॉ. सोनिका जसरोटिया, डॉ. मुकेश कुमारी, डॉ. सतीश खजूरिया और संजीव जामवाल शामिल थे।

पारंपरिक दरबार मूव को जारी रखने के लिए मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और उनके मंत्रिमंडल की सराहना

जम्मू, 17 अक्टूबर (हि.स.)। श्रीराम सेना (जम्मू-कश्मीर) ने जम्मू-कश्मीर की एकता और अखंडता के प्रतीक दरबार मूव की सदियों पुरानी परंपरा को कायम रखने के लिए मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और उनके मंत्रिमंडल के सहयोगियों की सराहना की है। आज जारी एक बयान में श्रीराम सेना के अध्यक्ष राजीव महाजन ने इस ऐतिहासिक प्रथा को जारी रखने के सरकार के फैसले की सराहना की और इसे जम्मू और श्रीनगर के बीच भावनात्मक और प्रशासनिक जुड़ाव का एक सेतु बताया। उन्होंने कहा कि दरबार मूव न केवल दोनों क्षेत्रों के बीच समन्वय को मजबूत करता है बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी बढ़ावा देता है और केंद्र शासित प्रदेश के दोनों हिस्सों पर समान ध्यान सुनिश्चित करता है।

दिवंगत वीडीजी के परिवार के लिए सरकारी नौकरी और सहायता की माँग

जम्मू, 17 अक्टूबर (हि.स.)। भाजपा वीडीजी प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक बसंत राज ठाकुर ने जम्मू-कश्मीर सरकार से बिलावर के भटवाल क्षेत्र में अपनी ड्यूटी निभाते हुए शहीद हुए ग्राम रक्षा दल (वीडीजी) के सदस्य स्वर्गीय स्वामी राज के परिवार के एक सदस्य को तत्काल सरकारी नौकरी देने का आग्रह किया है।बसंत राज ठाकुर, जम्मू-कश्मीर भाजपा के मीडिया प्रभारी डॉ. प्रदीप महोत्रा और वीडीजी प्रकोष्ठ के सह-संयोजक रमेश कटोच के साथ जम्मू के त्रिकुटा नगर स्थित पार्टी मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

औषधीय पौधों के क्षेत्र में संरक्षण खेती और उद्यमिता पर संगोष्ठी आयोजित

कठुआ, 17 अक्टूबर (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर औषधीय पादप बोर्ड और आयुष निदेशालय जम्मू-कश्मीर द्वारा जिला प्रशासन कठुआ के सहयोग से कठुआ में औषधीय पौधों के क्षेत्र में संरक्षण, खेती और उद्यमिता को बढ़ावा देना विषय पर एक दिवसीय जिला स्तरीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कठुआ उपायुक्त राजेश शर्मा इस अवसर पर मुख्य अतिथि थे, जबकि आयुष निदेशक जम्मू-कश्मीर डॉ. सुरेश कुमार शर्मा विशिष्ट अतिथि थे। उपायुक्त कठुआ ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए औषधीय पौधों की खेती को

एक स्थायी आजीविका के साधन के रूप में अपनाने की संभावनाओं पर प्रकाश डाला और किसानों से बेहतर आय और पारिस्थितिक संतुलन के लिए हर्बल फसलों को अपनाने का आग्रह किया। उन्होंने दीर्घकालिक स्वास्थ्य प्रबंधन के लिए आयुष औषधियों के उपयोग पर भी जोर दिया और आयुष कर्मचारियों को जिले के दूरदराज के इलाकों में जागरूकता शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए। आयुष निदेशक जम्मू-कश्मीर डॉ. सुरेश कुमार शर्मा ने बताया कि अन्य जिलों की तर्ज पर कठुआ जिले में भी जल्द ही दो नक्षत्र उद्यान और कई स्कूल हर्बल उद्यान स्थापित किए जाएँगे। इससे पहले डॉ. वाहिद, डॉ. रमेश और डॉ. परमजीत पुरी सहित जम्मू-कश्मीर औषधीय पादप बोर्ड के विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों के साथ संवाद सत्र आयोजित किए और पारंपरिक फसलों के विकल्प के रूप में औषधीय जड़ी-बूटियों की खेती को बढ़ावा देने वाली विभागीय योजनाओं पर विचार-विमर्श किया।

सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर एकता मार्च और सेमिनार आयोजित होगा

श्रीनगर, 17 अक्टूबर (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) जम्मू-कश्मीर लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल द्वारा समर्थित एकता, राष्ट्रवाद और अखंडता के मूल्यों पर ज़ोर देने के लिए एकता मार्च, सेमिनार, वाद-विवाद, नुक्कड़ नाटक आदि सहित कई कार्यक्रम आयोजित करेगी।

सरदार पटेल को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए बलदेव सिंह बिलावरिया ने समकालीन भारत में उनकी विरासत की प्रासंगिकता दोहराई और इस अवसर पर कई कार्यक्रमों की घोषणा की जिनमें जम्मू-कश्मीर के विभिन्न जिलों में युवाओं, पार्टी कार्यकर्ताओं और नागरिक समाज के सदस्यों की भागीदारी वाली एकता यात्रा भी शामिल है।

बलदेव सिंह बिलावरिया ने कहा कि सरदार पटेल ने 560 से ज़्यादा रियासतों का एकीकरण करके अखंड भारत की नींव रखी। उनकी दूरदर्शिता और साहस ने उस भारत का निर्माण किया जिसे हम आज जानते हैं। एकता और राष्ट्रीय अखंडता की उनकी विरासत को आगे बढ़ाना हमारा कर्तव्य है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, राष्ट्र ने सरदार पटेल की विरासत को पुनर्जीवित किया है विशेष रूप से दुनिया की सबसे ऊँची प्रतिमा, स्टैच्यू ऑफ यूनिटी की स्थापना के माध्यम से। बिलावरिया ने आगे कहा कि पिछले कुछ वर्षों में जम्मू-कश्मीर में ऐतिहासिक बदलाव आया है। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल की भावना हर क्षेत्र और समुदाय के विकास, शांति और एकीकरण को सुनिश्चित करने के हमारे प्रयासों में जीवित है।

आरएस पुरा-अब्दुल्लिया सड़क मार्ग की खस्ता हालत को लेकर ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

आरएस पुरा, 17 अक्टूबर (हि.स.)। आरएस पुरा-अब्दुल्लिया सड़क मार्ग की खस्ता हालत को लेकर शुक्रवार को ग्रामीणों ने बासपुर बांग्ला मुख्य चौक में संबंधित विभाग एवं सरकार के खिलाफ जोरदार तरीके के साथ प्रदर्शन किया और मांग करते हुए कहा कि लगभग 8 किलोमीटर लंबे सड़क मार्ग की हालत में सुधार लाने के साथ-साथ सड़क मार्ग का चौड़ीकरण किया जाए। प्रदर्शन की अध्यक्षता किसान नेता चौधरी मोहन सिंह कर रहे थे जबकि इस मौके पर अलग-अलग पंचायत के ग्रामीण उपस्थित रहे। इस अवसर पर किसान नेता चौधरी मोहन सिंह ने कहा कि आरएस पुरा- अब्दुल्लिया सड़क मार्ग की हालात पिछले लंबे समय से काफी खस्ता बनी हुई है। सड़क पर जगह-जगह पर गड्ढे हो जाने के कारण आए दिन सड़क हादसे हो रहे हैं तथा दो पहिया वाहन चालकों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि यह मार्ग काफी महत्वपूर्ण है क्योंकि जब भी पाकिस्तान की तरफ से गोलाबारी की जाती है तो लोगों को इसी सड़क मार्ग का इस्तेमाल करके सुरक्षित स्थानों की तरफ जाना पड़ता है लेकिन सड़क मार्ग की हालत पिछले कुछ सालों से काफी खराब हो चुकी है। उन्होंने कहा कि ग्रीफ व विभाग को जल्द से जल्द सड़क की हालत को सुधारने के लिए निर्माण कार्य शुरू करने की जरूरत है अन्यथा आने वाले दिनों में भी ग्रामीणों की तरफ से जोरदार तरीके के साथ प्रदर्शन किया जाएगा।

जीडीसी मढ़हीन ने दीपावली उत्सव मनाया

कठुआ, 17 अक्टूबर (हि.स.)। जीडीसी मढ़हीन की सांस्कृतिक समिति ने दीपावली उत्सव धूमधाम से मनाया जिसमें पारंपरिक कलात्मकता के साथ-साथ शैक्षिक और आध्यात्मिक अंतर्दृष्टि का संयोजन करते हुए कई कार्यक्रम आयोजित किए गए।

इस अवसर का मुख्य आकर्षण रंगोली प्रतियोगिता थी, जहाँ विभिन्न सेमेस्टर की टीमों ने त्योहार की भावना से ओतप्रोत जटिल, जीवंत डिजाइनों के माध्यम से अपनी रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। परिसर के गलियारे कला की एक रंगीन तस्वीर में बदल गए, जो एकता, विविधता और दिवाली के उत्सवी सार का प्रतीक थी। रंगोली प्रतियोगिता में मुस्कान और निहारिका ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, अंशु और मानसी ने द्वितीय और नैन्सी और अनामिका ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। उत्सव की सांस्कृतिक गहराई को और बढ़ाते हुए छात्रों द्वारा रामायण की झलकियाँष् पर एक दृश्य प्रस्तुत किया गया, जो महाकाव्य के प्रमुख प्रसंगों पर प्रकाश डालने वाला एक विशेष नाट्य प्रदर्शन था। भावपूर्ण प्रदर्शन, वर्णन और संगीत के माध्यम से, प्रस्तुति ने रामायण में वर्णित धर्म, त्याग और भक्ति के शाश्वत मूल्यों को जीवंत कर दिया।

एसएसपी ने विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों के साथ समन्वय एवं सुरक्षा समीक्षा बैठक की

कठुआ, 17 अक्टूबर (हि.स.)। जिले में सुरक्षा स्थिति को मजबूत करने और अंतरराज्यीय एजेंसियों के बीच समन्वय बढ़ाने के उद्देश्य से एसएसपी कठुआ मोहिता शर्मा ने डीपीएल कठुआ में विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों के अधिकारियों के साथ एक बैठक की अध्यक्षता की। एसएसपी कठुआ ने अधिकारियों को घुसपैठ, ड्रोन गिराने और राष्ट्र-विरोधी तत्वों की किसी भी गतिविधि को रोकने के लिए जिले में सतर्कता और सुरक्षा बढ़ाने पर जोर दिया। इसके अलावा बैठक में सुरक्षा एजेंसियों, विशेष रूप से पंजाब और हिमाचल प्रदेश के साथ समन्वय जैसे मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया गया। बैठक के दौरान सभी प्रतिभागियों को अंतरराज्यीय राष्ट्रीय राजमार्गों की सीमा सुरक्षा ग्रिड को मजबूत करने की सलाह दी गई।

डीपीएस के छात्रों के लिए पुलिस स्टेशन कटरा में आयोजित की शैक्षणिक यात्रा

रियासी, 17 अक्टूबर (हि.स.)। युवा मनों में जागरूकता और समझ बढ़ाने के उद्देश्य से जिला पुलिस रियासी ने आज पुलिस स्टेशन कटरा में एक विशेष शैक्षणिक यात्रा का आयोजन किया जिसमें दिल्ली पब्लिक स्कूल के लगभग 190 छात्रों ने भाग लिया।

यह दौरा छात्रों के लिए एक इंटरैक्टिव (सहभागी) शिक्षण अनुभव साबित हुआ जिसमें उन्होंने पुलिस व्यवस्था की कार्यप्रणाली को करीब से देखा और समाज में शांति एवं सुरक्षा बनाए रखने में पुलिस की महत्वपूर्ण भूमिका को समझा। कार्यक्रम के दौरान एसडीपीओ कटरा डॉ. भिष्म दुबे (जेकेपीएस) और एसएचओ थाना कटरा इंस्पेक्टर ख्यातिमान खजूरिया ने छात्रों को पुलिस कार्यप्रणाली के विभिन्न पहलुओं के बारे में विस्तार से बताया।

छात्रों को थाना प्रशासनिक व्यवस्था, रिकॉर्ड रखने की प्रक्रिया और दैनिक कार्यप्रणाली से अवगत कराया गया। इसके अलावा पुलिस द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले उपकरण, संचार साधन और हथियारों का प्रदर्शन किया गया ताकि छात्र पुलिस के तकनीकी संसाधनों से परिचित हो सकें।

आत्मनिर्भर भारत और महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए विजयपुर और कठुआ का दौरा

जम्मू, 17 अक्टूबर (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के उनके आह्वान के अनुरूप भाजपा महिला मोर्चा जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश ने भाजपा महिला मोर्चा जम्मू-कश्मीर की अध्यक्ष एडवोकेट नेहा महाजन के गतिशील नेतृत्व में, महिला-नेतृत्व वाली उद्यमिता, पारंपरिक शिल्प कौशल और स्थानीय नवाचार को बढ़ावा देने के लिए विजयपुर और कठुआ का एक दिवसीय दौरा किया। इस दौरे में तीन प्रभावशाली कार्यक्रम हुए जिनमें वोकल फॉर लोकल आंदोलन में योगदान देने वाली स्थानीय महिला उद्यमियों और कारीगरों के सशक्तिकरण पर प्रकाश डाला गया। पहला दौरा सांबा जिले के विजयपुर में गोरा सलाथियन रोड स्थित स्नो वैली मशरूम फार्म में हुआ। इस कार्यक्रम का उद्देश्य स्थानीय उद्यमियों द्वारा अपनाई जा रही मशरूम की खेती के नवीन तरीकों का पता लगाना था, जो अपने समुदायों में आजीविका के अवसर पैदा कर रहे हैं। समारोह को संबोधित करते हुए एडवोकेट नेहा महाजन ने उद्यमियों की नवोन्मेषी भावना की सराहना करते हुए कहा कि यह देखकर खुशी होती है कि कैसे स्थानीय उद्यमी नवोन्मेष को अपना रहे हैं और कृषि को सशक्तिकरण और प्रगति का प्रतीक बना रहे हैं।

अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा निदेशालय, जम्मू कश्मीर
जम्मू/श्रीनगर

दूरभाष: 0194-2455061, 0191-2453013 ईमेल: info.fesjk@jk. gov. in

सर्दियों के मौसम में आम जनता के लिए सलाह

आग की घटनाओं में वृद्धि को देखते हुए, आम जनता को सर्दियों के मौसम में सतर्क रहने और आग की घटनाओं को रोकने के लिए एहतियाती उपाय करने हेतु निम्नलिखित सलाह जारी की जाती है:-

1. सोने से पहले या कमरे/घर से बाहर निकलने से पहले, हमेशा सुनिश्चित करें कि सभी बिजली के हीटिंग उपकरण अनप्लग हों और स्टोव, बुखारी, एलपीजी कुकिंग गैस स्टोव ठीक से बंद हों।
2. कांगड़ी का उपयोग अत्यंत सावधानी से करें। रात में कांगड़ी को गिरने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थानों पर रखें।
3. आवासीय घरों में सूखी घास, लकड़ी आदि रखने से बचें। इस ज्वलनशील पदार्थ को आवासीय घरों से दूर एकांत स्थानों पर संग्रहित करें।
4. खराब/घटिया बिजली के उपकरणों, उच्च वाट क्षमता वाले रूम हीटर, खराब बिजली के कंबल आदि का उपयोग करने से बचें, क्योंकि इनसे शॉर्ट सर्किट हो सकता है और अंततः आग लग सकती है।
5. सही रेटिंग वाले अच्छी गुणवत्ता वाले फ़्यूज़, मिनिएचर सर्किट ब्रेकर (MCB) और अर्थ लीकेज सर्किट ब्रेकर का उपयोग करें।
6. बिजली के तार को गर्म और गीली सतहों से दूर रखें।
7. खाना बनाते समय रसोई में ही रहें। अगर आप थोड़े समय के लिए भी रसोई से बाहर जाते हैं, तो चूल्हा बंद कर दें।
8. इस्तेमाल न होने पर एलपीजी सिलेंडर और चूल्हे का हैंडल बंद कर दें। एलपीजी हीटर का इस्तेमाल करते समय उचित वेंटिलेशन सुनिश्चित किया जाना चाहिए।
9. सभी निकास मार्ग और पानी के प्रवेश द्वार साफ़ रखें, खासकर रिहायशी और बाज़ार वाले इलाकों में।
10. जलती हुई सिगरेट के टुकड़े लापरवाही से न फेंके।
11. आग लगने की किसी भी घटना की स्थिति में, तुरंत अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाओं के टोल फ्री नंबर 101, नियंत्रण कक्ष श्रीनगर नंबर 0194-2452155, 2452222, नियंत्रण कक्ष जम्मू नंबर 0191-2457705, 2435283 या नज़दीकी अग्निशमन केंद्र पर कॉल करें।

Sd/-
आलोक कुमार– आईपीएस (एडीजीपी), निदेशक,
अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाएं, जम्मू कश्मीर
जम्मू/श्रीनगर।

DIP/J-7052/25
Dtd: 17-10-2025

श्री महेश कुमार शर्मा ने एनएचपीसी लिमिटेड के निदेशक (वित्त) का पदभार ग्रहण किया

फरीदाबाद, 17 अक्तूबर। श्री महेश कुमार शर्मा ने 17 अक्टूबर 2025 को भारत सरकार की एक प्रमुख नवरत्न विद्युत कंपनी एनएचपीसी लिमिटेड के निदेशक (वित्त) का पदभार ग्रहण किया है। एनएचपीसी लिमिटेड के निदेशक (वित्त) के रूप में अपनी नियुक्ति से पहले, उन्होंने एनएचपीसी के वाणिज्यिक विभाग के वित्त प्रमुख और एनएचपीसी रिन्यूअल एनर्जी लिमिटेड (एनएचपीसी की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी) के मुख्य वित्त अधिकारी के रूप में कार्य किया है। वर्तमान में वे एनएचपीसी रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड (एनआरईएल) के बोर्ड में नामित निदेशक हैं।

वे 30 से अधिक वर्षों के योग्यता-पश्चात कार्यानुभव के साथ भारतीय चार्टर्ड एकाउंटेंट्स संस्थान (आईसीएआई) के फेलो सदस्य हैं। उन्होंने आईसीएआई से सूचना प्रणाली लेखा परीक्षा (डीआईएसए) में डिप्लोमा भी प्राप्त किया है, जिसमें उन्हें अखिल भारतीय स्तर पर तीसरा स्थान प्राप्त हुआ है। वे 2004-07 की अवधि के दौरान आईसीएआई की उत्तरी भारत क्षेत्रीय परिषद की फरीदाबाद शाखा के कार्यकारी निकाय सदस्य चुने गए और वर्ष 2006-07 के दौरान शाखा के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया। उन्हें वर्ष 2006-07 के लिए आईसीएआई की उत्तरी भारत क्षेत्रीय परिषद द्वारा उत्तरी भारत के बेस्ट चेयरमैन अवार्ड का पुरस्कार प्रदान किया गया।

श्री महेश कुमार शर्मा ने जुलाई 2000 में एनएचपीसी में लेखा अधिकारी के रूप में अपना करियर शुरू किया और एनएचपीसी में 25 वर्षों से अधिक के अपने विशिष्ट पेशेवर करियर के दौरान, उन्होंने वित्त, कॉर्पोरेट लेखा, कोषागार, वाणिज्यिक और अनुबंधों के मुख्य क्षेत्रों में व्यापक विशेषज्ञता हासिल की है। उनका व्यापक अनुभव न केवल बड़े पैमाने की अवसंरचनात्मक परियोजनाओं के वित्तीय प्रबंधन को कवर करता है, बल्कि टैरिफ और विनियामक ढांचे की गहरी और व्यावहारिक समझ भी रखता है, जो जलविद्युत परियोजनाओं की योजना, विकास और संचालन में महत्वपूर्ण हैं।

एनआईटी श्रीनगर ने नवाचार, अनुसंधान और सहयोग पर केंद्रित आईईईई दिवस मनाया

श्रीनगर, 17 अक्टूबर (हि.स.)। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) श्रीनगर ने आईईईई दिवस 2025 बड़े उत्साह और शैक्षणिक भावना के साथ मनाया। यह कार्यक्रम आईईईई एपी-एस/सीआरएफआईडी चैप्टर दिल्ली सेक्शन द्वारा इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग विभाग (ईसीई) एनआईटी श्रीनगर के सहयोग से वैश्विक नवाचार, सहयोग और इंजीनियरिंग उत्कृष्टता के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया। यह समारोह डॉ. महेश पी. अबेगांवकर आईआईटी दिल्ली अध्यक्ष आईईईई एपी-एस/सीआरएफआईडी दिल्ली चैप्टर और डॉ. अमित कुमार सहायक प्रोफेसर एनआईटी श्रीनगर और कार्यकारी समिति सदस्य आईईईई एपी-एस/ सीआरएफआईडी दिल्ली चैप्टर के नेतृत्व में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में कश्मीर विश्वविद्यालय के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. शेख जावेद अहमद ने एक ज्ञानवर्धक व्याख्यान दिया जिसमें उन्होंने रेडियो फ्रीक्वेंसी और माइक्रोवेव इंजीनियरिंग के क्षेत्र में अनुसंधान और नवाचार पर बहुमूल्य अंतर्दृष्टि साझा की। डॉ. शेख जावेद के व्याख्यान ने छात्रों और शोधकर्ताओं को उच्च-आवृत्ति प्रणालियों और संचार प्रौद्योगिकियों में उभरते अवसरों का पता लगाने के लिए प्रेरित किया।

एनआईटी श्रीनगर के दो पीएचडी विद्वानों सुश्री जैस्मीन जान और बशारत अली ने एंटीना डिज़ाइन और विकास के क्षेत्र में अपने उत्कृष्ट शोध कार्य प्रस्तुत किए।

उनकी प्रस्तुतियों ने संस्थान के ईसीई विभाग द्वारा किए जा रहे अनुसंधान और नवाचार की गहराई को दर्शाया। कार्यक्रम में इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग विभाग के प्रमुख डॉ. जी. आर. बेघ भी उपस्थित थे जिन्होंने आयोजकों और प्रतिभागियों को कार्यक्रमको सफल बनाने के लिए बधाई दी। उन्होंने इंजीनियरों और शोधकर्ताओं के बीच नवाचार और वैश्विक सहयोग को बढ़ावा देने में आईईईई के महत्व पर प्रकाश डाला।

संपादकीय

आपराधिक लापरवाही

जम्मू के प्रमुख चौराहों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने की महत्वाकांक्षी परियोजना को कभी आधुनिक, जवाबदेह और अनुशासित शहरी शासन की दिशा में एक कदम बताया गया था। इसका उद्देश्य अव्यवस्थित सड़कों पर व्यवस्था लाना, यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित करना और उल्लंघनों के विरुद्ध रोकथाम की व्यवस्था बनाना था। हालाँकि, आज ज़मीनी हकीकत एक अलग और निराशाजनक कहानी बयां करती है – उपेक्षा, उदासीनता और सार्वजनिक संसाधनों की बर्बादी की। किसी भी प्रमुख चौराहे – ज्वेल चौक, पनामा चौक, या गांधी नगर के आखिरी मोड़ – पर एक नज़र डालने पर हालात बेहद खराब हो जाते हैं। वाहन बेखौफ लाल बत्ती तोड़ते हैं, चालक गाड़ी चलाते समय मोबाइल फोन पर बात करते हैं, और सार्वजनिक परिवहन संचालक नियमित रूप से हर यातायात नियम का उल्लंघन करते हैं। बड़े तामझाम के साथ लगाए गए सीसीटीवी कैमरे अब कानून प्रवर्तन के औज़ारों की बजाय सजावटी सामान ज़्यादा लगते हैं। यह उम्मीद कि तकनीक अनुशासन लाएगी, अब खत्म हो गई है, जिससे नागरिक निराश और हताश हो गए हैं।

यदि निगरानी नेटवर्क क्रियाशील होता और उसके फुटेज की सक्रिय निगरानी की जाती, तो क्षेत्र में न केवल सड़क सुरक्षा में सुधार होता, बल्कि जुर्माने और चालान के माध्यम से अच्छी-खासी आय भी होती। इसके बजाय, प्रवर्तन का अभाव एक प्रासंगिक प्रश्न उठाता है- क्या ये कैमरे निष्क्रिय हैं, या उनके फुटेज किसी भूले-बिसरे नियंत्रण कक्ष में डिजिटल धूल फांक रहे हैं? किसी भी तरह से, यह प्रशासनिक जवाबदेही और योजना पर नकारात्मक प्रभाव डालता है।

इस निगरानी प्रणाली की विफलता केवल तकनीकी खराबी से कहीं अधिक है। यह एक गहरी कुप्रथा का प्रतीक है – सार्वजनिक परियोजनाओं में रखरखाव, अनुवर्ती कार्रवाई और पारदर्शिता के प्रति आदतन उपेक्षा। इस बुनियादी ढाँचे पर सरकारी खजाने से करोड़ों रुपये खर्च किए गए हैं, फिर भी ऐसा लगता है कि इसकी प्रभावशीलता का मूल्यांकन करने या यह सुनिश्चित करने के लिए कोई तंत्र नहीं है कि यह अपने उद्देश्य की पूर्ति करे। जब सार्वजनिक धन का उपयोग ऐसी प्रणालियाँ बनाने के लिए किया जाता है जो निष्क्रिय रहती हैं, तो यह केवल अक्षमता नहीं, बल्कि लापरवाही है।

इसके संचालन में व्याप्त अस्पष्टता भी उतनी ही चिंताजनक है। इन कैमरों के माध्यम से जारी किए गए चालानों का विवरण जनता के साथ साझा क्यों नहीं किया जा रहा है? काम कर रहे कैमरों की संख्या या उनके ज़रिए दर्ज किए गए ट्रैफ़िक उल्लंघनों पर कोई आवधिक रिपोर्ट क्यों नहीं दी गई? पारदर्शिता जवाबदेही की आधारशिला है, और इसका अभाव इस संदेह को और बल देता है कि यह परियोजना बेकाबू होकर की गई फिजूलखर्ची का एक और उदाहरण है। लगातार दुर्घटनाओं और लापरवाही से गाड़ी चलाने से जूझ रहे शहर में, सीसीटीवी सिस्टम का बंद होना कोई मामूली चूक नहीं है – यह एक गंभीर विफलता है जो जन सुरक्षा से समझौता करती है। अधिकारियों को निर्णायक कार्रवाई करनी चाहिए- निगरानी ढाँचे का ऑडिट करना, परिचालन डेटा का खुलासा करना, ज़िम्मेदारी तय करना और जनता का विश्वास बहाल करना। इससे कम कुछ भी इन कैमरों के उद्देश्य के साथ विश्वासघात होगा।

सुख-समृद्धि का एहसास कराता है धनतेरस

रमेश सर्राफ धमोरा

धनतेरस को मृत्यु के देवता यमराज जी की पूजा करने के लिए संध्या के समय एक वेदी (पाट्टा) पर रोली से स्वास्तिक बनाइये। उस स्वास्तिक पर एक दीपक रखकर उसे प्रज्वलित करें और उसमें एक छिद्रयुक्त कोड़ी डाल दें। अब इस दीपक के चारों ओर तीन बार गंगा जल छिडकें। दीपक को रोली से तिलक लगाकर अक्षत और मिष्ठान आदि चढाएं। इसके बाद इसमें कुछ दक्षिणा आदि रख दीजिए जिसे बाद में किसी ब्राह्मण को दे देवें। अब दीपक पर कुछ पुष्पादि अर्पण करें।

धनतेरस का त्योहार दीपावाली पर्व के प्रारम्भ को दर्शाता है। धनतेरस पूजा को धनत्रयोदशी के नाम से भी जाना जाता है। धनतेरस के दिन नई वस्तुएं खरीदना शुभ माना जाता है। यह त्योहार लोगों के जीवन में समृद्धि और स्वास्थ्य लाने वाला माना जाता है इसलिए इसे बहुत उत्साह के साथ मनाया जाता है। धनतेरस के दिन चांदी खरीदने की भी प्रथा है। अगर सम्भव न हो तो कोई बर्तन खरीदें। इसके पीछे यह कारण माना जाता है कि यह चन्द्रमा का प्रतीक है जो शीतलता प्रदान करता है और मन में सन्तोष रूपी धन का वास होता है।

धनतेरस का दिन धन्वन्तरी त्रयोदशी या धन्वन्तरि जयन्ती भी होती है। धनतेरस को आयुर्वेद के देवता का जन्म दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। इस दिन गणेश लक्ष्मी घर लाएं जाते हैं। इस दिन लक्ष्मी और कुबेर की पूजा के साथ-साथ यमराज की भी पूजा की जाती है। पूरे वर्ष में एक मात्र यही वह दिन है जब मृत्यु के देवता यमराज की पूजा की जाती है। यह पूजा दिन में नहीं की जाती अपितु रात्रि होते समय यमराज के निमित्त एक दीपक जलाया जाता है।

हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार ऐसा माना जाता है कि धनतेरस के दौरान अपने घर में 13 दीये जलाना चाहिए और अच्छे स्वास्थ्य और समृद्धि के लिए प्रार्थना करनी चाहिए। जिसमें से सबसे पहले दक्षिण दिशा में यम देवता के लिए और दूसरा धन की देवी मां लक्ष्मी के लिए जलाना चाहिए। इसी तरह दो दीये अपने घर के मुख्य द्वार पर, एक दीया तुलसी महारानी के लिए, एक दीया घर की छत पर और बाकी दीये घर के अलग-अलग कोने में रख देने चाहिए। माना जाता है कि यह 13 दीये नकारात्मक ऊर्जा और बुरी आत्माओं से रक्षा करते हैं।

धनतेरस के दिन यमराज को प्रसन्न करने के लिए यमुना स्नान भी किया जाता है। यदि यमुना स्नान सम्भव न हो तो स्नान करते समय यमुना जी का स्मरण मात्र कर लेने से भी यमराज प्रसन्न होते हैं। हिन्दु धर्म की ऐसी मान्यता है कि यमराज और देवी यमुना दोनों ही सूर्य की सन्तानें होने से आपस में भाई-बहिन हैं और दोनों में बड़ा प्रेम है। इसलिए यमराज यमुना का स्नान करके दीपदान करने वालों से बहुत ही ज्यादा प्रसन्न होते और उन्हें अकाल मृत्यु के दोष से मुक्त कर देते हैं।

धार्मिक और ऐतिहासिक दृष्टि से भी इस दिन का विशेष महत्व है। शास्त्रों में कहा है कि जिन परिवारों में धनतेरस के दिन यमराज के निमित्त दीपदान किया जाता है, वहां अकाल मृत्यु नहीं होती। घरों में दीपावली की सजावट भी इसी दिन से प्रारम्भ होती है। इस दिन घरों को लीप-पोतकर, चौक में रंगोली बनाकर सायंकाल के समय दीपक जलाकर लक्ष्मी जी का आवाह्न किया जाता है। इस दिन पुराने बर्तनों को बदलना व नए बर्तन खरीदना शुभ माना गया है। धनतेरस को चांदी के बर्तन खरीदने से तो अत्यधिक पुण्य लाभ होता है। इस दिन कार्तिक स्नान करके प्रदोष काल में घाट, गौशाला, कुआं, बावड़ी, मंदिर आदि स्थानों पर तीन दिन तक दीपक जलाना चाहिए।

धनतेरस के दिन यम के लिए आटे का दीपक बनाकर घर के मुख्य द्वार पर रखा जाता हैं। इस दीप को यमदीवा अर्थात यमराज का दीपक कहा जाता है। रात को घर की स्त्रियां दीपक में तेल डालकर नई रूई की बत्ती बनाकर, चार बत्तियां जलाती हैं। दीपक की बत्ती दक्षिण दिशा की ओर रखनी चाहिए। जल, रोली, फूल, चावल, गुड़, नैवेद्य आदि सहित दीपक जलाकर स्त्रियां यम का पूजन करती हैं। चूंकि यह दीपक मृत्यु के नियन्त्रक देव यमराज के निमित्त जलाया जाता है, अतः दीप जलाते समय पूर्ण श्रद्धा से उन्हें नमन तो करें। साथ ही यह भी प्रार्थना करें कि वे आपके परिवार पर दया दृष्टि बनाए रखें और किसी की अकाल मृत्यु न हो। धनतेरस की शाम घर के बाहर मुख्य द्वार पर और आंगन में दीप जलाने की प्रथा भी है।

धनतेरस को मृत्यु के देवता यमराज जी की पूजा करने के लिए संध्या के समय एक वेदी (पाट्टा) पर रोली से स्वास्तिक बनाइये। उस स्वास्तिक पर एक दीपक रखकर उसे प्रज्वलित करें और उसमें एक छिद्रयुक्त कोड़ी डाल दें। अब इस दीपक के चारों ओर तीन बार गंगा जल छिडकें। दीपक को रोली से तिलक लगाकर अक्षत और मिष्ठान आदि चढाएं। इसके बाद इसमें कुछ दक्षिणा आदि रख दीजिए जिसे बाद में किसी ब्राह्मण को दे देवें। अब दीपक पर कुछ पुष्पादि अर्पण करें। इसके बाद हाथ जोडकर दीपक को प्रणाम करें और परिवार के प्रत्येक सदस्य को तिलक लगाएं। अब इस दीपक को अपने मुख्य द्वार के दाहिनी और रख दीजिए। यम पूजन करने के बाद अन्त में धनवंतरी पूजा करें।

इस प्रथा के पीछे एक लोक कथा है। कथा के अनुसार किसी समय में एक राजा थे जिनका नाम हेम था। दैव कृपा से उन्हें पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई। ज्योतिषियों ने जब बालक की कुण्डली बनाई तो पता चला कि बालक का विवाह जिस दिन होगा उसके ठीक चार दिन के बाद वह मृत्यु को प्राप्त होगा। राजा इस बात को जानकर बहुत दुख हुआ और उन्होंने राजकुमार को ऐसी जगह पर भेज दिया जहां किसी स्त्री की परछाई भी न पड़े। दैवयोग से एक दिन एक राजकुमारी उधर से गुजरी और दोनों एक-दूसरे को देखकर मोहित हो गये और उन्होंने गन्धर्व विवाह कर लिया।

विवाह के पश्चात विधि का विधान सामने आया और विवाह के चार दिन बाद यमदूत उस राजकुमार के प्राण लेने आ पहुंचे। जब यमदूत राजकुमार प्राण ले जा रहे थे उस वक्त उसकी नवविवाहिता पत्नी का विलाप सुनकर उनका हृदय भी द्रवित हो उठा। परन्तु विधि के अनुसार उन्हें अपना कार्य करना पड़ा। यमराज को जब यमदूत यह कह रहे थे, उसी वक्त उनमें से एक ने यम देवता से विनती की- हे यमराज क्या कोई ऐसा उपाय नहीं है जिससे मनुष्य अकाल मृत्यु के लेख से मुक्त हो जाए। दूत के इस प्रकार अनुरोध करने से यम देवता बोले- हे दूत, अकाल मृत्यु तो कर्म की गति है। इससे मुक्ति का एक आसान तरीका मैं तुम्हें बताता हूं सो सुनो। कार्तिक कृष्ण पक्ष की रात जो प्राणी मेरे नाम से पूजन करके दीप माला दक्षिण दिशा की ओर भेट करता है, उसे अकाल मृत्यु का भय नहीं रहता है। यही कारण है कि लोग इस दिन घर से बाहर दक्षिण दिशा की ओर दीप जलाकर रखते हैं।

卐? धन्वंतराये नमः 卐 धन्वंतरि मंत्र है। इस मंत्र का जाप रोगों से मुक्ति और अच्छे स्वास्थ्य के लिए किया जाता है। चूंकि यह समृद्धि का त्योहार है इसलिए लोग अपने घरों को भी साफ करते हैं। उन्हें एक नया रंग देते हैं और कई तरह से सजाते हैं। धनतेरस हर किसी को समृद्ध और अच्छे स्वास्थ्य का एहसास कराता है। दीपावाली धन से ज्यादा स्वास्थ्य और पर्यावरण पर आधारित त्योहार है। दीपावली एक ऐसा त्योहार है जिसके अपने पर्यावरणीय निहितार्थ है। मौसम मे बदलाव और दीपपर्व में घनिष्ठ सम्बन्ध है। इसे समझते हुए कृपया दीपावली पर पर्यावरण को नुकसान पहुचाने वाली गतिविधियां ना करें।

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

खुशियों की दीपावली- मन का अंधियारा दूर करने का समय

– डॉ प्रियंका सौरभ

दीपावली वर्ष का वह पर्व है जो केवल अंधकार पर प्रकाश की विजय का प्रतीक नहीं, बल्कि मनुष्य के भीतर के तमस को मिटाकर आत्मिक प्रकाश जगाने का संदेश देता है। यह वह दिन है जब लोग घरों को सजाते हैं, दीपक जलाते हैं, नए वस्त्र पहनते हैं और मिठाइयाँ बाँटते हैं। परंतु क्या हमने कभी ठहर कर सोचा है कि असली दीपावली क्या केवल घर की सफाई और रोशनी से पूरी हो जाती है? क्या वास्तव में वह अंधकार, जिसके नाश के लिए यह पर्व मनाया जाता है, केवल दीवारों और आँगन में होता है या हमारे मन और व्यवहार में भी कहीं छिपा है?

आज का समाज बाहरी चमक में इतना उलझ गया है कि भीतर की रोशनी मद्धम पड़ती जा रही है। दीपावली अब अक्सर दिखावे, खर्च और प्रतिस्पर्धा का उत्सव बनती जा रही है। लोग इस दिन अपने घर को हजारों लाइटों से सजा देते हैं, लेकिन अपने मन के कोनों में बसे अंधकार- ईर्ष्या, अहंकार, असंतोष और असहनशीलता को नजरअंदाज कर देते हैं। त्योहार का असली उद्देश्य यही था कि हम अपने भीतर झाँकें, संबंधों को सहेजें और अपने चारों ओर स्नेह की रोशनी फैलाएं। मगर आज यह भावना बाज़ार और भौतिकता के शोर में खोती जा रही है।

दीपावली केवल लक्ष्मी के आगमन का नहीं बल्कि आत्ममंथन का भी समय है। जब हम घर के हर कोने की धूल झाड़ते हैं, तो दरअसल हमें अपने मन की धूल भी झाड़नी चाहिए- पुरानी शिकायतें, मतभेद, कटुता और तनाव। हर दीपक यह याद दिलाता है कि अंधकार मिटाने के लिए केवल एक दीप ही काफी होता है, बशर्ते वह सच्चे मन से जलाया गया हो। परिवार में एक छोटी सी मुस्कान, एक क्षमा का भाव, एक प्रेमपूर्ण संवाद- यही वे दीप हैं जो रिश्तों के कोनों को रोशन करते हैं।

आज के दौर में यह पर्व मानसिक स्वास्थ्य के संदर्भ में भी बहुत मायने रखता है। तेज़ भागदौड़, सामाजिक दबाव, कामकाजी तनाव और डिजिटल दुनिया की भागमभाग में इंसान भीतर से खाली होता जा रहा है। त्यौहारों को भी हमने एक इवेंट बना दिया है- फोटोशूट, सोशल मीडिया पोस्ट और महंगे तोहफों की परंपरा ने उसकी आत्मा को कमजोर कर दिया है। हमें यह याद रखना होगा कि दीपावली का आनंद केवल बाहरी सजावट में नहीं, बल्कि उस मानसिक सुकून में है जो हमें अपनेपन, संवाद और आत्मीयता से मिलता है।

आजकल के बच्चे और युवा पटाखों की चमक में खुशियाँ ढूंढते हैं। लेकिन क्या हमें यह अधिकार है कि अपनी खुशी के लिए पर्यावरण को प्रदूषित करें? धुएं और शोर से भरी हवा में सांस लेता हर जीव, हर बच्चा और हर बुज़ुर्ग इस खुशी की कीमत चुका रहा है। असली आनंद तो तब है जब हमारे दीपक किसी को कष्ट न दें। जब हम धरती माँ के प्रति भी उतने ही संवेदनशील हों जितने अपने घर के प्रति। पर्यावरण के अनुकूल दीपावली मनाना अब केवल विकल्प नहीं, जिम्मेदारी बन चुकी है। मिट्टी के दीप, प्राकृतिक रंगों की सजावट और स्थानीय उत्पादों का उपयोग करके भी हम इस पर्व को सुंदर बना सकते हैं — और यह सौंदर्य कृत्रिम रोशनी से कहीं अधिक स्थायी है।

दीपावली के अवसर पर एक और अंधकार मिटाने की आवश्यकता है- वह है अकेलेपन और मानसिक बेचैनी का अंधकार। त्योहार का मौसम बहुतों के लिए उत्सव का होता है, लेकिन कुछ लोगों के लिए यह यादों और उदासी का समय भी होता है। जिनके अपने दूर हैं, जो किसी प्रिय को खो चुके हैं, या जो आर्थिक और सामाजिक संघर्षों से जूझ रहे हैं- उनके लिए यह रोशनी कई बार चुभन का कारण बनती है। ऐसे में समाज का कर्तव्य है कि वह अपने आसपास के ऐसे लोगों को भी इस रोशनी में शामिल करे। दीपावली का असली अर्थ तभी पूर्ण होगा जब किसी के घर का अंधकार भी हमारे दीप से दूर हो।

हमारे शास्त्र कहते हैं- तमसो मा ज्योतिर्गमय- यानी हमें अंधकार से प्रकाश की ओर जाना चाहिए। यह प्रकाश केवल दीपक का नहीं बल्कि ज्ञान, विवेक और करुणा का है। जब मन में करुणा का प्रकाश जलता है, तो वह हजारों दीपकों से अधिक उजाला फैलाता है। दीपावली हमें यही सिखाती है कि जीवन में प्रकाश फैलाना केवल दिए जलाने का नहीं, बल्कि दया, सत्य और प्रेम की राह पर चलने का प्रतीक है।

त्योहारों का मकसद केवल परंपरा निभाना नहीं होता। वे हमें रुककर सोचने का अवसर देते हैं कि हम किस दिशा में जा रहे हैं। दीपावली हमें याद दिलाती है कि जो प्रकाश बाहर है, वह तभी स्थायी होगा जब भीतर भी उजाला हो। जब हम अपने भीतर के राम को जगाते हैं और रावण रूपी अहंकार, द्वेष और लालच को जलाते हैं, तभी सच्ची दीपावली मनती है।

आज के समय में यह भी जरूरी है कि हम दीपावली को समावेशिता का पर्व बनाएं। समाज में विभाजन की दीवारें, जाति-धर्म के मतभेद, आर्थिक असमानता — ये सब हमारे युग के अंधकार हैं। अगर हर व्यक्ति अपने स्तर पर थोड़ा सा प्रकाश फैला सके- किसी गरीब को भोजन दे दे, किसी बच्चे की शिक्षा में सहयोग करे, किसी बीमार को सहारा दे- तो वही दीपावली सबसे उवल होगी। असली लक्ष्मी वही है जो करुणा, दया और सेवा के रूप में घर में प्रवेश करे।

दीपावली व्यापार का भी पर्व मानी जाती है। यह समय होता है जब बाजारों में रौनक रहती है, कारोबारियों की आशाएं बढ़ती हैं। लेकिन व्यापारी समुदाय को भी यह नहीं भूलना चाहिए कि सच्चा लाभ केवल आर्थिक नहीं, नैतिक भी होता है। ईमानदारी, पारदर्शिता और ग्राहक के प्रति सम्मान ही वह पूंजी है जो लंबे समय तक टिकती है। जब बाजार में विश्वास का दीप जलेगा, तभी समाज समृद्ध होगा।

हमारी संस्कृति में यह भी कहा गया है कि दीपावली केवल संपन्नता का नहीं, संयम का भी प्रतीक है। इसलिए अत्यधिक उपभोग, दिखावा और प्रतिस्पर्धा से बचना ही सच्ची श्रद्धा है। यह पर्व हमें सिखाता है कि थोड़े में भी बहुत कैसे पाया जा सकता है। जिस घर में प्रेम, संतोष और एकता है, वहाँ हर दिन दीपावली जरूरत है कि हम दीपावली को एक आध्यात्मिक और सामाजिक आंदोलन के रूप में देखें। हर व्यक्ति अपने जीवन में एक संकल्प लें कि वह किसी न किसी रूप में प्रकाश फैलाएगा। कोई ज्ञान के दीप जलाएगा, कोई सहायता का, कोई प्रेम का। जब हर व्यक्ति एक दीप बनेगा, तो समाज में ऐसा उजाला फैलेगा जिसे कोई अंधकार मिटा नहीं सकेगा।

कभी-कभी यह भी आवश्यक है कि हम इस पर्व को कुछ पल की शांति के साथ मनाएँ। आत्मचिंतन के कुछ क्षण, अपने प्रियजनों के साथ समय बिताना, और अपनी उपलब्धियों व कमियों पर विचार करना भी दीपावली का हिस्सा होना चाहिए। जब हम अपने भीतर के दीप से मार्ग रोशन करते हैं, तो जीवन में दिशा स्पष्ट होती है।

दीपावली का अर्थ केवल दीप नहीं, आवली अर्थात् श्रृंखला भी है। यह श्रृंखला बताती है कि प्रकाश एक से दूसरे तक पहुँचता है। यही मानवता का मूल संदेश है -एक दीप दूसरे को जलाए, एक दिल दूसरे को रोशन करे। तभी यह संसार अंधकार से मुक्त हो सकेगा। अंततः, इस दीपावली पर हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हम केवल अपने घर को नहीं, बल्कि अपने विचारों, व्यवहारों और समाज को भी प्रकाशित करेंगे। शोर और प्रदूषण से दूर, सरलता और स्नेह से भरी दीपावली ही सच्चे अर्थों में खुशियों और सुकून की दीपावली होगी। यही दीपक भारत की संस्कृति का प्रतीक बनेगा- जहाँ रोशनी केवल बिजली से नहीं, बल्कि इंसानियत से फैलती है।

गाजा में हमास की क्रूरता के बीच 'रहम' की अपील का औचित्य क्या है?

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

इजराइल और गाजा के बीच संघर्ष विराम (सीजफायर) की घोषणा के बावजूद हिंसा का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा। दुनिया भर में शांति और राहत की अपीलें जारी हैं, पर गाजा से आई एक भयावह घटना ने फिर से पूरी मानवता को झकझोर दिया है। 14 अक्टूबर 2025 का एक वीडियो सामने आया, जिसमें हमास के लड़ाके आठ लोगों को आँखों पर पट्टी बाँधकर, घुटनों के बल बिठाकर गोलियों से भून देते हैं। चारों ओर से मजहबी नारे गूंजते हैं और यह दृश्य किसी भी संवेदनशील और लोकतांत्रिक व्यवस्था में विश्वास रखनेवाले व्यक्ति के दिल को हिला देता है।

विडंबना यह है कि यह घटना उसी दिन हुई जब अमेरिका, तुर्की, मिस्र और क़तर की मध्यस्थता में गाजा के लिए शांति प्रस्ताव पारित किया गया था। सवाल उठता है, जब सीजफायर लागू था, तब यह निर्मम हिंसा क्यों और क्या गाजा के लिए शांति की अपील करने वालों को यह नहीं देखना चाहिए कि स्वयं गाजा में हमास किस तरह का आतंक फैला रहा है अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों की रिपोर्टें इस बात की पुष्टि करती हैं कि हाल के दिनों में हमास ने अपने ही क्षेत्र के कई लोगों को इसराइल से सहयोग के शक में सार्वजनिक रूप से मौत के घाट उतार दिया। इन लोगों को बिना किसी न्यायिक प्रक्रिया के गोली मार दी गई। न अदालत, न सुनवाई, न बचाव का अधिकार। शवों पर बंधे हाथों और पट्टी बंधी आँखों के निशान यह साबित करते हैं कि यह सब योजनाबद्ध था।

युद्धविराम के बाद जब आम नागरिक राहत की उम्मीद कर रहे थे, तब हमास के हथियारबंद दस्ते सड़कों पर उतरे और अपने विरोधियों या संदिग्धों को पकड़कर सरेआम दंडित करने लगे। यह दहशत का शासन है, जहाँ सवाल उठाना गुनाह और असहमति देशद्रोह बन जाती है। क्या यह सही है भारत समेत पूरी दुनिया में गाजा के समर्थन में आवाजें उठती हैं। सड़कों पर इंसाफ, इंसानियत के नारे गूंजते हैं, लेकिन जब रहम या शांति की बात की जा रही है, तो हमास जैसे सशस्त्र आतंकी समूह लोगों पर अत्याचार करते, हिंसा करते और उन्हें मौंत के घाट उतारते हुए नजर आ रहे हैं

इन क्रूरता भरे दृश्यों को देखकर तो यही लग रहा है कि शांति की अपील तभी सार्थक है जब वह न्याय के साथ खड़ी हो। हमास जैसे संगठन, जो अपने ही नागरिकों को घुटनों पर बैठाकर गोली मारते हैं, उनके प्रति रहम की अपील वस्तुतः मानवता के साथ अन्याय है। अंतरराष्ट्रीय कानून विशेष रूप से जिनेवा संधियाँ यह स्पष्ट करती हैं कि किसी भी संघर्ष में नागरिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। बिना मुकदमे के हत्या, सार्वजनिक निष्पादन और यातना सीधे-सीधे युद्ध अपराध की श्रेणी में आते हैं। ऐसे में स्वभाविक तौर पर हमास द्वारा किए गए ये सार्वजनिक निष्पादन अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकारों का खुला उल्लंघन हैं। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद और अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय को इन पर स्वतः संज्ञान लेना चाहिए।

हमास को कुछ लोग प्रतिरोध संगठन कहते हैं, लेकिन उसकी कार्यशैली किसी भी आधुनिक राजनीतिक आंदोलन से अधिक क्रूर और सत्तालोलुप है। उसका ढाँचा इस्लामिक महजब की कट्टर व्याख्या और भय के शासन पर आधारित है। हथियार उसके लिए केवल रक्षा का साधन नहीं, सत्ता का प्रतीक हैं। स्थानीय पत्रकारों की रिपोर्टें बताती हैं कि सीजफायर के बाद भी हमास के लड़ाके गश्त पर हैं और जो कोई भी बाहरी संपर्क या आलोचना की कोशिश करता है, उसे देशद्रोही कहकर गायब कर दिया जाता है।

वस्तुतः आज ये सभी को समझना होगा कि जो संगठन इस्लामिक मजहब के नाम पर आतंक और सार्वजनिक निष्पादन को वैध ठहराते हैं, उन पर रहम नहीं, जवाबदेही आवश्यक है। क्योंकि जब अपराधी रहम को अपनी ढाल बना लेते हैं, तब न्याय का हनन होता है। भारत में गाजा के समर्थन में उठती आवाजें यह दर्शाती हैं कि यहाँ के लोग संवेदनशील हैं और विश्व-मानवता के प्रति सहानुभूति रखते हैं। लेकिन संवेदना और यथार्थ के बीच की रेखा को समझना भी जरूरी है। यदि कोई वास्तव में गाजा के नागरिकों की चिंता करता है, तो उन्हें यह भी कहना चाहिए कि हमास को हथियार डालने चाहिए, न्यायिक प्रक्रिया बहाल होनी चाहिए और असहमति का अधिकार सुरक्षित रहना चाहिए। यही सच्चा मानवीय दृष्टिकोण होगा।

हालांकि सोशल मीडिया के इस दौर में गाजा या इसराइल से जुड़ी तस्वीरें और वीडियो सेकंडों में वायरल हो जाते हैं। पर हर दृश्य सत्य नहीं होता। कई वीडियो पुराने या संपादित होते हैं। इसीलिए हर जानकारी को आँख मूँदकर स्वीकार करना खतरनाक है। तथ्यों की जांच और सत्यापन आवश्यक है। फिर भी, जिन घटनाओं की पुष्टि अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों ने की है, जैसे हमास द्वारा किए गए सार्वजनिक निष्पादन; उन्हें किसी प्रचार से नकारा नहीं जा सकता। जब किसी को घुटनों पर बिठाकर सिर में गोली मारी जाती है और भीड़ मजहबी नारे लगाती है, तो यह सीधे- सीधे इस्लामिक मजहबी हिंसा नजर आती है। यह निर्मम हत्याएं हैं, जिसका कोई औचित्य नहीं।

वास्तव में सोचा जाए तो गाजा का संकट आज युद्ध से कहीं अधिक मानवता के दोहरे मापदंडों का भी दर्पण है। एक ओर दुनिया हिंसा रोकने की अपील करती है, दूसरी ओर वही दुनिया अक्सर उन संगठनों को अनदेखा कर देती है जो मजहब की आड़ में निर्दोषों का खून बहाते हैं। यही कारण है कि आज सवाल यह नहीं कि शांति चाहिए या नहीं; बल्कि यह है कि शांति किसके लिए चाहिए निर्दोष नागरिकों के लिए या हथियारबंद आतंकी गिरोहों के लिए

ऐसे में कहना यही होगा कि गाजा में सच्ची शांति तब ही आएगी जब वहां आतंक और भय का अंत होगा। जब हमास की बंदूकें खामोश होंगी, तभी गाजा के बच्चों की सच्ची हँसी लौटेगी। यहां जब मजहबी नारों की जगह स्कूलों से ज्ञान के स्वर गूंजेंगे, तब ही वास्तविक तौर पर यह कहा जा सकेगा कि गाजा को राहत मिली है। तब तक यह रहम का नहीं, न्याय का समय है। क्योंकि रहम तब पवित्र होता है जब वह निर्दोषों की रक्षा करता है और न्याय तब सार्थक होता है जब वह अपराधियों को भी जवाबदेह बनाता है। फिलहाल गाजा में यह होता हुआ नजर नहीं आ रहा है।

नीलम करवरिया कप : सोरांव और इलाहाबाद उत्तरी में होगी खिताबी भिड़ंत

एजेंसी

प्रयागराज। रवि सिंह और सिद्धार्थ मिश्र की आतिशी पारी से सोरांव विधानसभा ने प्रतापपुर विधानसभा को दो विकेट और त्रिपुरेश सिंह की विस्फोटक बल्लेबाजी से इलाहाबाद उत्तरी ने फाफामऊ विधानसभा को 6 विकेट से हराकर नीलम करवरिया का टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता के फाइनल में जगह बना ली जहां दोनों की भिड़ंत होगी। गवर्नमेंट प्रेस मैदान पर खेले गए पहले सेमीफाइनल मुकाबले में टॉस हार कर प्रतापपुर विधानसभा ने 20 ओवर में 8 विकेट पर 183 रन (नितिन सिंह 52, प्रमोद यादव 35, अनुज सिंह परिहार 34, ध्रुव प्रताप सिंह 18, नमन श्रीवास्तव 2-19, रितेश पटेल 2-36) बनाए। जवाब में सोरांव विधानसभा ने 20 ओवर में 8 विकेट पर 184 रन (रवि सिंह 71, सिद्धार्थ मिश्र 53 नाबाद, हर्षित नारायण तिवारी 34, सौरभ त्रिपाठी 2-20, ध्रुव प्रताप सिंह 2-31, वैभव पाल 2-53) बना लिए। सिद्धार्थ मिश्र को शहर के सदाबहार तेज गेंदबाज, पूर्व रणजी क्रिकेटर आशीष विस्टन जैदी ने मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया। आयोजन सचिव सक्षम करवरिया ने पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिन्ह देकर उनका स्वागत किया। मैच में शिशिर मल्होत्रा व राहुल सिंह अम्पायर एवं मोहम्मद सैफ व आशीष भारतीय स्कोरर रहे।दूसरे सेमीफाइनल में टॉस जीतकर फाफामऊ ने 19.5 ओवर में 145 रन (शिवम सिंह यादव 59, पंकज विश्वकर्मा 35, अमर चौधरी 4-14, सुब्रत प्रसाद तिवारी, प्रथम मिश्र, त्रिपुरेश सिंह एक-एक विकेट) बनाए।

इंटर स्कूल क्रिकेट टूर्नामेंट में आरएसडी, एमपीएस की टीमें जीतीं

मुरादाबाद। दिल्ली रोड स्थित मॉडर्न स्कूल में ब्रास सिटी सहोदया के अंतर्गत चल रहे चार दिवसीय इंटर स्कूल क्रिकेट टूर्नामेंट के तीसरे दिन एक क्वार्टर फाइनल व दो सेमीफाइनल मैच खेले गए। जिसमें आरएसडी व एमपीएस की टीमें जीतीं। शुक्रवार को फाइनल मुकाबला मार्डन पब्लिक स्कूल बनाम आरएसडी एकेडमी के बीच होगा। प्रधानाचार्य शकील अहमद ने मैच का उद्घाटन किया। आयोजन सचिव शाहवेज़ अली ने बताया कि प्रतियोगिता के तीसरे दिन आज पहला मैच आर एस डी एकेडमी बनाम सेंट मीरा एकेडमी के मध्य क्वाटर फाइनल मैच खेला गया जिसमे आरएसडी ने टास जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 10 ओवर में पांच विकेट के नुकसान पर 115 रनों का लक्ष्य दिया लक्ष्य का पीछा करने उतरी सेंट मीरा की टीम पांच विकेट के नुकसान पर 85 रनों ही बना सकी। दूसरा मैच शिरडी साईं विंग 1 बनाम मॉडर्न पब्लिक स्कूल के मध्य पहला सेमीफाइनल मैच खेला गया जिसमे शिरडी साईं ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया और 10 ओवर में तीन विकेट के नुकसान पर 116 रनों का लक्ष्य दिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी एमपीएस टीम के 7.5 ओवर में ही बिना विकेट खोए 117 रन प्राप्त कर जीत हासिल की व फाइनल में प्रवेश किया।

विश्व मुक्केबाजी कप फाइनल 14 से 21 नवंबर तक, पहली बार मेजबानी करेगा भारत

नई दिल्ली। विश्व के शीर्ष मुक्केबाज 14 से 21 नवंबर तक ग्रेटर नोएडा के शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में होने वाले विश्व मुक्केबाजी कप फाइनल में हिस्सा लेंगे। यह पहली बार है जब भारत इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा। विश्व मुक्केबाजी की वार्षिक श्रृंखला के समापन के रूप में आयोजित यह फाइनल प्रतियोगिता दस भार वर्गों में पुरुष और महिला मुक्केबाजों के लिए ओलंपिक शैली की मुक्केबाजी में शीर्ष सम्मान जीतने का अवसर होगी। भारत के लिए पहली बार इस फाइनल की मेजबानी करना देश को वैश्विक मुक्केबाजी केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। 2024 में पहले संस्करण के मैच इंग्लैंड, अमेरिका और मंगोलिया में आयोजित किए गए थे और फाइनल इंग्लैंड में हुआ। भारत इस वर्ष के फाइनल में 17 पदकों के साथ वैश्विक पदक तालिका में शीर्ष पांच में शामिल है। इनमें चार स्वर्ण, छह रजत और सात कांस्य पदक शामिल हैं। बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष अजय सिंह ने कहा कि भारत 2030 में राष्ट्रमंडल खेलों और 2036 में ओलंपिक की मेजबानी के लिए तैयारी कर रहा है और यह एक और महत्वपूर्ण कदम है। पिछले कुछ वर्षों में हमने ऐसे सिस्टम बनाए हैं, जो लगातार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक विजेता मुक्केबाज तैयार करते हैं। यह टूर्नामेंट हमें इसे घरेलू मंच पर प्रदर्शित करने का अवसर देता है। यह हमारे और हमारे मुक्केबाजों के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण है।

एआईएफएफ सुपर कप 2025-26 से रियल कश्मीर एफसी ने नाम वापस लिया

नई **दिल्ली।** रियल कश्मीर एफसी ने विदेशी खिलाड़ियों के लिए वीज़ा न मिलने के कारण एआईएफएफ सुपर कप 2025-26 से अपना नाम वापस ले लिया है। श्रीनगर के इस क्लब को ग्रुप ए में खेलना था, लेकिन टूर्नामेंट शुरू होने से कुछ दिन पहले ही उसने प्रतियोगिता से हटने का निर्णय लिया। ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन (एआईएफएफ) ने पुष्टि की कि रियल कश्मीर एफसी की जगह अब डेम्पो एससी को ग्रुप ए में शामिल किया गया है। इस ग्रुप में पहले से ही इंडियन सुपर लीग की दिग्गज टीमें चेन्नईयिन एफसी, मोहन बागान सुपर जायंट और ईस्ट बंगाल एफसी मौजूद हैं। डेम्पो एससी अपना पहला मैच 25 अक्टूबर को ईस्ट बंगाल के खिलाफ खेलेगी। रियल कश्मीर एफसी के बाहर होने से टूर्नामेंट के कार्यक्रम में मामूली बदलाव किया गया है। एआईएफएफ ने कहा कि डेम्पो को सभी मैचों में प्रतिस्पर्धी मौका मिलेगा और वह सीधे ग्रुप चरण में खेलेगी।

हरियाणा ओलंपिक एसोसिएशन ने जारी किया 27वें स्टेट गेम्स का लोगो व मस्कट

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में खेलों की सबसे बड़ी प्रतियोगिता एक बार फिर लौटने जा रही है। करीब 13 साल बाद राज्य में 27वें हरियाणा स्टेट गेम्स का आयोजन होने जा रहा है। हरियाणा ओलंपिक एसोसिएशन (एचओए) ने तैयारियों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। इसी कड़ी में एसोसिएशन ने इन खेलों का आधिकारिक लोगो और मास्कट जारी कर दिया है, जो हरियाणा की परंपरा, ऊर्जा और खेल भावना का संगम पेश करता है। इस बार के स्टेट गेम्स का लोगो बेहद प्रतीकात्मक और अर्थपूर्ण है। इसे ओलंपिक एसोसिएशन ने विशेष रूप से डिजाइन कराया है। लोगो में 'शंख' को केंद्र में रखा गया है। शंख न केवल कुरुक्षेत्र की ऐतिहासिक पहचान है, बल्कि यह ऊर्जा, शुभता और नई शुरुआत का प्रतीक भी है। लोगो का संदेश स्पष्ट है - हरियाणा में खेलों का शंखनाद फिर से गूंजेगा। ओलंपिक एसोसिएशन के

अध्यक्ष कप्तान जसविंद्र सिंह मीनू बेनीवाल ने बताया कि एचओए ने खेलों का मास्कट 'महाबली' भी जारी किया है, जिसे चीते के रूप में डिज़ाइन किया गया है। चीता ताकत, गति और आत्मविश्वास का प्रतीक है, जो हरियाणा के खिलाड़ियों की पहचान भी है। 'महाबली' को हरियाणा के खेल योद्धा का रूप माना गया है, जो मैदान में हमेशा आगे बढ़ता है, कभी हार नहीं मानता। हरियाणा ओलंपिक एसोसिएशन ने बताया कि 27वें हरियाणा स्टेट गेम्स 2 नवंबर से 8 नवंबर तक आयोजित किए जाएंगे। इस दौरान राज्य भर से हजारों खिलाड़ी भाग लेंगे। खेलों में एथलेटिक्स, कुश्ती, कबड्डी, बॉक्सिंग, हॉकी, फुटबॉल, वॉलीबॉल, शूटिंग, तैराकी, तीरंदाजी सहित करीब दो दर्जन से अधिक खेल विधाएं शामिल होंगी।

एसोसिएशन ने आयोजन स्थलों की तैयारियां भी लगभग पूरी कर ली हैं और कहा कि इन खेलों को राज्य के इतिहास का सबसे भव्य आयोजन बनाया जाएगा। मीनू बेनीवाल के अनुसार शंख की ध्वनि सिर्फ खेलों के आरंभ की नहीं, बल्कि एक नई ऊर्जा, नई प्रतिबद्धता और नए जोश की शुरुआत की घोषणा है। कुरुक्षेत्र हमारी पौराणिक धरोहर है, वहीं से हमने प्रेरणा ली है।

पीवीएल 2025 : युडी यामामोटो के शानदार प्रदर्शन से हैदराबाद ब्लैक हॉक्स की 3-1 से जीत

एजेंसी

हैदराबाद। आरआर केबल प्राइम वॉलीबॉल लीग (पीवीएल) पावर्ड बाय स्कैपिया के रोमांचक मुकाबले में हैदराबाद ब्लैक हॉक्स ने गोवा गार्डियंस को 3-1 (15-13, 20-18, 15-17, 15-9) से पराजित कर महत्वपूर्ण जीत दर्ज की। ब्राज़ीलियाई स्टार युडी यामामोटो को शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। इस जीत के साथ हैदराबाद ब्लैक हॉक्स सात अंकों के साथ अंक तालिका में छठे स्थान पर पहुंच गई। मेजबान टीम हैदराबाद ने पहले दो सेटों में बेहतरीन तालमेल दिखाया। युडी यामामोटो और साहिल कुमार ने नेट पर लगातार दबाव बनाते हुए गोवा के डिफेंस को परेशान रखा। गार्डियंस के नाथनियल डिकिंसन और चिराग यादव ने जोरदार स्पाइक्स से जवाब देने की कोशिश की, लेकिन साहिल के निर्णायक स्पाइक ने ब्लैक हॉक्स को पहला सेट 15-13 से दिला दिया।

दूसरे सेट में गोवा ने शुरुआत में बढ़त हासिल की। दुष्यंत सिंह के शानदार ब्लॉक और प्रिंस की नेट पर उपस्थिति ने गार्डियंस को मुकाबले में बनाए रखा। हालांकि हैदराबाद के नियाज़ अब्दुल ने ड्यूस तक खेल को खींचते हुए विपक्षी ब्लॉकर्स को छकाया। इसके बाद साहिल कुमार ने निर्णायक पॉइंट लेकर ब्लैक हॉक्स को 20-18 से दूसरा सेट जीताया। तीसरे सेट में गोवा गार्डियंस ने शानदार वापसी की। दुष्यंत सिंह की सुपर सर्व और प्रिंस-गौरव यादव की जोड़ी ने टीम को 15-17 से सेट अपने नाम करने में मदद की। लेकिन यह लय ज्यादा देर तक नहीं चल सकी।

नाओमी ओसाका ने चोट के कारण जापान ओपन क्वार्टर फाइनल से नाम वापस लिया

एजेंसी

नई दिल्ली। नाओमी ओसाका ने बाएं पैर में चोट के कारण शुक्रवार को जापान ओपन के क्वार्टर फाइनल मैच से अपना नाम वापस ले लिया है। डब्ल्यूटीए टूर की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि मैच से पहले ओसाका के हटने के परिणामस्वरूप जैकलीन क्रिस्टियन वॉकओवर के आधार पर सेमीफाइनल में पहुंच गई हैं। टूर्नामेंट के आयोजकों ने बताया कि शीर्ष वरीयता प्राप्त ओसाका दूसरे दौर के मैच के अंत में लगी चोट से पूरी तरह उबर नहीं पाई हैं। क्रिस्टियन का इस साल का यह तीसरा सेमीफाइनल होगा और क्ले कोर्ट के अलावा किसी अन्य सतह पर उनका यह पहला सेमीफाइनल होगा। चोट लगने से पहले ओसाका ने वाकाना सोनोबे और 2024 चैंपियन सुजान लामेंस पर जीत हासिल की थी। लामेंस के साथ पहले दो सेट बराबर करने के बाद ओसाका ने तीसरे सेट में 5-0 की बढ़त बना ली, लेकिन लामेंस के 0-5 और 30-15 के स्कोर पर सर्विस करते समय

ओसाका के बाएं पैर में चोट लग गई। लामेंस का बैकहैंड वाइड चला गया, लेकिन अगले पॉइंट के बाद उन्होंने मेडिकल टाइमआउट का अनुरोध किया, जिसके बाद ओसाका ने पॉइंट जीत लिया। चार बार की प्रमुख विजेता ओसाका अपनी बाईं जांघ में चोट और गतिशीलता में कमी के साथ कोर्ट पर लौटीं, लेकिन अपने तीसरे मैच पॉइंट पर मैच जीतने में सफल रहीं। ओसाका सितंबर के अंत में चाइना ओपन के दूसरे दौर में और पिछले हफ्ते वुहान ओपन के भी दूसरे दौर में हार गई थीं। शुक्रवार को जापान ओपन के एक अन्य क्वार्टर फ़ाइनल में, 2021 यूएस ओपन की फ़ाइनलिस्ट लेयला फ़र्नांडेज़ ने रेबेका स्रामकोवा को 7-6 (2), 6-3 से हराया।

हांगकांग सिक्सेस 2025 के लिए दक्षिण अफ्रीका ने घोषित की टीम

एजेंसी

हांगकांग। क्रिकेट साउथ अफ्रीका (सीएसए) ने हांगकांग सिक्सेस 2025 टूर्नामेंट के लिए अपनी सात सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। यह टूर्नामेंट 7 से 9 नवंबर तक हांगकांग के टिन क्वॉन्ग रोड रिक्रिएशन ग्राउंड में खेला जाएगा। दक्षिण अफ्रीका हांगकांग सिक्सेस की पांच बार की चैंपियन टीम है। उसने 1995, 2006, 2009, 2012 और 2017 में खिताब जीता था। घोषित टीम की कमान वॉरियर्स के ऑलराउंडर जॉर्डन मॉरिस संभालेंगे। साउथ अफ्रीका अंडर-19 और टाइटंस के युवा बल्लेबाज जोरिक वैन स्कात्कविक को भी टीम में शामिल किया गया है। 18 वर्षीय इस ओपनर ने जुलाई में जिम्बाब्वे के खिलाफ दोहरा शतक लगाकर सुर्खियां बटोरी थीं। टीम के बल्लेबाजी विभाग को मजबूती देने के लिए बोलैंड के ईथन कनिंघम और वेस्टर्न प्रोविंस के कशिफ जोसेफ को जगह दी गई है। ऑलराउंडर के रूप में वेस्टर्न प्रोविंस के अब्दुल्ला बायोमी और डॉल्फिन्स के ब्लेक सिम्पसन को शामिल किया गया है। गेंदबाजी की कमान वेस्टर्न प्रोविंस के तेज गेंदबाज म्बुलेलो ड्यूबे संभालेंगे। दक्षिण अफ्रीका को ग्रुप ए में अफगानिस्तान और नेपाल के साथ रखा गया है। टीम अपना पहला मुकाबला 7 नवंबर को अफगानिस्तान से खेलेगी, जबकि 8 नवंबर को उसका सामना नेपाल से होगा।

दक्षिण अफ्रीका की पूरी टीमः

जॉर्डन मॉरिस (कप्तान), अब्दुल्ला बायोमी, ईथन कनिंघम, जोरिक वैन स्काल्कविक, म्बुलेलो ड्यूबे, कशिफ जोसेफ, ब्लेक सिम्पसन।

फिट इंडिया 31 अक्टूबर से शुरू करेगा देशव्यापी 'कश्मीर से कन्याकुमारी' और 'पैडल टू प्लांट' साइकिलिंग अभियान

एजेंसी

नई दिल्ली। युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय का प्रमुख मिशन 'फिट इंडिया' सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर 31 अक्टूबर से देशव्यापी दो बड़े साइकिलिंग अभियानों का आयोजन करने जा रहा है। इन अभियानों का नाम 'आयरन व्हील्स ऑफ यूनिटी' रखा गया है, जो देश की एकता, फिटनेस और पर्यावरण संरक्षण का संदेश देंगे।

कश्मीर से कन्याकुमारी तक 4480 किमी की साइकिलिंग

'कश्मीर टू कन्याकुमारी' साइकिलिंग अभियान 31 अक्टूबर को श्रीनगर (जम्मू-कश्मीर) से शुरू होगा। यह यात्रा पंजाब, दिल्ली, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र और कर्नाटक होते हुए 16 नवंबर को कन्याकुमारी (तमिलनाडु) में समाप्त होगी। इस ऐतिहासिक यात्रा में 150 साइकिल सवार हिस्सा लेंगे, जो सरदार पटेल की 150वीं जयंती को समर्पित एक अनूठा सम्मान होगा। इस अभियान का नेतृत्व प्रसिद्ध पर्वतारोही निशा कुमारी करेंगी, जिन्होंने 17 मई, 2023 को माउंट एवरेस्ट पर फतह हासिल की थी और

भारत से लंदन तक साइकिल यात्रा कर 'चेंज बिफोर क्लाइमेट चेंज' का संदेश दिया था।

'पैडल टू प्लांट' से हरित संदेश

दूसरा अभियान ÷पैडल टू प्लांट÷ 4000 किलोमीटर की दूरी तय करेगा। यह यात्रा अरुणाचल प्रदेश के पांगसाउ से शुरू होकर असम, पश्चिम बंगाल, बिहार, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश से गुजरते हुए गुजरात के मुंद्रा में 31 दिसंबर, 2025 को समाप्त होगी। यात्रा के दौरान साइकिल सवार 1 लाख पौधे लगाएंगे और विभिन्न स्कूलों व कॉलेजों में जलवायु परिवर्तन और फिटनेस पर जन-जागरूकता कार्यक्रम चलाएंगे। केंद्रीय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने कहा, ÷मैं सभी साइकिल चालकों को शुभकामनाएं देता हूं जो फिट इंडिया आयरन व्हील्स ऑफ यूनिटी अभियान में हिस्सा ले रहे हैं। यह अभियान हमारे महान स्वतंत्रता सेनानी और राजनेता सरदार वल्लभभाई पटेल को समर्पित है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सपना है कि भारत के नागरिक फिट और स्वस्थ रहें। यह पहल उस दृष्टिकोण को और सशक्त बनाएगी। साइकिलिंग न केवल फिटनेस के लिए लाभदायक है बल्कि प्रदूषण कम करने का भी एक प्रभावी उपाय है। मैं सभी देशवासियों से अपील करता हूं कि वे रोजाना 30 मिनट से 1 घंटा साइकिलिंग को दें।' डॉ. मांडविया द्वारा शुरू किए गए 'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल' अभियान के विस्तार के रूप में 'आयरन व्हील्स ऑफ यूनिटी' 1 लाख किलोग्राम कार्बन उत्सर्जन में कमी लाएगा।

गेविन लार्सन दोबारा बने न्यूजीलैंड के चयन प्रबंधक

एजेंसी

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड के पूर्व तेज गेंदबाज गेविन लार्सन एक बार फिर टीम के चयन प्रबंधक के रूप में लौट आए हैं। उन्होंने सैम वेल्स की जगह यह जिम्मेदारी संभाली है। लार्सन इससे पहले 2015 से 2023 तक इसी भूमिका में रह चुके हैं, जिसके बाद उन्होंने इंग्लैंड के क्लब वॉरविकशायर में परफॉर्मेंस डायरेक्टर के रूप में काम किया था। 61 वर्षीय लार्सन हाल ही में बास्केटबॉल टीम नेल्सन जायंट्स से जुड़े हुए थे। अब वे न्यूजीलैंड टीम के मुख्य कोच रॉब वॉल्टर के साथ मिलकर न्यूजीलैंड, न्यूजीलैंड ए और न्यूजीलैंड ङ्क्ष के सभी दौरों के लिए टीम चयन की जिम्मेदारी संभालेंगे। अपनी नियुक्ति पर लार्सन ने एक आधिकारिक बयान में कहा, 'ब्लैककैप्स और राष्ट्रीय हाई परफॉर्मेंस माहौल में दोबारा वापसी करना मेरे लिए सम्मान की बात है। मैं न्यूजीलैंड क्रिकेट को लेकर बेहद जुनूनी हूं और एक बार फिर सर्वोच्च स्तर पर योगदान देने का मौका मिलना बेहद रोमांचक है। मैं इस गर्मी से काम शुरू करने को लेकर उत्साहित हूं और टीम की सफलता में अपना योगदान देना चाहता हूं।' न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) के मुख्य हाई परफॉर्मेंस अधिकारी डैरिल गिब्सन ने कहा कि लार्सन का अनुभव और आधुनिक खेल की समझ उन्हें इस पद के लिए उपयुक्त बनाती है। उन्होंने कहा, 'गेविन की इस भूमिका को लेकर परिचितता और जिम्मेदारियों की गहरी समझ ने उनके चयन में अहम भूमिका निभाई। इसके अलावा, उनके जुनून, ऊर्जा और दोबारा योगदान देने की इच्छा ने हमें प्रभावित किया। गौरतलब है कि चयन मॉडल में कोई बदलाव नहीं किया गया है। टीम चयन पर अंतिम निर्णय मुख्य कोच रॉब वॉल्टर का ही रहेगा, जबकि लार्सन उनके साथ मिलकर काम करेंगे। लार्सन 3 नवंबर से आधिकारिक तौर पर अपना कार्यभार संभालेंगे।

भारत-पाकिस्तान विश्व कप मुकाबले ने तोड़े सारे रिकॉर्ड, बना महिला क्रिकेट इतिहास का सबसे ज़्यादा देखा गया अंतरराष्ट्रीय मैच

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान के बीच 5 अक्टूबर को खेले गए महिला वनडे विश्व कप मुकाबले ने दर्शक संख्या के सभी पिछले रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अनुसार, इस मैच ने डिजिटल प्लेटफॉर्म पर 28.4 मिलियन की पहुंच और 1.87 अरब मिनट के व्यूइंग टाइम के साथ महिला क्रिकेट इतिहास का सबसे ज़्यादा देखा गया अंतरराष्ट्रीय मैच बन गया है। आईसीसी ने जारी बयान में कहा कि यह मुकाबला दर्शक संख्या के लिहाज़ से टूर्नामेंट का सबसे बड़ा मैच रहा। वहीं, लीग चरण के पहले हिस्से में भी दर्शकों की संख्या में रिकॉर्ड तोड़ वृद्धि देखने को मिली है। भारत-पाकिस्तान मैच टीवी पर भी विश्व कप इतिहास का सबसे ज्यादा रेटिंग वाला लीग मैच बन गया है।

टूर्नामेंट के पहले 11 मैचों ने कुल 72 मिलियन दर्शकों तक पहुंच बनाई, जो पिछली बार की तुलना में 166' अधिक है। इसके साथ ही, व्यूइंग मिनट्स में 327' की वृद्धि दर्ज की गई और यह आंकड़ा 6.3 अरब मिनट तक पहुंच गया।स्टेडियम में दर्शकों की उपस्थिति भी उत्साहजनक रही है। भारत में भारतीय टीम के मैचों और श्रीलंका में श्रीलंका के मैचों में बड़ी संख्या में दर्शक पहुंचे। हालांकि, अन्य टीमों के मुकाबलों में दर्शक संख्या अपेक्षाकृत कम रही। कोलंबो में जब भारत या श्रीलंका नहीं खेल रहे होते हैं तो दर्शक संख्या हजारों में रही है। मौसम ने भी उपस्थिति को प्रभावित किया है। आईसीसी और जियोहॉटस्टार के संयुक्त आंकड़ों के मुताबिक, टूर्नामेंट के पहले 13 मैचों तक 60 मिलियन से अधिक दर्शक पहुंचे, जो 2022 संस्करण की तुलना में पांच गुना अधिक है। वहीं कुल वॉच टाइम 7 अरब मिनट तक पहुंच गया, जो पिछले टूर्नामेंट से 12 गुना अधिक है। 12 अक्टूबर को भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया के मुकाबले में 4.8 मिलियन पीक समकालिक दर्शक दर्ज किए गए, जो महिला क्रिकेट के इतिहास में एक और नया रिकॉर्ड है।

रिकॉर्ड एक नज़र में

भारत-पाकिस्तान मैच की पहुंचः 28.4 मिलियन

व्यूइंग टाइमः 1.87 अरब मिनट

कुल पहुंच (पहले 11 मैच): 72 मिलियन

व्यूइंग टाइम (कुल): 6.3 अरब मिनट

ऑस्ट्रेलिया मैच पर पीक व्यूअरशिपः 4.8 मिलियन

यह उपलब्धि महिला क्रिकेट की बढ़ती लोकप्रियता और दर्शकों में बढ़ते रोमांच को दर्शाती है।

भारत दौरे के लिए दक्षिण अफ्रीका 'ए' टीम घोषित, बावुमा की दूसरे अनऑफिशियल टेस्ट में होगी वापसी

एजेंसी

नई दिल्ली। क्रिकेट साउथ अफ्रीका (सीएसए) ने भारत दौरे के लिए अपनी 'ए' टीम की घोषणा कर दी। दौरे की शुरुआत 30 अक्टूबर से बेंगलुरु में दो चार दिवसीय अनऑफिशियल टेस्ट मैचों से होगी। दूसरा चार दिवसीय मैच 6 से 9 नवंबर तक खेला जाएगा। दोनों मुकाबले बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में आयोजित किए जाएंगे। इसके बाद दोनों टीमें 13 से 19 नवंबर तक राजकोट में तीन मैचों की वनडे सीरीज़ खेलेंगी। यह दौरा साउथ अफ्रीका की सीनियर टीम के भारत दौरे से पहले का अभ्यास दौरा होगा। दक्षिण अफ्रीका के टेस्ट और डब्ल्यूटीसी विजेता कप्तान टेम्बा बावुमा चोट से उबरकर दूसरे अनऑफिशियल टेस्ट में वापसी करेंगे। वहीं, भारत 'ए' टीम की घोषणा अभी नहीं की गई है।

दक्षिण अफ्रीका 'ए' टीम का पूरा स्क्वॉड

अनऑफिशियल टेस्ट के लिए स्क्वॉडः

मार्क्वेस एकरमैन, टेम्बा बावुमा*, ओकुहले सेले, जुबायर हम्जा, जॉर्डन हरमैन, रुबिन हरमैन,

राइवल्डो मूनसामी, त्शेपो मोरेकी, मिहलाली म्पोंगवाना, लेसेगो सेनोकवाने, प्रेनेलन सुब्रायन, काइल सिमंड्स, त्शेपो न्दवांडवा, जेसन स्मिथ, तियान वान वुरेन, कोडी यूसुफ।

वनडे सीरीज़ के लिए स्क्वॉडः

मार्क्वेस एकरमैन, ओटनाइल बार्टमैन, ब्योर्न

फॉरच्यून, जॉर्डन हरमैन, रुबिन हरमैन, क्वेना माफाका, राइवल्डो मूनसामी, त्शेपो मोरेकी, मिहलाली म्पोंगवाना, नकाबा पीटर, डेलानो पोटगीटर, लुआन-ड्रे प्रिटोरियस, सिनेथेम्बा क्वेशिले, जेसन स्मिथ, कोडी यूसुफ।

मुरादाबाद के शूटिंग खिलाड़ी मोहित और श्रद्धा ने अलग-अलग प्रतिस्पर्धाओं में जिले का नाम रोशन किया

मुरादाबाद। मुरादाबाद महानगर के होनहार शूटिंग खिलाड़ी मोहित पाल और श्रद्धा रस्तोगी ने अलग-अलग प्रतिस्पर्धाओं में जिले का नाम रोशन किया है। मोहित ने नेशनल शूटिंग चौंपियनशिप में जगह बनाई। उन्होंने 44वीं नॉर्थ जोन शूटिंग चौंपियनशिप में 270 का स्कोर

हासिल कर नाम रोशन किया। यह चैपियनशिप 3 से 15 अक्टूबर तक देहरादून में हुई। मोहित ने 25 मीटर सेंटर फायर पिस्टल कैटेगरी में अच्छा प्रदर्शन किया। इस साल होने वाले नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप में राइफल और पिस्टल दोनों कैटेगरी में स्थान पक्का कर लिया है। वहीं टिमिट की छात्रा श्रद्धा रस्तोगी हैं। उन्होंने 9 से 15 अक्टूबर तक भोपाल में खेले गए प्री-नेशनल में दो रजत पदक जीते। 10 मीटर एयर राइफल इवेंट में जूनियर व सीनियर दोनों वर्गों में उन्होंने पदक जीते। अब वह नॉर्थ जोन शूटिंग चैपियनशिप, ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स और नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप में प्रतिभाग करेंगी।

पीकेएल-12 ~ रोमांचक टाईब्रेकर में पटना पाइरेट्स की जीत, बेंगलुरू बुल्स को 6-5 से दी मात

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) सीजन 12 के 88वें मुकाबले में त्यागराज इंडोर स्टेडियम में हुए रोमांचक मुकाबले में पटना पाइरेट्स ने बेंगलुरू बुल्स को टाईब्रेकर में 6-5 से हराकर शानदार जीत दर्ज की। निर्धारित समय तक मुकाबला 32-32 से बराबर रहा था। इस जीत के साथ पटना ने 14 मैचों में अपनी चौथी जीत हासिल की, जबकि बेंगलुरू बुल्स को 15 मैचों में सातवीं हार झेलनी पड़ी।

अयान की अगुआई में पटना की दमदार शुरुआत

शुरुआती पांच मिनट में पटना पाइरेट्स ने अयान और मजबूत डिफेंस के दम पर 5-4 की बढ़त हासिल की। हालांकि बुल्स के आकाश ने तेजी से रेड करते हुए स्कोर बराबर किया और फिर अयान को लपककर अपनी टीम को बढ़त दिलाई। पहले क्वार्टर के अंत तक बेंगलुरू बुल्स 8-7 से आगे थे।

हाफटाइम तक पटना की वापसी

दूसरे क्वार्टर में बुल्स ने पटना को कई बार सुपर टैकल की स्थिति में धकेलने की कोशिश की, लेकिन

मंजीत और अयान के शानदार संयोजन ने हर बार टीम को बचा लिया। इस दौरान पटना ने चार अंकों की लीड बनाई, हालांकि बुल्स के अलीरेजा के मल्टीप्वाइंटर ने अंतर घटाकर दो कर दिया। हाफटाइम से ठीक पहले अयान ने रेड में अंक लेकर पटना को 16-13 से आगे कर दिया।

सुपर-10 के साथ अयान ने दिखाया जलवा

हाफटाइम के बाद भी पटना ने अपने आक्रामक खेल को जारी रखा। अयान ने लगातार अंक बटोरे और दो अंकों की रेड के साथ अपना सुपर-10 पूरा किया। बुल्स की टीम आलआउट की कगार पर पहुंच गई और पटना ने इसका फायदा उठाते हुए स्कोर 25-16 कर लिया। कुछ ही देर में बढ़त 11 अंकों तक पहुंच गई। हालांकि 30वें मिनट तक बुल्स ने वापसी करते हुए स्कोर 18-28 कर दिया।

अंतिम क्षणों का रोमांच और टाईब्रेकर का नतीजा

मैच के अंतिम चरण में बेंगलुरू के अलीरेजा ने शानदार प्रदर्शन किया। पहले बोनस अंक लिया और फिर अयान को आउट कर पटना को झटका दिया। बुल्स ने लगातार अंक बटोरे और पटना को आलआउट की स्थिति में पहुंचाकर स्कोर 30-28 कर दिया। अंतिम दो मिनटों में दोनों टीमों के बीच जोरदार संघर्ष देखने को मिला और मुकाबला 32-32 पर समाप्त हुआ।

टाईब्रेकर में भी मुकाबला बेहद करीबी रहा, लेकिन आखिरकार पटना पाइरेट्स ने 6-5 से जीत दर्ज करते हुए एक बार फिर ÷जाएंट किलर÷ के रूप में अपनी पहचान कायम रखी।

एनएमडीसी स्टील को हॉट रोल्ड स्टील के लिए मिला बीआईएस प्रमाणन

एजेंसी

नई दिल्ली। अत्याधुनिक एकीकृत इस्पात संयंत्र एनएमडीसी स्टील लिमिटेड (एनएसएल) ने ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। यह भारत की पहली कंपनी बन गई है, जिसे हॉट रोल्ड स्टील स्ट्रिप, शीट और प्लेट्स के लिए भारतीय मानक (आईएस) लाइसेंस मिला है। इस्पात मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि यह प्रमाणन रायपुर के पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में आयोजित विश्व मानक दिवस 2025 समारोह के दौरान भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने प्रदान किया। यह पुरस्कार एनएमडीसी स्टील के मुख्य महाप्रबंधक (इस्पात) अमृत नारायण ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के हाथों प्राप्त किया। इस समारोह में खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री दयाल दास बघेल तथा बीआईएस रायपुर के निदेशक एवं प्रमुख एसके गुप्ता उपस्थित रहे। मंत्रालय ने कहा कि आईएस 18384:2023 प्रमाणन पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस उद्योग में पाइपलाइन परिवहन प्रणालियों के लिए डिज़ाइन किए गए इस्पात उत्पादों में उत्कृष्टता के लिए एक महत्वपूर्ण मानक स्थापित करता है। यह एनएमडीसी स्टील के तकनीकी उन्नयन, उत्कृष्ट उत्पाद गुणवत्ता और सुस्थिर विनिर्माण प्रथाओं पर केंद्रित दृष्टिकोण को दर्शाता है।

स्पाइसजेट इराक के पवित्र नजफ शहर के लिए शुरू करेगी विशेष उड़ानें

नई दिल्ली। निजी विमान सेवा कंपनी स्पाइसजेट इराक के पवित्र नजफ शहर के लिए शनिवार से विशेष उड़ानें शुरू करेगी। एयरलाइंस ने शुक्रवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि वह मुंबई से 18 अक्टूबर से 29 मार्च तक हर नौ दिन पर नजफ के लिए एक उड़ान शुरू करने वाली है। इसी तरह अहमदाबाद से 19 अक्टूबर से 30 मार्च तक हर नौ दिन पर एक उड़ान का परिचालन करेगी। मुंबई के लिए वापसी की उड़ान 27 अक्टूबर से 29 मार्च तक हर नौ दिन पर और अहमदाबाद के लिए 28 अक्टूबर से 30 मार्च तक हर नौ दिन पर उपलब्ध होगी। नजफ मुस्लिम समुदाय का एक पवित्र तीर्थ है। वहां इमाम अली की मजार है और भारत से भी हर साल बड़ी संख्या में लोग वहां जाते हैं। स्पाइसजेट नजफ के लिए सीधी उड़ान शुरू करने वाली पहली भारतीय एयरलाइंस है।

1600 नंबर सीरीज को चरणबद्ध तरीके से लागू करने पर सहमति

नई दिल्ली। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) द्वारा यहां आयोजित नियामकों की संयुक्त समिति (जेसीओआर) की 9वीं बैठक में 1600 नंबर सीरीज को चरणबद्ध तरीके से लागू करने पर सहमति बनी। नियामकों की संयुक्त समिति का उद्देश्य आम ग्राहकों को धोखाधड़ी से बचाने के उपाय खोजना है। इस बैठक में भारतीय रिजर्व बैंक, भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड, पेंशन निधि नियामक और विकास प्राधिकरण, और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के प्रतिनिधियों के साथ-साथ दूरसंचार विभाग, गृह मंत्रालय, उपभोक्ता कार्य मंत्रालय और भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) के अधिकारी भी शामिल हुए। समिति ने बैंकिंग, वित्तीय सेवाओं एवं बीमा (बीएफएसआई) क्षेत्रों के 1600 नंबर सीरीज योजना में स्थानांतरण के लिए एक चरणबद्ध समय-सीमा पर सहमति व्यक्त की। क्षेत्रीय नियामकों ने सहमत समय-सीमाओं के प्रति अपने समर्थन का आश्वासन दिया। इस व्यवस्था में छोटे वित्तीय/व्यावसायिक संस्थाओं के साथ भेदभाव पर भी चर्चा हुई और ट्राई ने स्पष्ट किया कि वह इस संबंध में आवश्यक निर्देश जारी करेगा। समिति ने प्रोमोशनल कॉल के लिए डिजिटल सहमति प्राप्ति की पायलट परियोजना को फरवरी 2026 तक चरणबद्ध तरीके से पूरा करने पर भी सहमति व्यक्त की। जिसे 11 (ग्यारह) नामित बैंकों में कार्यान्वित किया जा रहा है, और ट्राई और आरबीआई द्वारा संयुक्त रूप से संचालित किया जा रहा है। पायलट परियोजना संतोषजनक ढंग से आगे बढ़ रही है और फरवरी 2026 तक पूरी होने की उम्मीद है।

विप्रो को दूसरी तिमाही में 3,250 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ

बेंगलुरु। सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की देश की अग्रणी कंपनी विप्रो को चालू वित्त वर्ष की 30 सितंबर को समाप्त दूसरी तिमाही में 3,250 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ है।कंपनी ने वित्तीय परिणामों की घोषणा करते हुए बताया कि तिमाही के दौरान सालाना आधार पर उसका सकल शुद्ध लाभ 1.2 प्रतिशत बढ़कर 3,250 करोड़ रुपये रहा। इस दौरान कुल राजस्व 1.8 प्रतिशत बढ़कर 22,700 करोड़ रुपये हो गया। सूचना प्रौद्योगिकी सेवा खंड से प्राप्त राजस्व 2,60.43 करोड़ डॉलर रहा, जो तिमाही-दर-तिमाही 0.7 प्रतिशत बढ़ा है। तिमाही के दौरान 285.3 करोड़ डॉलर के बड़े ऑर्डर मिले। विप्रो के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्रीनि पल्लिया ने वित्तीय परिणामों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए बताया कि यूरोप और एशिया-प्रशांत और पश्चिम एशिया में कारोबार फिर से बढ़ रहा है जिससे राजस्व में वृद्धि दर्ज की गयी है। कंपनी के परिचालन से प्राप्त लाभ बहुत सीमित दायरे में स्थिर बने हुए हैं उन्होंने कहा, में स्पष्ट रणनीति के साथ काम करते हैं। लचीलापन बनाकर रखते हैं, दुनिया में हो रहे परिवर्तनों के अनुरूप ढलते हैं, तथा एआई के साथ नेतृत्व कर रहे हैं। मैं अपने ग्राहकों को विप्रो इंटेलिजेंस प्रदान करने, उन्हें आत्मविश्वास के साथ विस्तार करने, और एआई-आधारित विश्व में भविष्य की ओर बढ़ने में मदद करने को लेकर उत्साहित हूं।

अमेरिका समेत कई देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते पर भारत की वार्ता जारी : गोयल

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत ने कई विकसित देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) लागू किए हैं। भारत इस समय अमेरिका, ओमान एवं यूरोपीय संघ (ईयू) के साथ ऐसे ही समझौतों के लिए सक्रिय बातचीत कर रहा है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने राजधानी नई दिल्ली के एक होटल में %भारत-ब्राजील व्यापार वार्ता को संबोधित करते हुए यह बात कही। गोयल ने अपने संबोधन में भारत की मजबूत आर्थिक वृद्धि तथा ब्राजील के साथ गहरी होती द्विपक्षीय साझेदारी पर प्रकाश डाला। उन?होंने यह भी कहा कि ब्राजील के साथ भी उन्होंने तरजीही व्यापार समझौते को वर्तमान स्तर से आगे बढ़ाने पर चर्चा की है, ताकि भविष्य में हम दक्षिण अमेरिकी बाजार

में बड़े पैमाने पर प्रवेश कर सकें। गोयल ने इस अवसर पर संवाददाताओं से कहा कि भारत ने पिछले कुछ वर्षों में ऑस्ट्रेलिया, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) के साथ एफटीए लागू किए हैं। इसके अलावा ब्रिटेन के साथ एक व्यापार समझौता किया गया है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हमने पिछले तीन साल में कई विकसित देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) किए हैं। हम अमेरिका, यूरोपीय संघ, चिली, पेरू, न्यूज़ीलैंड और ओमान के साथ सक्रिय बातचीत कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि यह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि भारत निवेश और द्विपक्षीय व्यापार दोनों के लिए एक पसंदीदा और पसंदीदा गंतव्य है। इससे पहले ब्राजील के उपराष्ट्रपति गेराल्डो अल्कमिन, रक्षा मंत्री जोस मुसियो मोंटेइरो फिल्हो और केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने भारत-ब्राजील व्यापार वार्ता को संबोधित किया। विश्व खाद्य दिवस पर वाणिज्य मंत्री ने भारत और ब्राजील की साझा कृषि शक्तियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने आशा व्यक्त की कि इस संवाद से कृषि-व्यवसाय और खाद्य प्रसंस्करण में और अधिक सहयोग को बढ़ावा मिलेगा। गोयल ने ब्राजील के उपराष्ट्रपति गेराल्डो अल्कमिन और रक्षा मंत्री जोस मुसियो मोंटेइरो फिल्हो की भागीदारी के लिए आभार व्यक्त किया।

वित्त मंत्री सीतारमण ने हम्पी में प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना के प्रशिक्षुओं से बातचीत की

एजेंसी

नई दिल्ली। कर्नाटक के चार दिवसीय दौरे पर गईं केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को हम्पी में प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना (पीएमआईएस) के प्रशिक्षुओं के साथ बातचीत की। उन्होंने पूछा कि उन्हें इस योजना में शामिल होने के लिए किस बात ने प्रेरित किया और इंटर्नशिप के दौरान उनके सीखने और कौशल विकास के अनुभव पर भी चर्चा की। मंत्रालय के मुताबिक बातचीत के दौरान वित्त मंत्री ने प्रशिक्षुओं से बातचीत में पीएमआईएस के तहत उनके अनुभव और आकांक्षाओं को सुना। उन्होंने प्रशिक्षुओं को उनके पेशेवर सफ़र के लिए मार्गदर्शन और प्रोत्साहन दिया। इस सत्र के दौरान राज्यभर से 60 से ज्यादा प्रशिक्षुओं और इंफोसिस, आईबीएम, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, मैंगलोर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स, हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड, एनएमडीसी और हनीवेल टेक्नोलॉजी सॉल्यूशंस जैसी प्रमुख साझेदार कंपनियों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना केंद्र की पांच प्रमुख रोजगार और कौशल विकास पहलों में से एक है। ये योजना 1-24 वर्ष की आयु के उन युवाओं को लक्षित करती है, जो शैक्षणिक कार्यक्रमों या औपचारिक रोजगार में नामांकित नहीं हैं। इस योजना का उद्देश्य युवाओं की रोज़गार क्षमता को बढ़ावा देने के लिए अगले पांच वर्षों में भारत भर की अग्रणी कंपनियों में एक करोड़ से ज़्यादा सशुल्क इंटर्नशिप प्रदान करना है।

चुनौतियों के बावजूद रायचूर विकास की आकांक्षा के साथ बढ़ रहा आगे: वित्त मंत्री

एजेंसी

नई दिल्ली/रायचूर। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि रायचूर विभिन्न चुनौतियों के बावजूद विकास की आकांक्षा के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार राज्य के उत्तरी भाग में कल्याण कर्नाटक के क्षेत्रों में विकास कार्यक्रमों को आगे बढ़ा रहा है। वित्त मंत्री ने कर्नाटक के रायचूर जिले के जवालगेरा गांव में किसान प्रशिक्षण एवं सामान्य सुविधा केंद्र का उद्घाटन करने के बाद किसानों को कृषि आय बढ़ाने के लिए पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया। सीतारमण कार्यक्रम में उपस्थित किसानों को संबोधित करते हुए मृदा स्वास्थ्य कार्ड, उर्वरक, वित्तीय सहायता और खाद्यान्नों एवं दालों के लिए बढ़े हुए एमएसपी जैसी पहलों पर प्रकाश डाला। सीतारमण ने इस जिले के जवालगेरा गांव में कृषि प्रसंस्करण के लिए एक किसान प्रशिक्षण और साझा सुविधा केंद्र का उद्घाटन करते हुए कहा कि इसी तरह के केंद्र सात जिलों में स्थापित किए जाएंगे। एक का उद्घाटन 15 अक्टूबर को कोप्पल में और दूसरे का आज रायचूर में किया गया। उन?होंने कहा कि सरकार ने हमारे किसानों के लाभ के लिए श्रृंखला की हर कड़ी 'मूल्य समर्थन, बाज़ार, मिट्टी, पानी, जोखिम सुरक्षा और कार्यशील पूंजी' पर काम किया है। उन्होंने बताया कि सबसे

पहले एमएसपी के माध्यम से आय सुरक्षा। दालों के लिए तुअर या अरहर का एमएसपी 2013-14 में 4,300 रुपये प्रति क्विंटल से बढ़कर 2025-26 में 8,000 रुपये हो गया है, जो 86 फीसदी की वृद्धि है। उन?होंने बताया कि मूंग की कीमत और तेजी से बढ़ी है, जो 4,500 रुपये से बढ़कर लगभग 8,800 रुपये प्रति क्विंटल हो गई है। यह 95 फीसदी की वृद्धि है, जबकि उड़द की कीमत 81 फीसदी बढ़कर 4,300 रुपये से 7,800 रुपये प्रति क्विंटल हो गई है। वित्त मंत्री ने कहा कि धान के लिए सामान्य किस्म के धान का एमएसपी 1,310 रुपये प्रति क्विंटल से बढ़कर 2,369 रुपये हो गया है। ई-नाम प्लेटफॉर्म पर 1,473 मंडियां हैं, जिनमें 1.79 करोड़ किसान, 2.59 लाख व्यापारी और 4.01 लाख करोड़ रुपये का रिकॉर्ड व्यापार शामिल है। उन्होंने कहा कि हमने उत्पादन का आधार मज़बूत किया है।

शेयर बाजार में लगातार दूसरे दिन रही तेजी, सेंसेक्स 862 अंक अछला

एजेंसी

नई दिल्ली। शेयर बाजार में तेजी का सिलसिला लगातार दूसरे दिन भी जारी रहा। कारोबार के अंत में बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 862 अंक उछल गया, जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 25,585 के स्तर पर पहुंच गया। विदेशी संस्थागत निवेशकों के पूंजी प्रवाह से भी बाजार में तेजी को समर्थन मिला।

अमेरिकी फेडरल रिजर्व के नीतिगत दर में कटौती की उम्मीद के बीच वैश्विक बाजारों में तेजी से शेयर बाजार हरे निशान पर बंद हुआ। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 862.23 अंक यानी 1.04 फीसदी उछलकर 83,467.66 के स्तर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 1,010.05 अंक तक चढ़ गया था। वहीं, 50 शेयरों वाला एनएसई का निफ्टी 261.75 अंक यानी 1.03 फीसदी की बढ़त के साथ 25,585.30 अंक पर पहुंच गया। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में कोटक महिंद्रा बैंक, टाइटन, एक्सिस बैंक, अदाणी पोर्ट्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा, रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा मोटर्स और एचडीएफसी बैंक प्रमुख रूप से लाभ में रहे। दूसरी ओर नुकसान में रहने वाले शेयरों में

इटर्नल और इन्फोसिस शामिल हैं। बीते दो कारोबारी सत्रों में सेंसेक्स 1,500 अंक से ज्यादा चढ़ा है। वहीं, निफ्टी 1.9 फीसदी उछला है।

एशिया के अन्य शेयर बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी 2.49 फीसदी, जापान का निक्की 1.27 फीसदी और चीन का शंघाई कम्पोजिट 0.10 फीसदी चढ़ा। हांगकांग का हैंग सेंग नुकसान में रहा। यूरोपीय बाजारों में दोपहर के कारोबार में तेजी का रुख रहा। वहीं वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.57 फीसदी बढ़कर 62.26 डॉलर प्रति बैरल पर रहा। उल्लेखनीय है कि एक दिन पहले बुधवार को शेयर बाजार के दोनों प्रमुख सूचकांक बढ़त के साथ बंद हुए थे। बीएसई का सेंसेक्स 575 अंकों की बढ़त के साथ 82,650 के स्तर पर बंद हुआ, जबकि एनएसई का निफ्टी 178 अंकों की तेजी के साथ 25,324 के स्तर पर बंद हुआ था।

दीपावली पर बाजारों में जबरदस्त रौनक, इस साल 5 लाख करोड़ रुपये के कारोबार का अनुमान

एजेंसी

नई दिल्ली। दीपावली का त्यौहार इस बार देश के व्यापार जगत के लिए अपार खुशियां लेकर आया है। देशभर के बाजारों में अभूतपूर्व भीड़ और उत्साह देखने को मिल रहा है। राजधानी नई दिल्ली, मुंबई, जयपुर, अहमदाबाद, लखनऊ, भोपाल, इंदौर, पटना, चेन्नई और कोलकाता जैसे प्रमुख शहरों से लेकर छोटे कस्बों तक व्यापारी लगातार बिक्री में व्यस्त हैं। कारोबारी संगठन कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने इस बार दीपावली पर 5 लाख करोड़ रुपये से अधिक के व्यापार होने की संभावना जताई है। चांदनी चौक से भाजपा सांसद तथा कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने कहा कि वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) दरों में की गई व्यापक कटौती और प्रधानमंत्री

नरेन्द्र मोदी द्वारा स्वदेशी उत्पादों के उपयोग की अपील ने व्यापार को ऊर्जा और गति दी है।

उन्होंने कहा कि स्वदेशी उत्पादों की मांग में भारी वृद्धि हुई है, जबकि विदेशी और ऑनलाइन बिक्री को बड़ा नुकसान उठाना पड़ रहा है। राजधानी नई दिल्ली की सड़कों पर पिछले कुछ दिनों में बढ़ा हुआ ट्रैफिक इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि बाजारों में बिक्री चरम पर है। कैट महामंत्री ने कहा कि इस बार दीपावली के त्योहारी सीजन में व्यापार 5 लाख करोड़ रुपये से अधिक पहुंचने की संभावना है, जबकि पहले यह अनुमान 4.75 लाख करोड़ रुपये का था। इसके साथ ही इवेंट मैनेजमेंट, उपहार पैकेजिंग, कैब सेवाएं, पोर्टर सेवाएं, ऑर्केस्ट्रा कलाकार, डेकोरेशन, आतिशबाजी, मिठाइयां और फूलों जैसे सेवा क्षेत्रों में भी बंपर कारोबार होने की उम्मीद है।

उन्होंने बताया कि बाजारों में इस बार मिट्टी के दीये, कैंडल्स, रंग-बिरंगी झालरें, पारंपरिक साज-सज्जा की वस्तुएं, सूखे मेवे, उपहार पैक, भारतीय परिधान, सोना-चांदी के आभूषण, घरेलू इलेक्ट्रॉनिक्स, मोबाइल, मिठाइयां और नमकीन की बिक्री अपने उच्चतम स्तर पर है। खंडेलवाल ने कहा कि व्यापारी वर्ग उत्साहपूर्वक प्रधानमंत्री मोदी के 'वोकल फॉर लोकल' संदेश को साकार कर रहा है।

नेस्ले इंडिया का दूसरी तिमाही में मुनाफा 17.37 फीसदी घटकर 743.17 करोड़ रुपये

एजेंसी

नई दिल्ली। दैनिक उपभोग का घरेलू सामान बनाने वाली कंपनी नेस्ले इंडिया लिमिटेड ने चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही के नतीजे का ऐलान कर दिया है। 30 सितंबर को समाप्त जुलाई-सितंबर तिमाही में नेस्ले का एकीकृत शुद्ध लाभ 17.37 फीसदी घटकर 743.17 करोड़ रुपये रह गया। कंपनी ने इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि के दौरान 899.5 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। नेस्ले इंडिया लिमिटेड ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि चालू वित?त वर्ष की दूसरी तिमाही में कंपनी का राजस्व 11 फीसदी बढ़कर 5,630.23 करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले

वित्त वर्ष की इसी अवधि में 5,074.76 करोड़ रुपये था। इस दौरान कंपनी का कुल खर्च 12.9 फीसदी बढ़कर 4,616.73 करोड़ रुपये रहा। कंपनी ने बताया कि जुलाई-सितंबर तिमाही में नेस्ले इंडिया की घरेलू बिक्री 10.8 फीसदी बढ़कर 5,411.02 करोड़ रुपये हो गई, जबकि इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में यह 4,883.14 करोड़ रुपये थी। इस दौरान इसका निर्यात 14.4 फीसदी बढ़कर 219.21 करोड़ रुपये रहा। कंपनी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक मनीष तिवारी ने कहा कि घरेलू बिक्री में दोहरे अंक की दर से वृद्धि हुई, जिसका मुख्य कारण मात्रा में वृद्धि है। नेस्ले इंडिया लिमिटेड स्विस बहुराष्ट्रीय कंपनी नेस्ले की एक भारतीय सहायक कंपनी है, जिसका मुख्यालय हरियाणा के गुड़गांव में है। इस कंपनी के उत्पादों में भोजन, पेय पदार्थ, चॉकलेट और कन्फेक्शनरी शामिल हैं।

भारत-ऑस्ट्रेलिया ने 5वें ऊर्जा संवाद के जरिए द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और ऑस्ट्रेलिया ने जलवायु परिवर्तन के खिलाफ लड़ाई के एक हिस्से के रूप में ऊर्जा दक्षता और सक्षम प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की।

भारत और ऑस्ट्रेलिया ने नई दिल्ली में आज भारत-ऑस्ट्रेलिया ऊर्जा संवाद की पांचवीं बैठक की। इस बैठक की सह-अध्यक्षता केंद्रीय विद्युत मंत्री मनोहर लाल और ऑस्ट्रेलिया के जलवायु परिवर्तन एवं ऊर्जा मंत्री क्रिस बोवेन एमपी ने की। भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने 5वें ऊर्जा संवाद के दौरान आयोजित अपने-अपने संयुक्त कार्य समूहों के तहत हुई प्रगति और भावी सहयोग के मार्गों पर विस्तृत प्रस्तुतियां दीं। इस

प्रतिनिधिमंडल में विद्युत मंत्रालय, नवीन एवं अक्षय ऊर्जा मंत्रालय, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय, खान मंत्रालय और कोयला मंत्रालय शामिल थे। मंत्रालय के मुताबिक 5वें ऊर्जा संवाद के दौरान मंत्रियों ने इस बात पर जोर दिया कि भारत-ऑस्ट्रेलिया साझेदारी भारत-प्रशांत क्षेत्र में सुरक्षित, मजबूत और टिकाऊ ऊर्जा प्रणालियों को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाती रहेगी। मंत्रालय के मुताबिक चर्चाओं में वैश्विक स्तर पर शून्य उत्सर्जन की ओर संक्रमण, व्यावहारिक सहयोग और ऊर्जा दक्षता एवं सक्षम प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में संवाद को बढ़ावा देने, हरित हाइड्रोजन की भूमिका को मान्यता देने, ऊर्जा संसाधनों के लिए विश्वसनीय और भरोसेमंद व्यापारिक साझेदार होने की प्रतिबद्धता की पुष्टि करने और विविध, सुरक्षित और लचीली आपूर्ति श्रृंखलाओं के महत्व को मान्यता देने जैसे पहलुओं को शामिल किया गया।

धनतेरस से पहले सोना हुआ 200 रुपये सस्ता, चांदी 2,000 रुपये मजबूत

एजेंसी

नई दिल्ली। धनतेरस से पहले सोने की कीमत 200 रुपये की गिरावट के साथ 1,31,600 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। चांदी का भाव 2,000 रुपये उछलकर 1,84,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया।

अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने बताया कि कारोबारियों की मुनाफावसूली के बीच राजधानी नई दिल्ली के सर्राफा बाजार में सोने की कीमतें अपने रिकॉर्ड स्तर से नीचे 200 रुपये की गिरावट के साथ 1,31,600 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गईं। पिछले कारोबारी दिन 99.9 फीसदी शुद्धता वाले सोने की कीमत 1,000 रुपये उछलकर 1,31,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर पहुंच गई थी।

अखिल भारतीय सर्राफा संघ के मुताबिक उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में चांदी की कीमतें 2,000 रुपये उछलकर 1,84,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) के रिकॉर्ड स्तर के करीब पहुंच गईं। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में हाजिर सोना करीब एक फीसदी बढ़कर 4,246.08 डॉलर प्रति औंस के सर्वका

इंडियन बैंक का दूसरी तिमाही में मुनाफा 11.5 फीसदी बढ़कर 3,018 करोड़ रुपये

एजेंसी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के इंडियन बैंक ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही के नतीजे का ऐलान कर दिया है। 30 सितंबर को समाप्त चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में बैंक का शुद्ध लाभ 11.53 फीसदी बढ़कर 3,018 करोड़ रुपये पर हो गया। बैंक ने पिछले वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही में 2,706 करोड़ रुपये का एकल शुद्ध लाभ अर्जित किया था। इंडियन बैंक ने जारी एक बयान में बताया कि वित्त वर्ष 2025-26 की

दूसरी तिमाही में बैंक का ब्याज आय बढ़कर 11,964 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में 11,125 करोड़ रुपये थी। इसके अलावा बैंक का सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां (एनपीए) दूसरी तिमाही में बढ़कर 2.60 फीसदी हो गई, जो सितंबर 2024 में कुल ऋणों का 3.48 फीसदी थीं। इंडियन बैंक सार्वजनिक क्षेत्र का बैंक है, जिसकी स्थापना 1907 में हुई थी। यह 1 अप्रैल, 2020 को इलाहाबाद बैंक के साथ विलय के बाद भारत का सातवां सबसे बड़ा सार्वजनिक क्षेत्र का बैंक बन गया। यह बैंक सरकार के स्वामित्व में है और विभिन्न वित्तीय सेवाएं प्रदान करता है।

धनतेरस पर देशभर में 50 हजार करोड़ रुपये के सोना-चांदी के व्यापार का अनुमान

एजेंसी

नई दिल्ली। दीपावली के त्योहार पर इस वर्ष दिल्ली सहित देशभर के बाजारों में बड़ी धूमधाम है। ग्राहकों का लंबा तांता बाजारों की ओर रोज रूख कर रहा है। कारोबारी संगठन कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) तथा इसके ज्वेलरी विंग ऑल इंडिया ज्वैलर्स एंड गोल्डस्मिथ फेडरेशन (एआईजेजीएफ) ने धनतेरस के अवसर पर देशभर में करीब 50 हजार करोड़ रुपये से अधिक के सोने-चांदी के व्यापार होने का अनुमान जताया है। कैट एवं एआईजेजीएफ ने शुक्रवार को एक बयान में बताया कि देशभर के सर्राफा बाजारों में किए गए धनतेरस सर्वेक्षण के अनुसार इस वर्ष धनतेरस पर सोने-चांदी के सिक्कों की बिक्री में जबरदस्त उछाल देखने को मिल रहा है, जबकि स्वर्ण आभूषणों की बिक्री में कुछ गिरावट का अनुमान है। लंबे समय के बाद व्यापारियों और ग्राहकों के चेहरे पर खुशी की चमक देखने को मिल रही है। शनिवार को धनतेरस का त?योहार मनाया जा रहा है। इस दिन सोना चांदी, बर्तन और रसोई उपकरण को खरीदना शुभ माना जाता है। कैट

के राष्ट्रीय महामंत्री एवं सांसद प्रवीन खंडेलवाल और एआईजेजीएफ के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंकज अरोरा ने बताया कि सोना-चांदी के रिकॉर्ड ऊंचे दामों के चलते मध्यम और उच्च वर्ग के ग्राहक निवेश के रूप में अब ठोस सिक्कों को अधिक प्राथमिकता दे रहे हैं। ज्वैलरी की मांग में कमी दर्ज की जा रही है। विवाह सीजन के खरीदार भी अब भारी आभूषणों की जगह हल्के गहनों को प्राथमिकता दे रहे हैं। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष दीपावली के दौरान सोने की कीमत करीब 80 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम थी, लेकिन इस वर्ष बढ़कर 1,30,000 रुपये प्रति 10 ग्राम को पार कर गई है, जो करीब 60 फीसदी की वृद्धि है। इसी प्रकार चांदी की कीमतें 2024 में 98 हजार रुपये प्रति किलोग्राम थीं, जो अब 1,80,000 रुपये प्रति किलोग्राम के पार पहुंच गई, इसमें लगभग 55 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। इन बढ़ी कीमतों के चलते निवेशक बड़ी संख्या में सर्राफा बाजार की ओर आकर्षित हुए हैं। खंडेलवाल के अनुसार धनतेरस से दीपावली तक के त्योहारी सीजन में सबसे अधिक मांग बुलियन और सिक्कों की रहने की संभावना है। अरोरा ने बताया कि देशभर में करीब 5 लाख छोटे-बड़े ज्वैलर्स सक्रिय हैं। उन?होंने कहा कि यदि प्रत्येक ज्वैलर औसतन 50 ग्राम सोना बेचता है, तो कुल मिलाकर लगभग 25 टन सोने की बिक्री होगी, जिसकी मौजूदा भाव से अनुमानित कीमत 32,500 करोड़ होगी। खंडेलवाल एवं अरोरा ने कहा कि बदलते बाजार रुझानों को देखते हुए ज्वैलर्स अब फैंसी ज्वैलरी और चांदी के सिक्कों जैसे नए विकल्पों पर विशेष ध्यान दे रहे हैं, ताकि ग्राहकों की बदलती मांग के अनुरूप व्यापार को गति दी जा सकती है।

जापान में 21 अक्टूबर को होगा नये प्रधानमंत्री का चुनाव

एजेंसी
टोक्यो। जापान में सत्तारूढ़ और विपक्षी दलों ने शुक्रवार को श्री शिगेरु इशिबा की जगह एक नए प्रधानमंत्री का चुनाव 21 अक्टूबर को कराने पर सहमति व्यक्त की। जापान के अखबार योमिउरी शिंबुन की रिपोर्ट के अनुसार, सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी और मुख्य विपक्षी दल कॉन्स्टीट्यूशनल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ़ जापान ने 21 अक्टूबर को निवर्तमान प्रधानमंत्री इशिबा के उत्तराधिकारी के चयन के लिए संसदीय मतदान कराने पर सहमति व्यक्त की है। इसी दिन संसद का सत्र भी बुलाया जाएगा।

इक्वाडोर में जज की गोली मार कर हत्या

क्विटो। इक्वाडोर के पश्चिमी मनाबी प्रांत में एक जज की गोली मारकर हत्या कर दी गयी। स्थानीय मीडिया के अनुसार, जज मार्कोस मेंडोज़ा की एक स्कूल के बाहर उस समय गोली मारकर हत्या कर दी गई, जब वह अपने बच्चों को छोड़ने जा रहे थे। प्रारंभिक रिपोर्टों से संकेत मिलता है कि मोटरसाइकिल सवार एक हथियारबंद हमलावर ने जज को रोका और उन पर गोलियां चला दीं। हत्यारे मोटर साइकिल पर आये थे और उनमें से एक ने उन्हें रोककर उन पर गोली दाग दी। पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर जाँच शुरू कर दी है। उल्लेखनीय है कि श्री मेंडोज़ा अटॉर्नी जनरल के कार्यालय के अधीन एक कथित धन शोधन मामले की जाँच से जुड़े हुए थे। इस मामले में शामिल 10 से अधिक लोगों पर मुकदमा चलाया जा रहा है। जिनमें देश का मुख्य ड्रग तस्कर और संगठित अपराधों को अंजाम देने वाले गिरोह 'लॉस चोनेरोस' का सरगना जोस एडोल्फो मैकियास विलामार उर्फ 'फिटो' भी शामिल है।देश की न्यायाधीश एसोसिएशन ने एक बयान जारी कर श्री मेंडोज़ा की हत्या की निंदा की और न्यायिक अधिकारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तत्काल कदम उठाए जाने का आह्वान किया। ह्यूमन राइट्स वॉच के अनुसार, 2022 से इक्वाडोर में कम से कम 15 न्यायाधीशों या अभियोजकों की हत्या हो चुकी है।

दक्षिणी फिलीपीन में भूकंप के जोरदार झटके

मनीला। दक्षिणी फिलीपीन क्षेत्र में सुरीगाओ डेल नोर्टे प्रांत में शुक्रवार को भूकंप के जोरदार झटके महसूस किये गये। फिलीपीन इंस्टीट्यूट ऑफ वोल्केनोलॉजी एंड सीस्मोलॉजी ने बताया है कि शुक्रवार सुबह महसूस किये गये भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 6.2 मापी गयी। संस्थान ने कहा कि भूकंप के झटके स्थानीय समयानुसार सुबह 7ः03 बजे महसूस किये गये। इसका केंद्र जनरल लूना नगरपालिका से लगभग 13 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में 10 किलोमीटर की गहराई में था। संस्थान ने कहा कि टेक्टोनिक भूकंप आफ्टरशॉक को ट्रिगर करेगा और महत्वपूर्ण नुकसान पहुंचाएगा। मिंडानाओ क्षेत्र और मध्य फिलीपींस के पड़ोसी प्रांतों में भी भूकंप के झटके महसूस किये गये। किसी के हताहत होने या नुकसान की तत्काल कोई खबर नहीं है।

उत्तर पश्चिम पाकिस्तान में कई मुठभेड़ों में 34 आतंकवादी ढेर

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के उत्तर पश्चिम खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में सेना के साथ मुठभेड़ की तीन घटनाओं में 34 आतंकवादी मारे गये हैं। पाकिस्तानी सेना ने गुरुवार को यह जानकारी दी। पाकिस्तान की अंतर-सेवा जनसंपर्क (आईएसपीआर) मीडिया विंग ने अपने बयान में कहा कि सुरक्षा बलों ने खुफिया जानकारी के आधार पर खैबर पख्तूनख्वा के उत्तर वजीरिस्तान, दक्षिण

वजीरिस्तान और बन्नु जिले में ये अभियान चलाये थे। आईएसपीआर ने कहा कि पहली मुठभेड़ में सुरक्षा बलों ने उत्तरी वजीरिस्तान जिले के स्पिनवाम क्षेत्र में खुफिया जानकारी के आधार पर एक अभियान चलाया। अभियान के दौरान सैनिकों ने आतंकवादी ठिकाने को ध्वस्त करते हुये 18 आतंकवादियों को ढेर कर दिया। एक अन्य अभियान में दक्षिण वजीरिस्तान जिले में आठ आतंकवादी मुठभेड में मारे गये हैं।तीसरी मुठभेड़ बन्नु जिले में हुयी जिसमें सुरक्षा बलों के साथ आठ आतंकवादी मारे गये। मीडिया विंग ने कहा कि इस क्षेत्र से आतंकवादियों के सफाये के लिये पाकिस्तानी सुरक्षा बल अभियान चला रहे हैं।

जापान में अगले प्रधानमंत्री के चयन के लिए 21 अक्टूबर को संसदीय मतदान

एजेंसी
टोक्यो। जापान में अगले प्रधानमंत्री के चयन के लिए 21 अक्टूबर को संसदीय मतदान कराए जाएंगे। देश के निचले सदन की समय-निर्धारण समिति के बोर्ड में शामिल एक वरिष्ठ सदस्य ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) ने अपने नए नेता साने ताकाइची के नेतृत्व में इस तिथि का प्रस्ताव रखा, लेकिन विपक्षी दलों ने गठबंधन वार्ताओं का हवाला देते हुए इस तिथि पर आपत्ति जताई। इस बीच एलडीपी ने बहुमत हासिल करने और गठबंधन का विस्तार करने के लिए दक्षिणपंथी विपक्षी जापान इनोवेशन पार्टी से संपर्क किया है, जिससे ताकाइची जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री बन सकेंगी। इस महीने के अंत में नए प्रधानमंत्री को

कई अहम कूटनीतिक कार्यक्रमों में भाग लेना है, जिनमें मलेशिया और दक्षिण कोरिया में अंतर्राष्ट्रीय शिखर सम्मेलनों से लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की जापान यात्रा भी शामिल है। साने ताकाइची के जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री बनने की संभावना है। उल्लेखनीय है कि दरअसल तत्कालीन प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा ने सितंबर 2025 की शुरुआत में प्रधानमंत्री और लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) के अध्यक्ष पद से अचानक इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद पार्टी के नये नेता का चुनाव 4 अक्टूबर, को हुआ था जिसमें साने ताकाइची ने जीत हासिल की।

उन्होंने शिंजिरो कोइजुमी को हराया। ताकाइची को 185 वोट (54.25 प्रतिशत) और कोइजुमी 156 वोट (45.75 प्रतिशत) मिले। इस जीत के साथ ही ताकाइची एलडीपी का नेतृत्व करने वाली पहली महिला बनीं। अब वह प्रधानमंत्री पद की स्वाभाविक दावेदार हैं और उनके इस पद पर निर्वाचित होने की पूरी संभावना है।

मैक्सिको के तिजुआना में सरकारी दफ्तर पर ड्रोन हमला, कोई हताहत नहीं

एजेंसी
मेक्सिको सिटी। उत्तरी मैक्सिको के सीमावर्ती शहर तिजुआना में बुधवार को एक अपराधी गिरोह ने राज्य के अटॉर्नी जनरल कार्यालय पर ड्रोन हमला किया। अधिकारियों ने बताया कि यह हमला अस्थायी रूप से तैयार किए गए विस्फोटक उपकरण के जरिये किया गया था, जिसमें कीलें और धातु के टुकड़े भरे हुए थे।

हमला अटॉर्नी जनरल के एंटी-किडनैपिंग यूनिट के कार्यालय के बाहर हुआ। विस्फोट से आसपास खड़ी कुछ गाड़ियों को नुकसान पहुंचा, लेकिन किसी के हताहत या घायल होने की सूचना नहीं है। बाजा कैलिफोर्निया की अटॉर्नी जनरल मारिया एलेना आंद्रादे ने बताया कि इस हमले के पीछे एक बड़ा संगठित अपराध गिरोह शामिल है, हालांकि उन्होंने उसका नाम बताने से इंकार कर दिया। हमले के बाद अमेरिकी दूतावास ने तिजुआना में सुरक्षा चेतावनी जारी की है। तिजुआना शहर अमेरिकी सीमा से सटा हुआ है और लंबे समय से ड्रग तस्करी और गैंग

हिंसा के लिए कुख्यात रहा है। अधिकारियों का मानना है कि यह हमला अपराधी समूहों द्वारा सरकारी कार्रवाई के खिलाफ दबाव बनाने की कोशिश का हिस्सा हो सकता है।

नेपाल में पूर्व प्रधानमंत्री, पूर्व मंत्रियों के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के मामले में कार्रवाई शुरू

एजेंसी
काठमांडू। नेपाल के तीन पूर्व प्रधानमंत्री तथा दो पूर्व मंत्रियों की आय से अधिक संपत्ति के मामले में जांच शुरू कर दी है। इस जांच के घेरे में पूर्व प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली, पूर्व प्रधानमंत्री शेरबहादुर देउबा एवं पूर्व प्रधानमंत्री पुष्पकमल दहल हैं। इसी तरह पूर्व विदेश मंत्री आरजू देउबा और पूर्व ऊर्जा मंत्री दीपक खड़का के खिलाफ भी देशभर से साक्ष्य जुटाने का काम शुरू कर दिया गया है। सितंबर 8 और 9 को नेपाल में हुए जेन जी आंदोलन के दौरान पूर्व प्रधानमंत्री तथा पूर्व मंत्रियों के घर से करोड़ों रुपए नकद मिलने और करोड़ों रुपए के जलाए जाने की घटना के बाद इसकी जांच शुरू कर दी गई है। नेपाल के संपत्ति शुद्धिकरण विभाग ने देशभर के सभी बैंकों, नेपाल स्टॉक एक्सचेंज, उद्योग विभाग, कंपनी रजिस्ट्रार में पत्र लिख कर इन तीन पूर्व प्रधानमंत्री तथा मंत्रियों के व्यक्तिगत, परिवार, और उनके रिश्तेदार के नाम पर रहे किसी भी प्रकार की संपत्ति, बैंक अकाउंट में रहे नकद, फिक्स्ड डिपोजिट, शेयर, कंपनी उनके नाम पर है तो उसका

संपूर्ण विवरण एक महीने के भीतर विभाग में जमा करने के लिए कहा है। गृहमंत्री ओमप्रकाश आर्याल ने कहा कि विभाग के निर्देशन पत्र को देश के सभी 76 जिलों में भेज कर उनके तीन पुश्तों का संपत्ति ब्यौरा देने को कहा गया है। उन्होंने कहा कि अन्य मंत्रियों और पूर्व प्रधानमंत्रियों को भी जांच के दायरे में लाया जाएगा लेकिन पिछले एक दशक से इन्हीं तीन पूर्व प्रधानमंत्रियों के पर पर रहने के कारण शुरुआत इन्हीं से की गई है। गृहमंत्री आर्याल ने बताया कि पूर्व मंत्री डा आरजू राणा देउबा, उनके बेटे जयवीर देउबा, उनके भाई भूषण राणा तथा परिवार के अन्य सदस्यों को भी जांच के दायरे में लाया गया है। इसी तरह पूर्व ऊर्जा मंत्री दीपक खड़का जो आंदोलन के बाद से ही अमेरिका के लिए रवाना हो गए हैं उनके और उनके परिवार वालों के खिलाफ भी जांच शुरू की गई है।

भारतीय सेना प्रमुख से नेपाली सेना के उप प्रमुख ने की द्विपक्षीय वार्ता, स्थायी संबंधों पर जोर

एजेंसी
काठमांडू। नई दिल्ली में 14 से 16 अक्टूबर तक हुए संयुक्त राष्ट्र मिशन में योगदान देने वाले देशों (यूएनटीसीसी) के प्रमुखों के सम्मेलन के बाद शुक्रवार को नेपाल के उप सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल प्रदीप जंग केसी ने भारत के सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी के साथ द्विपक्षीय बैठक की।

नेपाली सेना की तरफ से इस मुलाकात को लेकर आज एक बयान में बताया गया है कि दोनों देशों की सेनाओं के बीच गहरे ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और पेशेवर संबंधों को और आगे ले जाने को लेकर बातचीत हुई है। नई दिल्ली स्थित सैन्य मुख्यालय में हुई इस बैठक के दौरान भारत और नेपाली सेना के बीच स्थायी संबंध पर जोर दिया गया। दोनों देशों के सैन्य अधिकारियों ने रक्षा सहयोग को मजबूत करने, संयुक्त प्रशिक्षण पहल को बढ़ाने और संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों में सहयोग को गहरा करने पर विचारों का आदान-प्रदान किया। बयान में

कहा गया है कि यूएन पीस कीपिंग मिशन एक ऐसा क्षेत्र है, जहां दोनों देशों ने अपने योगदान के लिए वैश्विक सम्मान अर्जित किया है।

जनरल द्विवेदी और लेफ्टिनेंट जनरल केसी ने नियमित संस्थागत आदान-प्रदान और रक्षा संवाद बनाए रखने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। उन्होंने दोनों पड़ोसी सेनाओं के बीच निरंतर सहयोग के माध्यम से परिचालन तालमेल और क्षेत्रीय स्थिरता को मजबूत करने के महत्व पर जोर दिया।

नेपाल के संसदीय चुनावों को सफल बनाने के लिए राष्ट्रपति ने युवाओं से किया आह्वान

एजेंसी
काठमांडू। नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने देश के युवाओं से अगले साल 5 मार्च को होने वाले संसदीय चुनावों को सफल बनाकर इतिहास रचने का आह्वान किया है। प्रधानमंत्री सुशीला कार्की और उनके मंत्रिमंडल के सदस्यों के साथ चर्चा में उन्होंने कहा कि चुनावों को एक अवसर के रूप में लिया जाना चाहिए। राष्ट्रपति पौडेल ने आग्रह किया कि केवल चुनाव की घोषणा हो जाने के कारण इसे हल्के में न लिया जाए। उन्होंने कहा कि देश को नए चुनावों के माध्यम से जनादेश के साथ आगे बढ़ना चाहिए, ताकि एक ऐसे देश का निर्माण किया जा सके, जो युवा आंदोलन की आकांक्षाओं को पूरा कर सके। राष्ट्रपति पौडेल ने कहा कि नए चुनावों की घोषणा इसलिए की गई है, ताकि युवा पीढ़ी सही मायने में देश को भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद और पक्षपातपूर्ण

व्यवहार से मुक्त देख सके और सही लोग देश चला सकें। उन्होंने युवाओं से आग्रह करते हुए कहा कि वे इस चुनाव को गंभीरता से लें और इसे देश का चेहरा बदलने के लिए एक बड़े अभियान के रूप में प्रतिष्ठा का विषय बनाएं। राष्ट्रपति पौडेल के प्रेस सलाहकार किरण पोखरेल ने बताया कि उन्होंने युवाओं से चुनावों में आगे आकर एक अच्छी प्रतिनिधि सभा बनाने का आग्रह किया है। प्रेस सलाहकार पोखरेल ने राष्ट्रपति पौडेल के हवाले से कहा कि राष्ट्रपति ने देश को न्याय के पथ पर, सुशासन के पथ पर आगे बढ़ना होगा और देश को प्रगति करनी होगी। युवाओं को विदेश पलायन के लिए मजबूर करने की स्थिति समाप्त होनी चाहिए। राष्ट्रपति पौडेल ने लोगों से उन लोगों से सावधान रहने का भी आग्रह किया, जो अपनी अवैध मांगों के बल पर युवाओं के आंदोलन का शोषण करना चाहते हैं तथा अपने हितों की पूर्ति करना चाहते हैं। युवाओं के प्रतिनिधियों ने स्पष्ट किया है कि युवा आंदोलन सामाजिक और आर्थिक न्याय के लिए है तथा कुशासन और भ्रष्टाचार के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि यह संविधान, लोकतंत्र, संघीयता या समावेशिता के खिलाफ नहीं है।

जापान के पूर्व प्रधानमंत्री तोमीची मुरायामा का निधन

एजेंसी
टोक्यो। पूर्व जापानी प्रधानमंत्री तोमीची मुरायामा का उनके गृह नगर ओइता में 101 वर्ष की आयु में निधन हो गया।वह 1990 के दशक के मध्य में देश के प्रधानमंत्री रहे थे। क्योदो समाचार समिति ने यह जानकारी दी है। ओइता प्रान्त में 3 मार्च, 1924 को जन्मे श्री मुरायामा 1993 में जापान सोशलिस्ट पार्टी के अध्यक्ष बने और जून 1994 से जनवरी 1996 तक प्रधानमंत्री रहे।

श्री मुरायामा ने 15 अगस्त 1995 को द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति की 50वीं वर्षगांठ के अवसर पर अपने नाम से एक कैबिनेट-अनुमोदित बयान जारी किया, जिसमें कहा गया था ÷जापान, एक गलत राष्ट्रीय नीति का पालन करते हुए युद्ध की ओर बढ़ गया था और अपने औपनिवेशिक शासन और आक्रमण से कई देशों विशेष रूप से एशियाई देशों के लोगों को भारी क्षति और पीड़ा पहुँचायी।'मुरायामा वक्तव्य में 'गहरा पश्चाताप' भी व्यक्त किया गया और 'क्षमायाचना' की पेशकश की गयी, जिसमें जापान की युद्धकालीन कार्रवाइयों के लिए अप्रत्याशित शोक वाली भाषा का इस्तेमाल किया गया, जिसे अंतर्राष्ट्रीय समुदाय ने व्यापक रूप से काफी सराहा था। उन्होंने वर्ष 2000 में राजनीति से संन्यास ले लिया और शांति कार्यों के लिए खुद को समर्पित करना जारी रखा। श्री मुरायामा ने 15 अगस्त, 2020 को अपने वक्तव्य की 25वीं वर्षगांठ पर इतिहास को स्वीकार करने पर जोर दते हुये एक बार फिर क्षमा याचना की और आक्रमण तथा औपनिवेशिक शासन से दूर रहने का संकल्प लिया। उन्होंने यह भी कहा था कि मुरायामा वक्तव्य भविष्य में जापान, एशिया और दुनिया में सुलह, शांति और विकास में योगदान देता रहेगा।

नेतन्याहू ने हमास पर शेष मृत बंधकों को खोजने के लिए दबाव बनाने का 'दृढ़ संकल्प' व्यक्त किया

एजेंसी
यरूशलम। इज़रायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि वह गाजा में अभी भी मृत बंधकों की वापसी सुनिश्चित करने के लिए 'दृढ़' हैं और देश आतंकवाद से 'पूरी ताकत' से लड़ता रहेगा। श्री नेतन्याहू ने सात अक्टूबर 2023 को हमास की ओर से किये गये हमले के पीड़ितों के लिए आयोजित शोक सभा में यह बात कही। उन्होंने यह बात हमास द्वारा दो और इजरायली बंधकों के शव लौटाए जाने के कुछ घंटों बाद कही। गौरतलब है कि हमास ने कहा है कि वह शेष 19 इजरायली बंधकों के शवों का पता नहीं लगा पा रहा है। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, इज़रायल में इस बात को लेकर रोष है कि हमास ने

पिछले हफ्ते हुए गाजा युद्धविराम समझौते के अनुसार सभी शव नहीं लौटाए हैं, हालाँकि अमेरिका का मानना है कि यह समझौते का उल्लंघन नहीं है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने गुरुवार को संकेत दिया कि अगर हमास लोगों को मारना जारी रखता है तो वह लड़ाई फिर से शुरू होते देखना चाहते हैं। इससे पहले गुरुवार को इज़रायली सरकार ने कहा था कि बुधवार रात हमास द्वारा रेड क्रॉस की अंतरराष्ट्रीय समिति को सौंपे गए दो शवों की पहचान इनबार हेमान और सार्जेंट मेजर मुहम्मद अल-अतरश के रूप में हुयी है। इसके साथ ही सोमवार से अब तक वापस लौटे मृत बंधकों की संख्या नौ हो गयी है।इस बीच, गाजा में, बंधकों के शवों के बदले हाल के दिनों में इज़रायल द्वारा वापस लौटाये गये फ़िलिस्तीनी लोगों के शवों की पहचान का काम चल रहा है। गुरुवार को 30 और शव वापस लौटाए गए, जिससे कुल संख्या 120 हो गयी है।

इक्वाडोर में जज की गोली मार कर हत्या

एजेंसी
क्विटो। इक्वाडोर के पश्चिमी मनाबी प्रांत में गुरुवार को एक जज की गोली मारकर हत्या कर दी गयी।

स्थानीय मीडिया के अनुसार, जज मार्कोस मेंडोज़ा की एक स्कूल के बाहर उस समय गोली मारकर हत्या कर दी गई, जब वह अपने बच्चों को छोड़ने जा रहे थे।प्रारंभिक रिपोर्टों से संकेत मिलता है कि मोटरसाइकिल सवार एक हथियारबंद हमलावर ने जज को रोका और उन पर गोलियां चला दीं। हत्यारे मोटर साइकिल पर आये थे और उनमें से एक ने उन्हें रोककर उन पर गोली दाग दी। पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर जाँच शुरू कर दी है।

उल्लेखनीय है कि श्री मेंडोज़ा अटॉर्नी जनरल के कार्यालय के अधीन एक कथित धन शोधन मामले की जाँच से जुड़े हुए थे। इस मामले में शामिल 10 से अधिक लोगों पर मुकदमा चलाया जा रहा है। जिनमें देश का मुख्य ड्रग तस्कर और संगठित अपराधों को अंजाम देने वाले गिरोह 'लॉस

चोनेरोस' का सरगना जोस एडोल्फो मैकियास विलामार उर्फ 'फिटो' भी शामिल है। देश की न्यायाधीश एसोसिएशन ने एक बयान जारी कर श्री मेंडोज़ा की हत्या की निंदा की और न्यायिक अधिकारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तत्काल कदम उठाए जाने का आह्वान किया। ह्यूमन राइट्स वॉच के अनुसार, 2022 से इक्वाडोर में कम से कम 15 न्यायाधीशों या अभियोजकों की हत्या हो चुकी है।

लेबनान में इजरायली हवाई हमले में एक की मौत, सात घायल

एजेंसी
बेरूत। दक्षिणी लेबनान में हिज़्बुल्लाह के ठिकानों पर इज़रायीली हवाई हमलों में एक व्यक्ति की मौत हो गई और सात अन्य घायल हुए हैं।

लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय के आपातकालीन संचालन केंद्र ने कहा है कि पूर्वी शहर शमुस्तर में इजरायल की ओर से किये गये हवाई हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गयी। वहीं सिडोन जिले के ब्नाफौल में एक व्यक्ति घायल हुआ है, जबकि

नबातीह जिले के अंसार में छह अन्य लोग घायल हुए हैं। लेबनान की आधिकारिक राष्ट्रीय समाचार एजेंसी (एनएनए) ने बताया कि इज़रायल ने स्थानीय समयानुसार रात लगभग नौ बजे हवाई हमला किया, जिसमें दक्षिणी लेबनान के अंसार, सिनाय और बसफूर गांवों के बीच वादी बसफूर में एक कंक्रीट मिक्सिंग प्लांट और एक खदान को निशाना बनाया गया। चीन की न्यूज एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार लेबनानी सेना के एक खुफिया सूत्र ने बताया कि इज़रायली वायु सेना ने दक्षिणी और पूर्वी लेबनान में हिज़्बुल्लाह के ठिकानों को निशाना बनाकर 31 हमले किये, हालांकि उन्होंने कोई और विवरण नहीं दिया।

रूसी तेल खरीदना पूरी तरह से वैध है-चीन

एजेंसी
बीजिंग। चीन ने अमेरिका के साथ बढ़ते व्यापार विवाद के बीच साफ शब्दों में कहा है कि उसका रूसी तेल खरीदना पूरी तरह से वैध है और वह अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हाल की एकतरफा धमकियों की कड़ी निंदा करता है।

चीन का यह बयान अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा बुधवार को की गई उस टिप्पणी के बाद गुरुवार को आया है जिसमें उन्होंने कहा था कि भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूसी तेल खरीदना बंद करने का वादा किया है और वह चीन से भी ऐसा ही करने को कहेंगे। गौरतलब है कि ट्रंप ने चीन और भारत पर इस खरीद के ज़रिए तीन साल से चल रहे यूक्रेन युद्ध को वित्तपोषित करने का आरोप लगाया है और यह भी मांग की है कि यूरोपीय सहयोगी देश रूस से तेल खरीदना तुरंत बंद कर दें। भारत ने इस बाबत अपनी नीति में इस बाबत किसी बदलाव की न तो पुष्टि की और न ही इनकार किया है। इस बीच रूसी तेल ना खरीदने के बारे में चीन पर और दबाव बनाने के ट्रंप के इरादे पर चीन के विदेश मंत्रालय ने गुरूवार को रूस सहित दुनिया भर के देशों के साथ अपने सामान्य, वैध आर्थिक, व्यापारिक और ऊर्जा सहयोग का बचाव किया।

मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने एक प्रेस वार्ता में कहा, अमेरिका की कार्रवाई एकतरफा धमकाने और आर्थिक दबाव बढ़ाने का एक विशिष्ट उदाहरण है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर चीन के हितों को नुकसान पहुँचाया गया, तो वह कड़े जवाबी कदम उठाएगा और अपनी संप्रभुता की दृढ़ता से रक्षा करेगा।

चीन ने गुरुवार को निर्यात नियंत्रण बढ़ाने और चीनी जहाजों पर नए बंदरगाह शुल्क लगाने के अमेरिका के हालिया कदमों की भी आलोचना की और कहा कि इन उपायों का दोनों महाशक्तियों के बीच व्यापार वार्ता पर बेहद हानिकारक प्रभाव पड़ा है। हालाँकि अमेरिका और चीन के बीच तनाव अभी कुछ कम हुआ है लेकिन इस बाबत अभी तक कोई स्थायी समाधान नहीं निकल पाया है। चीन और रूस प्रमुख व्यापारिक साझेदार हैं, और चीन ने कभी भी यूक्रेन के खिलाफ जारी युद्ध के दौरान रूस की निंदा नहीं की है, न ही उससे अपने सैनिकों को वापस बुलाने का आह्वान किया है। हालांकि यूक्रेन और पश्चिमी सरकारें लंबे समय से चीन पर रूस को राजनीतिक और आर्थिक समर्थन देने का आरोप लगाती रही हैं।

इस बीच चीन द्वारा दुर्लभ खनन प्रौद्योगिकियों और खनिजों के निर्यात पर नए नियंत्रण लगाए जाने के बाद, ट्रम्प ने कहा था कि वह एक नवंबर से चीन के उत्पादों पर 100 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाएंगे। अमेरिका ने अप्रैल में भी धारा 301 के तहत उद्योग में चीन के प्रभुत्व को अनुचित पाए जाने के बाद, उसके यहां आने वाले चीन निर्मित और संचालित जहाजों पर शुल्क लगाने की घोषणा की थी। अमेरिकी व्यापार अधिनियम, 1974 की धारा 301, अमेरिका को उन देशों पर व्यापार दंड लगाने का अधिकार देती है जिनकी प्रथाओं को अमेरिकी वाणिज्य के लिए अनुचित या हानिकारक माना जाता है। उधर इसके जवाब में चीन ने पिछले सप्ताह चीनी बंदरगाहों पर आने वाले अमेरिकी जहाजों पर विशेष बंदरगाह शुल्क की घोषणा की । दोनों शुल्क मंगलवार से लागू हो गए। इस बीच चीनी वाणिज्य मंत्रालय की प्रवक्ता ही योंगकियान ने कहा है कि अमेरिका ने चीन की ईमानदारी की अनदेखी करते हुए इन कदमों को आगे बढ़ाया, जो चीन के हितों के लिए बेहद गंभीर और हानिकारक रहे है। चीन के वाणिज्य मंत्री वांग वेंटाओ ने भी बीजिंग में एप्पल के सीईओ टिम कुक के साथ बैठक के दौरान अमेरिका पर नवीनतम व्यापार विवाद को भड़काने का आरोप लगाया। मंत्रालय की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, वांग ने अमेरिकी सीईओ से कहा, चीन-अमेरिका व्यापार संबंधों की समग्र स्थिरता बनाए रखने के लिए दोनों पक्षों को एक साथ मिलकर काम करना होगा।

गेहूं में एकीकृत नाशीजीव प्रबंधन कैसे करें

By: Bhupender

गेहूं विश्व में विस्तृत क्षेत्र में उगाई जाने वाली फसल है, भारत में यह द्वितीय मुख्य खाद्य फसल है। हमारे देश में गेहूं की उत्पादकता कम होने के प्रमुख कारणों में से रोग और कीट प्रमुख है। जो कि प्रतिवर्ष लगभग 10 से 20 प्रतिशत तक हानि पहुँचाते है, इसलिए इस क्षति को कम करने के लिये गेहूं की फसल में नाशीजीवी प्रबंधन जरूरी है।

इस लेख में गेहूं में एकीकृत नाशीजीव प्रबंधन कैसे करें की उपयोगी जानकारी यानि की गेहूं की फसल को प्रभावित करने वाले रोग एवं कीट से कैसे बचाएं का उल्लेख है।

गेहूं के मुख्य कीट एवं एकीकृत नाशीजीव

दीमक– किसी भी क्षेत्र के इलाकों में गेहूं की खेती के लिए सबसे हानिकारक कीटों में शामिल है, यह सबसे अधिक अंकुरित अवस्था में पौधों को क्षति पहुंचाती है।

प्रबंधन

1. गेहूं के बीज का क्लोरपाईरीफॉस 20 ई सी 4 मिलीलीटर प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचार करें।
2. गेहूं के खेत में गोबर की गली सड़ी खाद का ही प्रयोग करें।
3. क्लोरपाईरीफॉस 20 ई सी नामक कीटनाशक 80 मिलीलीटर प्रति 1 किलोग्राम रेत के हिसाब से मिलाकर डालें।
4. गेहूं की बिजाई से पहले गोबर की खाद एवं कीट व्याधिकारक मैटरिजियम के मिश्रण को खेत में डाले।
5. गेहूं बिजाई करने से पूर्व पिछली फसल के अवशेषों को इकटठा करके नष्ट कर दें।
6. खेतों के नजदीक दीमक की बामी (माँउड) को रानी सहित नष्ट करे।

टिड्डे– अंकुरित फसल के पौधो को नष्ट कर हानि पहुंचाते हैं। जिनका क्षेत्र असीमित है, जैसे– मैदानी, घाटी एवं निचले पर्वतीय क्षेत्रों में बहुत नुकसान करते है।

प्रबंधन

1. गेहूं बिजाई से पहले गोबर की खाद एवं कीट व्याधिकारक मैटरिजियम एवं ब्यूवेरिया के मिश्रण को खेत में डाले।
2. गेहूं बिजाई करने से पहले पिछली फसल के अवशेषों को इकटठा करके नष्ट कर दें।
3. क्योंकि टिड्डे निकटवर्ती खेतों और मेढ़ों से जहां घास उग रही होती है वहां से गेहूं एवं जौ की फसल में आते हैं, इसलिए इन स्थानों का भी उपचार करें।

आर्मीवर्म– गेहूं फसल के कोमल तत्वों को खाती है तथा एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र को तबाह करके आगे बढ़ती जाती है।

प्रबन्धन

1. बिजाई से पहले गोबर की खाद और कीट व्याधिकारक मैटरिजियम एवं ब्यूवेरिया के मिश्रण को खेत में डाले।
2. सुंड्यिों को इकटठा करके नष्ट कर दें।
3. कीट का प्रकोप बढ़ने पर कीटनाशी का छिड़काव कृषि विशेषज्ञ की सलाह पर करें।

गेहूं का तेला– यह कीट पत्तों से रस चूसकर हानि पहुंचाता है, जिसके परिणाम स्वरूप दाने बनने में बाधक सिद्ध होता है।

प्रबंधन

1. गेहूं के खेतो में येलो स्टिकी ट्रेप लगाएं।
2. कीट व्याधिकारक व्यूबेरिया का प्रयोग करे।
3. परभक्षी लेडी बर्ड बीटल, क्राईसोर्पला का संरक्षण करें।
4. प्रकोप बढ़ जाने पर रासायनिक कीटनाशक का इस्तेमाल कृषि विशेषज्ञ की सलाह पर करें।

गेहूं की मुख्य बीमारियां एवं नाशीजीव प्रबंधन

पीला रतुआ– हमारे देश में पीला रतुआ गेहूं का प्रमुख रोग है। इसे अंग्रेजी में येलो रस्ट कहते हैं, इसका प्रकोप दिसम्बर के अन्त या जनवरी से शुरू हो जाता है। इससे गेहूं की फसल को बहुत अधिक नुकसान होता है। रोग के लक्षण पीले रंग की धारियों के रूप में पत्तियों पर दिखाई देते हैं।

जिनमें से पिसी हुई हल्दी जैसा पीला चूर्ण निकलता है और कही–कही तो पीला पाऊडर जमीन पर भी गिरा हुआ दिखाई देता है। ऐसे खेत में जाने पर कपड़े भी पीले हो जाते हैं, यदि यह रोग कल्ले निकलने की अवस्था में या इससे पहले आ जाए तो फसल में भारी नुकसान होता है।

पीली धारियां मुख्यत: पत्तियों पर ही पाई जाती हैं, लेकिन रोग की व्यापक दशा में पत्तियों के आवरण, तनों तथा बालियों पर भी देखी जा सकती हैं।

रोग से प्रभावित पत्तियां शीघ्र ही सूख जाती हैं। तापमान बढ़ने पर मार्च के अंत में पत्तियों की पीली धारियां काले रंग में बदल जाती हैं। इसका प्रकोप अधिक ठण्ड एवं नमी वाले मौसम में बहुत ही संक्रमित होता है। पीला रतुआ गेहूं में बालियां लगने से पहले ही प्रकट होता है, इसलिए नुकसान अधिक होता है। रोगी पौधों की बालियों में लगे दाने हल्के और सिकुड़े हुए होते हैं, जिससे पैदावार काफी घट जाती है।

प्रबंधन

1. हमेशा गेहूं की रोग रोधी किस्मों का ही चुनाव करें, क्षेत्र में अनुमोदित किस्मों की ही बुआई करें और ध्यान रखें कि दूसरे क्षेत्रों के लिए अनुमोदित किस्मों को न उगाएं, बुआई समय पर करें।
2. गेहूं की फसल का निरीक्षण ध्यानपूर्वक करें, ऐसा दिसम्बर महीने से ही शुरू कर देना चाहिए।
3. फसल पर इस रोग के लक्षण दिखने पर दवाई का छिड़काव करें, यह स्थिति अक्सर दिसम्बर के अन्त में या जनवरी से फरवरी के आरम्भ में आ जाती है, लेकिन रोग यदि इससे भी पहले दिखाई दे, तो छिड़काव कर देना चाहिए।
4. छिड़काव के लिए प्रॉपीकोनाज़ोल 25 ई सी या टेबुकोनाज़ोल 250 ई सी का 0.1 प्रतिशत की दर से घोल बनाएं अर्थात एक बीघे के लिए 60 मिलीलीटर दवा और 60 से ।0 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें।
5. रोग के प्रकोप और फैलाव को देखते हुए दूसरा छिड़काव 15 से 20 दिन के अन्तराल पर करें।
6. छिड़काव सही तरीके से करें, ताकि दवा पौधों के सभी हिस्सों में अच्छी तरह से फैल जाए।
7. छिड़काव के लिए पानी की उचित मात्रा का प्रयोग करें, अधिक या कम मात्रा में प्रयोग करने से छिड़काव का पूरा लाभ नहीं मिल पाएगा।
8. गेहूं की फसल में छिड़काव दोपहर बाद करने का प्रयास करें।
9. यदि छिड़काव के बाद दो घण्टे के अन्दर बारिश आ जाती है, तो मौसम ठीक होने पर दोबारा छिड़काव करें, क्योंकि इतने समय में दवाई पूरी तरह से पौधों में प्रवेश नहीं कर पाती तथा वर्षा के साथ धुल जाती है।
10. रोग ग्राही किस्में जैसे– पी बी डब्लयू– 343, पी बी डब्लयू– 502, एच एस– 277, एच डी– 2329, एच डी– 268। आदि की बुआई न करें।

भूरा रतुआ– गोल और भूरे रंग के बिखरे हुए धब्बे फसल के पत्तों पर दिखाई देते हैं।

प्रबंधन

रोकथाम के लिए पीले रतुएं उपरोक्त जैसे उपाय आजमाएँ।

काला रतुआ– गहरे भूरे रंग के धब्बे, तने, पत्तों एवं पत्तों के आवरणों पर दिखाई देते हैं, जो बाद में फट जाते है।

प्रबंधन

रोकथाम के लिए पीले रतुएं उपरोक्त जैसे उपाय आजमाएँ।

खुली कांगियारी– इस रोग से प्रभावित पौधे काली बालियां पैदा करते हैं, जिनमें फफूद के बीजाणु पाए जाते हैं, बाद में काले बीजाणु हवा से उड़ जाते हैं एवं केवल तना और बाली का आकार शेष रह जाता है।

प्रबंधन

1. रोग प्रतिरोधि किस्में जैसे– वी एल– 829, एच पी डब्लू– 155, 251 आदि उपयोग में लाएं।
2. बीज की टिल्ट 25 ई सी के 0.01 प्रतिशत 100 पी पी एम के घोल में 6 घंटे के लिए भिगोएं तथा फिर छाया में सुखाकर बिजाई करें या बीज का वीटावैक्स एवं बैवीस्टीन 2.5 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज या रेक्सिल 1 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से उचपार करें।
3. रोग–ग्रस्त पौधों को बीमारी के लक्षण प्रकट होते ही निकाल कर जला दें या खेत के बाहर जमीन में दबा दें।

हिल बन्ट– गेहूं की प्रभावित बालियों में दाने पूरी तरह पकने पर चिपचिपे बीजाणु समूह से भरकर सड़ी मछली जैसी तीव्र गंध देते हैं, लेकिन इसका दानों के आवरणों पर कोई प्रभाव नहीं होता हैं।

प्रबंधन

बीज का वीटावैक्स 2.5 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचार करें।

पत्तों पर कांगियारी– पत्तों पर लम्बी काली धारियां शिराओं के समानान्तर बनती हैं। ये धारियां बाद में फटकर काला चूर्ण (बीजाणु समूह) पदार्थ बाहर निकालती हैं, पौधे छोटे रहे जाते हैं तथा रोग ग्रस्त पत्तों का झड़ना प्रमुख लक्षण है।

प्रबंधन

1. बीज का बैवीस्टीन एवं बेनलेट 2.5 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज से उपचार करें।
2. गेहूं की देरी से बिजाई न करें।
3. जिन खेतों में बीमारी का प्रकोप होता है, वहां बिजाई के तुरंत बाद सिंचाई करें।
4. रोग ग्रस्त पौधों को निकाल कर जला दें।

चूर्णलासिता रोग– रोग से प्रभावित पौधों पर फफूंद की सफेद से मटमैली रूई की हल्की तह नजर आती है।

प्रबंधन

फसल पर कैराथेन 0.05 प्रतिशत या बैवीस्टीन 0.05 प्रतिशत का छिड़काव 15 दिन के अन्तर पर करें।

करनाल बंट– पौधे की किसी बाली के किन्हीं–किन्हीं दानों पर इस बीमारी का प्रकोप होता है, रोग ग्रस्त दाने आंशिक रूप से काले चूर्ण में बदल जाते हैं।

प्रबंधन

1. गेहूं की अनुमोदित किस्मों का चुनाव करें।
2. गेहूं बीज का बैवीस्टीन 2.5 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचार करें।
3. टिल्ट 25 ई सी, 0.1 प्रतिशत का फसल में पहला छिड़काव फलेग पत्ते की अवस्था में और दूसरा छिड़काव पौधों में 50 प्रतिशत बालियां निकलते समय करें, पहले छिड़काव के 10 से 12 दिन पश्चात टिल्ट का छिड़काव केवल बीज फसल के लिये करें।

गेहूं की खरपतवार रोकथाम कैसे करें

गेहूं की खरपतवार में प्रमुख रूप से संकरी पत्ती वाले खरपतवार जैसे मंडूसी, कनकी, गुल्ली डंडा, जंगली जई, पोआ घास, लोमड़ घास और चौड़ी पत्ती वाले खरपतवार जैसे बथुआ, खरथुआ, जंगली पालक, मैना, मैथा, सोंचल, मालवा, मकोय, हिरनखुरी, कंडाई, कृष्णनील, प्याजी, चटरी–मटरी आदि पाये जाते हैं।

इन सब गेहूं की खरपतवार रोकथाम के लिए निम्नलिखित खरपतवारनाशियों की संस्तुति की जाती है, जैसे–

गेहूं की खरपतवार एवं खरपतवारनाशी

i. संकरी पत्ती वाले खरपतवार के लिए

160 ग्राम क्लोडिनोफोप (टॉपिक, पॉइंट, झटका) / 400 मिलीलीटर पिनोक्साडेन (एक्सिल 5 ई सी) / 400 मिलीलीटर फिनोक्साप्रॉप (प्युमा पॉवर) मात्रा 1 एकड़ में

ii. चौड़ी पत्ती वाले खरपतवार के लिए-

8 ग्राम मेटसुल्फुरोन (अलग्रिप) / 20 ग्राम कारफेन्टाजोन (एफिनिटी) / 500 मिलीलीटर 2, 4–डी (वीडमार) मात्रा 1 एकड़ में

iii. संकरी एवं चौड़ी पत्ती वाले खरपतवार के लिए

500 ग्राम आईसोप्रोट्यूरॉन (आईसोगार्ड 75 डब्ल्यू पी) / 13 ग्राम सल्फोसल्फ्यूरॉन (लीडर, एस एफ 10, सफल) / 16 ग्राम सल्फोसल्फ्यूरॉन+मेटसुल्फुरोन (टोटल, वेस्टा) / 160 ग्राम मिसोसल्फ्यूरॉन+आइडोसल्फ्यूरॉन (अटलांटिस) / 500 से 600 मिलीलीटर फिनोक्साप्रॉप+मेट्रीब्यूजीन (एकार्ड प्लस) / 1500 मिलीलीटर पेन्डीमिथालिन (स्टाम्प) मात्रा 1 एकड़ में

1. आईसोप्रोट्यूरॉन, 2,4–डी, कारफेन्टाजोन, मेटसुल्फुरोन, पिनोक्साडेन, मिसोसल्फ्यूरॉन + आइडोसल्फ्यूरॉन फिनोक्साप्रॉप + मेट्रीब्यूजीन, और क्लोडिनोफोप आदि बुवाई के 30 से 35 दिन के बाद 120 से 150 लीटर प्रति एकड़ पानी में मिलाकर छिड़काव करें।
2. सल्फोसल्फ्यूरॉन + मेटसुल्फुरोन, सल्फोसल्फ्यूरॉन, बुवाई के 20 से 25 दिन के बाद (पहली सिंचाई से पहले) या बुवाई के 30 से 35 दिन बाद (सिंचाई के बाद) प्रयोग करें।
3. पेन्डीमिथालिन बुवाई के पहले 2 से 3 दिन तक 120 से 1।0 लीटर प्रति एकड़ पानी में घोलकर छिड़काव करें।

विशेष– हम किसान भाइयों को कहेंगे की आप उपरोक्त कीटनाशक के गेहूं की खरपतवार हेतु प्रयोग के लिए अपने खंड के लिए कृषि अधिकारी से भी संपर्क करें, क्योंकि जलवायु और क्षेत्र इनमें विशेष महत्व रखते है और एक ही खरपतवारनाशी बार बार प्रयोग में न लाये।

1. गेहूं की खरपतवार रोकथाम के लिए हमेशा खरपतवार रहित गेहूं के बीज का उपयोग करें।
2. खरपतवारनाशी की सही मात्रा, सही समय एवं उपयुक्त तकनीक द्वारा छिड़काव करें।
3. गेहूं की खरपतवार हेतु खरपतवारनाशी को अदल–बदल कर उपयोग में लाएं।
4. फसल चक्र में चारे वाली फसलें जैसे बरसीम, जई इत्यादि का समायोजन अवश्य करें।
5. गेहूं की खरपतवार हेतु उपयुक्त छिड़काव करने के लिए फ्लैट फेन नोजल का प्रयोग करें।
6. गेहूं की खरपतवार मंडूसी का प्रभाव कम करने के लिए शून्य आधार द्वारा अगेती बुवाई करें।
7. शाकनाशी प्रतिरोधकता नियंत्रण के लिए ग्लाईफोसेट + पेन्डीमैथालीन का प्रयोग शून्य कृषण द्वारा बुवाई से पूर्व करें।
8. अधिक असर के लिए सल्फोसल्फ्यूरॉन या सल्फोसल्फ्यूरॉन + मैटसल्फ्यूरॉन को पहली सिंचाई से पहले उपयोग करें।
9. जहां भी क्लोडिनाफॉप व सल्फोसल्फ्यूरॉन से प्रतिरोधकता आ गई है, वहाँ पेन्डीमैथालीन, एकार्ड प्लस और पिनोक्साडेन का उपयोग करें।
10. एकार्ड प्लस का प्रयोग पी बी डब्ल्यू 550 और डब्ल्यू एच 542 किस्मों में नहीं करें।
11. क्लोडिनाफॉप या फिनोक्साप्रॉप या पिनोक्साडेन को 2, 4–डी के साथ नहीं मिलाएं, 2, 4–डी का छिड़काव पहले छिड़काव के एक सप्ताह के पश्चात करें।

गेहूं विश्व में विस्तृत क्षेत्र में उगाई जाने वाली फसल है, भारत में यह द्वितीय मुख्य खाद्य फसल है। हमारे देश में गेहूं की उत्पादकता कम होने के प्रमुख कारणों में से रोग और कीट प्रमुख है।

जो कि प्रतिवर्ष लगभग 10 से 20 प्रतिशत तक हानि पहुँचाते है, इसलिए इस क्षति को कम करने के लिये गेहूं की फसल में नाशीजीवी प्रबंधन जरूरी है

पॉली हाउस सिस्टम से खेती

इंटीग्रेटेड फॉर्मिंग (एकीकृत खेती) और पॉली हाउस सिस्टम से खेती कर किसान हर महीने लाखों रुपए की कमाई करने लगे हैं। आधुनिक कृषक हैं जो पारंपरिक तरीके की खेतीबाड़ी छोड़कर नए तरीके से खेती में लाखों की आय करने लगे हैं।

पॉली हाउस में बेमौसमी उत्पादन के लिए वही सब्जियाँ उपयुक्त होती हैं जिनकी बाजार में माँग अधिक हो और वे अच्छी कीमत पर बिक सकें। पर्वतीय क्षेत्रों में जाड़े में मटर, पछेती फूलगोभी, पातगोभी, फ्रेंचबीन, शिमला मिर्च, टमाटर, मिर्च, मूली, पालक आदि फसलें तथा ग्रीष्म व बरसात में अगेती फूलगोभी, भिण्डी, बैंगन, मिर्च, पातगोभी एवं लौकी वर्गीय सब्जियाँ ली जा सकती हैं।

खेती–किसानी में पॉली हाउस फॉर्मिंग और इंटीग्रेटेड फॉर्मिंग (एकीकृत खेती) अब उन्नतशील किसानों के लिए नकदी मुनाफे का पेशा हो चली है। गांवों में अब धान, गेहूं, चना, बाजरा की पारंपरिक खेती से हाथ झाड़ते हुए किसान ऐसी फसलों अथवा फॉर्मिंग के अन्य उत्पादनों में अपनी किस्मत आजमाने लगे हैं, जिससे खुशहाल व्यवसायियों की तरह उनके भी बैंक बैलेंस भरोसेमंद होने लगे हैं। इंटीग्रेटेड फॉर्मिंग सिस्टम किसानों को लखपति बना रहा है। इंटीग्रेटेड फॉर्मिंग यानी एक साथ खेत–खलिहान से जुड़े हैं कई तरह के उद्यम। अब फसलों के जरिये मुनाफा कमा पाना काफी मुश्किल हो चुका है।

ऐसी स्थिति में अगर खेती के साथ कृषि से जुड़ी सह गतिविधियों को भी जोड़ दिया जाए तो खेती को आर्थिक रूप से व्यावहारिक बनाने के साथ किसानों की शुद्ध आय को भी बढ़ाया जा सकता है। ऐसा एकीकृत खेती के जरिये किया जा सकता है जिसमें जमीन के उसी टुकड़े से खाद्यान्न, चारा, खाद और ईंधन भी पैदा किया जा सकता है। कृषि वैज्ञानिकों का कहना है कि एकीकृत किसानी से दोगुनी, तिगुनी कमाई की जा सकती है। अनाज के साथ मशरूम, फल, शहद, सब्जी, अंडे, दूध का कारोबार भी किसान करें तो उन्हें कभी घाटा नहीं होगा। हालांकि इस तरह की विविध खेती प्रणाली में समाहित किए जा सकने वाले कृषि उद्यमों का चयन बेहद सावधानी से करना चाहिए।

इन सभी तरीकों को एक दूसरे के साथ तालमेल में होना चाहिए और जमीन एवं अन्य संसाधनों की कम–से–कम खपत करने वाला होना चाहिए। एक साथ किए जा सकने वाले कृषि–अनुषंगी कार्यों की कोई कमी नहीं है। इनमें पशुपालन, बागवानी, हर्बल खेती, मशरूम उत्पादन, मधुमक्खी पालन, रेशम उत्पादन, मत्स्य पालन और कृषि–वानिकी जैसे काम शामिल हैं। एकीकृत खेती प्रणाली का अगर वैज्ञानिक तरीके से अनुपालन किया जाए तो वह खेती में लगे परिवारों को पूरे साल की आजीविका देने के अलावा उनकी आय वृद्धि का भी माध्यम बन सकता है। इसके अलावा इन खेती प्रणालियों में श्रम की अधिक आवश्यकता को देखते हुए संबंधित कृषक परिवार के अलावा कुछ अन्य लोगों को भी रोजगार मिल सकता है।

बरेली (उ.प्र.) के गांव अभयपुर के अमन लकारा ऐसे ही एक कामयाब किसान हैं। उनकी लगभग 56 बीघे की काश्तकारी में सिर्फ फसलें उगाना नहीं, पशु पालन, मछली पालन, मुर्गी पालन भी है। वह अपने खेत में तालाब बनवाकर मछलियां पाल रहे हैं, जिससे साल में चार–पांच लाख की कमाई हो जा रही है। इसके अलावा वह लगभग सवा सौ मुर्गियां पाले हुए हैं। इससे भी सालाना लाख–सवा–लाख रुपए की आय हो जाती है।

हिमाचल प्रदेश, जम्मूव कश्मीरर, उत्त राखंड, तमिलनाडु, करेल आदि में यह यह मछली खूब पाई जाती है। ट्राउट साफ पानी में पाई जाने वाली मछली होती है। ट्राउट मछली पालन के बिजनेस में तो नाबार्ड बीस फीसदी तक सब्सिडी दे रहा है। दो–ढाई लाख रुपए लगाकर ट्राउट फार्मिंग शुरू की जा सकती है। इसमें सब्सिडी घटा दें तो ये लागत घटकर एक तिहाई से भी कम रह जाती है। पहले ही साल में इससे तीन, साढ़े तीन लाख तक कमाई हो जाती है।

चंदापुर (तेलंगाना) के एक किसान हैं के. रंगा रेड्डी, जो फॉर्मिंग से एक लाख से अधिक की हर महीने कमाई कर ले रहे हैं। वह ताजा सब्जियों की खेती कर रहे हैं। बताते हैं कि पिछले सात–आठ साल के भीतर उनका सालाना टर्नओवर एक करोड़ रुपए तक पहुंच चुका है। वह पंडाल और शेड का इस्तेमाल करते हुए सब्जिरयों की हाईटेक तरीके से खेती कर रहे हैं। सप्लाई के लिए उन्होंने खुद की वैन भी रखी है, जो बाजार तक सब्जियां पहुंचाती है।

महासमुंद (राजस्थान) के किसान गजानंद पटेल मात्र चार एकड़ जमीन में फल और सब्जी की खेती से सालाना 40 लाख रुपए तक की कमाई कर रहे हैं। पॉलीहाउस खेती की जैविक विधि है। खेत को पारदर्शी पॉलीमर से ढंक दिया जाता है। पॉलीहाउस खेती में बिना मौसम की सब्जियां, फूल और फल उगाए जा सकते हैं। इसमें सिंचाई ड्रिप सिस्टम से की जाती है। इससे पानी बहुत कम लगता है। पॉली हाउस (प्लास्टिक के हरित गृह) ऐसे ढाँचे हैं जो परम्परागत काँच घरों के स्थान पर बेमौसमी फसलोत्पादन के लिए उपयोग में लाए जा रहे हैं। ये ढाँचे बाह्य वातावरण के प्रतिकूल होने के बावजूद भीतर उगाये गये पौधों का संरक्षण करते हैं और बेमौसमी नर्सरी तथा फसलोत्पादन में सहायक होते हैं। साथ ही पॉली हाउस में उत्पादित फसल अच्छी गुणवत्ता वाली होती है।

अब बड़ी संख्या में किसानों का रुझान पॉली हाउस की खेती की ओर बढ़ रहा है। किसान आधुनिक तरीके से खेती कर मुनाफा कमाना चाह रहे हैं। बदायूं (उ.प्र.) में विनावर के बरखेड़ा गांव के किसान गोपेश ने पॉली हाऊस बनाकर बीज रहित खीरे की खेती की थी। उनका उगाया खीरा देश भर में निर्यात हो रहा है। उनसे प्रेरित होकर आसपास के किसान भी पॉली हाऊस के माध्यम से खेती करने के लिए कृषि विभाग से संपर्क साध रहे हैं। इसी तरह धौलपुर (राजस्थान) में कृषि विभाग से रिटायर्ड नाथूराम ढांडी ने कृषि विभाग के अनुदान पर पॉलीहाउस बनवाया। पहली बार खीरे की पांच वैरायटी उगाई। छह सप्ताह में फसल तैयार। आधा माल आगरा की मंडी में बेच दिया। उन्होंने बताया कि करीब 20 टन खीरे के उत्पादन से चार माह में ही करीब 3 लाख कमाई हो गई। थोक मार्केट में उनका खीरा 22 रुपए किलो तक बिक रहा है।

इसके साथ ही वह पीली और लाल शिमला मिर्च की खेती पर भी ध्यान लगा रहे हैं। ढाँचे की बनावट के आधार पर पॉली हाउस कई प्रकार के होते हैं। जैसे– गुम्बदाकार, गुफानुमा, रूपान्तरित गुफानुमा, झोपड़ीनुमा आदि। पहाड़ों पर रूपान्तरित गुफानुमा या झोपड़ीनुमा डिजायन अधिक उपयोगी होते हैं। ढाँचे के लिए आमतौर पर जीआई पाइप या एंगिल आयरन का प्रयोग करते हैं जो मजबूत एवं टिकाऊ होते हैं। अस्थाई तौर पर बाँस के ढाँचे पर भी पॉली हाउस निर्मित होते हैं जो सस्ते पड़ते हैं। आवरण के लिए 600–800 गेज की मोटी पराबैगनी प्रकाश प्रतिरोधी प्लास्टिक शीट का प्रयोग किया जाता है। इनका आकार 30–100 वर्गमीटर रखना सुविधाजनक रहता है। पॉली हाउस में बेमौसमी उत्पादन के लिए वही सब्जियाँ उपयुक्त होती हैं जिनकी बाजार में माँग अधिक हो और वे अच्छी कीमत पर बिक सकें। पर्वतीय क्षेत्रों में जाड़े में मटर, पछेती फूलगोभी, पातगोभी, फ्रेंचबीन, शिमला मिर्च, टमाटर, मिर्च, मूली, पालक आदि फसलें तथा ग्रीष्म व बरसात में अगेती फूलगोभी, भिण्डी, बैंगन, मिर्च, पातगोभी एवं लौकी वर्गीय सब्जियाँ ली जा सकती हैं। फसलों का चुनाव क्षेत्र की ऊँचाई के आधार पर कुछ भिन्न हो सकता है। वर्षा से होने वाली हानि से बचाव के लिए अगेती फूलगोभी, टमाटर, मिर्च आदि की पौध भी पॉली हाउस में डाली जा सकती है। इसी प्रकार ग्रीष्म में शीघ्र फलन लेने के लिए लौकीवर्गीय सब्जियों टमाटर, बैंगन, मिर्च, शिमला मिर्च की पौध भी जनवरी में पॉली हाउस में तैयार की जा सकती है।